खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 28 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-84

आ गया बाहुबली

चीन से पहुंचीं 'पहाड़ काटने' वाली भारत की धरती पर सबसे बड़ी मशीनें

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-ईरान में जारी युद्ध के बीच भारत की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए दो टनल बोरिंग मशीनें (टीबीएम) मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट पर पहुंच गई हैं। सुरंगें खोदने वाली हर मशीन करीब 2,000 टन की है। ये मशीनें जर्मन कंपनी हेरेनकनेक्ट ने बनाई हैं, जिनका प्रोडक्शन चीन में गुआंगझू की फैक्ट्री में किया गया है। इन मशीनों को चीन से भारत जहाजों के जरिये लाने में नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और विदेश मंत्रालय को बीजिंग और बर्लिन से संपर्क साधना पड़ा और अरसे से चली कूटनीतिक बातचीत के बाद सरकार को ये बड़ी कामयाबी मिली है। इन मशीनों के आने से अब बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को पूरा करने में तेजी आएगी।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जल्द ही ये मशीनें मुंबई शहर के नीचे चट्टानों को काटकर अंडरग्राउंड टनल बना देंगी, जिससे होकर भारत की पहली बुलेट ट्रेन गुजरेगी। 13.56 डायमीटर वाली ये टीबीएम मशीनें भारत की धरती पर अब तक की सबसे बड़ी मशीनें हैं। इन मशीनों को लाने में भारत के कूटनीतिक संपर्कों का बड़ा इस्तेमाल हुआ है। नई दिल्ली, बीजिंग और बर्लिन के बीच कूटनीतिक प्रयास करने के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय और भारतीय विदेश मंत्रालय 18 महीनों से लगे हुए थे, तब जाकर ये मशीनें चीन से भारत आ पाईं। रिपोर्टों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल का कॉरिडोर 508 किलोमीटर लंबा होगा, जो महाराष्ट्र, गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगा। इस कॉरिडोर का करीब 323 किलोमीटर का हिस्सा तकरीबन पूरा हो चुका है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त, 2027 तक चलने की उम्मीद है। केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने बुलेट ट्रेन के लिए 7 नए कॉरिडोर का ऐलान किया था, जिनमें दिल्ली-वाराणसी, मुंबई-पुणे और पुणे-हैदराबाद शामिल हैं।

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का सबसे ज्यादा तकनीकी हिस्सा अंडरग्राउंड वाला है, जो 21 किलोमीटर लंबा है। यह मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स से नवीं मुंबई के शिलफाटा के बीच होगा। यहां बेहद घनी आबादी और इन्फ्रास्ट्रक्चर है, ऐसे में इसे बनाना बेहद जटिल साबित हो रहा था। मगर, अब इन टीबीएम मशीनों के आने से टनल बनाने का काम संभव हो पाएगा।

काम की प्रगति और भविष्य की योजनाएं

इन 21 किलोमीटर की सुरंग में से 4.8 किमी का काम तो पूरा हो चुका है। इस हिस्से को न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग मेथड यानी ड्रिल और ब्लास्ट के तरीके से बनाया गया है। बचा हुआ 15.5 किलोमीटर के हिस्से को बनाने के लिए इन टीबीएम मशीनों की जरूरत थी।

एक टीवी रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि पहली बुलेट ट्रेन 15 अगस्त, 2027 तक चलने की उम्मीद है। केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने बुलेट ट्रेन के लिए 7 नए कॉरिडोर का ऐलान किया था, जिनमें दिल्ली-वाराणसी, मुंबई-पुणे और पुणे-हैदराबाद शामिल हैं। ▶10पर

तन्नो रामः प्रचोदयात।।

गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह के नेतृत्व में श्रीराम नवमी के अवसर पर धूलपेट स्थित श्री आकाशपुरी हनुमान मंदिर से निकाली गई विशाल शोभा यात्रा के दौरान राजा सिंह ने हाथ में भगवान परशुराम का फरसा लेकर हिंदू राष्ट्र का संकल्प लिया और गौ रक्षा का वचन दिया।

(संबंधित विस्तृत समाचार पृष्ठ 14 पर...)

बंगाल में रामनवमी शोभा यात्रा पर पथराव से तनाव

कोलकाता, 27 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में राम नवमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्राओं के दौरान कुछ स्थानों पर तनाव की स्थिति पैदा होने की खबर सामने आई है। मुर्शिदाबाद और पुरुलिया जिलों में शोभायात्रा के दौरान कथित रूप से पथराव और झड़प की घटनाएं सामने आईं, जिसके बाद पुलिस को हालात नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा।

मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज इलाके में राम नवमी की रैली के दौरान अचानक स्थिति तनावपूर्ण हो गई। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने आरोप लगाया कि उन पर पथराव किया गया, जबकि दूसरे पक्ष ने रैली के दौरान उकसाने वाली बातों का आरोप लगाया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाले और अतिरिक्त बल तैनात किया गया। इसी तरह पुरुलिया जिले के पारा इलाके में भी शोभायात्रा के दौरान पथराव के आरोप लगाए गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार समय रहते हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया और अब दोनों स्थानों पर शांति बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में भारी पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। ▶10पर

इधर तारीख पर तारीख, उधर ट्रंप की पूरी तैयारी

ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला

नयी दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में जंग ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जिससे महंगाई का खतरा भी बढ़ गया है। इस बीच दुनियाभर के बाजारों में भारी गिरावट आई है। वैश्विक बाजार तेजी से बिखर रहे हैं और शुक्रवार को भारत समेत एशियाई बाजार भी बुरी तरह से लुढ़क गए। इसके अलावा कुछ और ऐसे बड़े संकेत सामने आए हैं, जो बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा कर रहे हैं। शुक्रवार देर रात ईरान की सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि उसके न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया गया है। इसमें हेवी-वॉटर प्लांट और येलोकेक प्रोडक्शन प्लांट शामिल हैं। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका और इजरायल के हमलों में मध्य ईरान में स्थित एक हेवी वॉटर रिएक्टर को निशाना बनाया गया है।

फार्स न्यूज एजेंसी ने सेंट्रल मरकजी प्रांत के एक अधिकारी हसन गमारी के हवाले से बताया, खोंदाब हेवी वॉटर कॉम्प्लेक्स को अमेरिकी और इजरायली दुश्मन के हमले में दो फेज में निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार ये हमला खोंदाब पावर प्लांट पर हुआ है। यहां तकरीबन 10 बार हमला किया गया है। हमले के बाद यहां काला धुआं निकल रहा है। इस हमले से अबतक किसी के घायल होने या मौत की खबर नहीं आई है। यहां से रेडिएशन की भी कोई खबर नहीं है। खोंदाब पावर प्लांट ईरान के

मध्य भाग में अराक शहर के पास खोंदाब इलाके में स्थित है। पहले इसे अराक हेवी वॉटर रिएक्टर या आईआर-40 के नाम से जाना जाता था। 2017 में इसका आधिकारिक नाम बदलकर खोंदाब हेवी वॉटर रिसर्च रिएक्टर कर दिया गया। यह पारंपरिक बिजली उत्पादन करने वाला पावर प्लांट नहीं है, बल्कि एक हेवी वॉटर रिसर्च रिएक्टर है। हेवी वॉटर रिएक्टर प्राकृतिक यूरेनियम से चल सकते हैं और प्लूटोनियम का बाई प्रोडक्ट उत्पन्न करते हैं, जिसके कारण यह परमाणु प्रसार के नजरिए से संवेदनशील माना जाता है।

परमाणु कार्यक्रम की अहम कड़ी

हेवी-वॉटर प्लांट और येलोकेक प्रोडक्शन प्लांट दोनों ही परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण प्लांट होते हैं। हेवी-वॉटर मुख्य रूप से परमाणु रिएक्टरों में न्यूट्रॉन की गति कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यूरेनियम अयस्क से निकाला गया यूरेनियम का शुरुआती केंद्रित रूप होता है। यह पीले रंग का पाउडर होता है। यह परमाणु ईंधन बनाने की पहली स्टेज है। इसी येलो-केक को प्रोसेस कर आगे परमाणु बम बनाया जाता है। गुरुवार को अमेरिकी बाजार में भारी गिरावट आई। डाउ जोन्स 470 अंक या 1 फीसदी गिरकर 45,981 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 में भी 0.43 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। ▶10पर

मोदी की टीम इंडिया

मुख्यमंत्रियों के साथ डिजिटल मीटिंग में बोले पीएम-हम होंगे कामयाब

नयी दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि टीम इंडिया की भावना से मिलकर काम करने पर देश इस स्थिति से सफलतापूर्वक उबर जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की प्राथमिकताएं आर्थिक और व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, नागरिकों के हितों की रक्षा करना और उद्योग व आपूर्ति शृखंलाओं को मजूबत करना है। उन्होंने राज्यों से आपूर्ति शंखलाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और जमाखोरी व मुनाफाखोरी के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में अग्रिम योजना बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया, ▶10पर

लॉकडाउन की अफवाहों पर ताला

एलपीजी की कमी को लेकर देश में लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों के बीच केंद्र सरकार ने साफ तौर पर कहा है कि ऐसा कुछ भी नहीं होने जा रहा है। सरकार ने कहा कि जनता की आवाजाही या आर्थिक गतिविधियों पर कोई पाबंदी लगाने की कोई योजना नहीं है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को ऐसी रिपोर्टों को बेबुनियाद बताया। वित्त मंत्री ने कहा, मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहती हूं कि कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और ईंधन की कमी हो जाएगी। ये बातें बेबुनियाद हैं। सीतारमण ने कहा, ''नेताओं की तरफ से आने वाले ऐसे बयान चिंताजनक हैं। ▶10पर

क्या दक्षिणी लेबनान को नया गाजा बनाने की तैयारी में जुटा इजराइल

हिजबुल्लाह की सैन्य ताकत के साथ सामाजिक आधार खत्म करना

तेलअवीव, 27 मार्च (एजेंसियां)। लेबनान में जारी संघर्ष ने गंभीर मानवीय और रणनीतिक संकट पैदा कर दिया है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ती टकराहट के बीच दक्षिणी लेबनान के हालात बेहद चिंताजनक हो चुके हैं। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों के कारण बड़े पैमाने पर तबाही और पलायन देखने को मिला है, जिससे यह आशंका है कि कहीं इस क्षेत्र को नया गाजा बनाने की रणनीति पर काम नहीं चल रहा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक करीब 1100 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि लगभग 12 लाख लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। संघर्ष के कारण पूरे-के-पूरे गांव खाली हो गए हैं और जहां पहले सामान्य जीवन चलता था, वहां अब सिर्फ मलबा और सन्नाटा नजर आता है। खेत, बाजार और घर उजड़ चुके हैं, जिससे यह इलाका एक मानवीय त्रासदी का केंद्र बन गया है। वहीं विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह सब अचानक नहीं हो रहा, बल्कि एक तय रणनीति के मुताबिक ऐसा किया जा रहा है। यह रणनीति गाजा में अपनाए गए माडल से मिलती-जुलती है, जिसके तहत पहले लगातार बमबारी, फिर लोगों को इलाके खाली करने के निर्देश, और अंत में उस क्षेत्र को इस हद तक नष्ट कर देना कि लोग चाहकर भी वापस न लौट सकें। दक्षिणी लेबनान के बिंत जबैल, मरजायौन, हसबाया, नबातियेह और टायर जैसे इलाके इस रणनीति का केंद्र बने हुए हैं। इन क्षेत्रों का महत्व केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। यहां शिया मुस्लिम समुदाय की बड़ी आबादी रहती है, जहां हिजबुल्लाह और अमल मूवमेंट का प्रभाव है। साथ ही कुछ हिस्सों में ईसाई समुदाय और फिलिस्तीनी शरणार्थी भी रहते हैं। इस विविध आबादी का विस्थापन न केवल मानवीय संकट को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय सामाजिक ढांचे को भी कमजोर करता है। वर्तमान स्थिति में हजारों लोग अस्थायी शिविरों, स्कूलों या खुले आसमान में जीन को मजबूर हैं। सेफ जोन घोषित किए गए क्षेत्रों में भी हमलों की खबरों ने लोगों के बीच भय और अविश्वास को बढ़ाया है। यह स्थिति गाजा जैसी मानवीय त्रासदी की याद दिलाती है। इस पूरी कार्रवाई के पीछे संभावित उद्देश्य को लेकर भी बहस तेज हुई है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल हिजबुल्लाह की सैन्य ताकत को कमजोर करने की कोशिश नहीं है, बल्कि उसके सामाजिक आधार को भी खत्म करने की योजना है। सीमा के पास के इलाकों को खाली कराकर संगठन की जमीनी पकड़ को कमजोर करना और लेबनान सरकार पर दबाव बनाना इसके पीछे का मकसद हो सकता है। हालांकि, इस रणनीति की सीमाएं भी हैं। लेबनान का भूगोल और सैन्य ढांचा गाजा से कहीं अधिक जटिल है। हिजबुल्लाह के पास उन्नत हथियार, मजबूत नेटवर्क और लंबे समय का युद्ध अनुभव है, जिससे इजरायल को कड़ी चुनौती मिल रही है।

न्यूज ब्रीफ

जयशंकर ने फ्रांस में जी 7 विदेशमंत्रियों से वैश्विक शासन में सुधार पर चर्चा की

पेरिस। भारत के विदेशमंत्री डा. एस जयशंकर ने फ्रांस में हो रहे जी 7 विदेशमंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने वैश्विक शासन में सुधार विषयक सत्र को संबोधित किया। हालांकि भारत जी7 का सदस्य नहीं है। इस आयोजन के अध्यक्ष के नाते फ्रांस ने भारत को आमंत्रित किया है। फ्रांस के बुलावे जयशंकर कल रवाना हुए। यह बैठक राजधानी पेरिस के पास वाक्स-डे-सेर्ने एबे में हो रही है। जयशंकर ने बैठक के कुछ फोटोज और अपनी सहभागिता के संबंध में एक्स पर पोस्ट किया, जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के सत्र में मैंने वैश्विक शासन में सुधार के विषय पर आमंत्रित साझेदारों के साथ चर्चा की। मैंने यूएनएससी में सुधारों, शांति स्थापना अभियानों को सुव्यवस्थित करने और मानवीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने की तात्कालिकता पर जोर दिया। विशेष रूप से, मैंने ग्लोबल साउथ की ऊर्जा चुनौतियों, उर्वरक आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उठाया। उल्लेखनीय है कि फ्रांस पहुंचने पर जयशंकर का वहां के विदेशमंत्री जीन-नोएल बैरोट ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

पाकिस्तानी नरसंहार को भूल नहीं रहे तारिक रहमान, भारत विरोधी यूनुस की दोस्ती पर फेरा पानी

ढाका। बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पाकिस्तानी सेना द्वारा 1971 में किए गए नरसंहार को याद कर पाकिस्तान और उसके समर्थकों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि तब पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई इतिहास के सबसे घृणित नरसंहारों में से एक थी और इस नरसंहार को कभी: भुलाया नहीं जा सकता। पीएम तारिक ने विशेष रूप से आपरेशन सर्चलाइट के दौरान निहत्थे बांग्लादेशियों की हत्याओं को याद कर पूर्व नियोजित नरसंहार बताया। उनके इस बयान से स्पष्ट है कि बांग्लादेश पाकिस्तान से माफी की मांग पर अड़ा हुआ है, जबकि पाकिस्तान पुरानी आपसी संधियों से हल हो चुका मानता है। बात दें कि तारिक रहमान के पिता जिआ उर रहमान ने भी तब पाकिस्तानी सेना के खिलाफ विद्रोह किया था। 27 मार्च 1971 को उन्होंने कालूरघाट रेडियो स्टेशन से बांग्लादेश की आजादी का ऐलान किया और बाद में मुक्ति युद्ध में प्रमुख कमांडर की भूमिका निभाई। तारिक रहमान ने लोगों से अपील की कि वे स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों को बनाए रखें और देश को लोकतांत्रिक बनाएं। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री और नोबेल विजेता मोहम्मद युनूस ने शेख हसीना के भारत में शरण लेने के बाद पाकिस्तान के साथ मित्रता बढ़ाने की कोशिश की थी।

एआई तकनीक बदल रही पारंपरिक पशुपालन को

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड की हाल्टर नामक कंपनी ने ऐसा स्मार्ट कालर विकसित किया है, जो पारंपरिक पशुपालन को पूरी तरह बदल रहा है। इस एआई तकनीक से गायें खुद तय करती हैं कि उन्हें कब चरना है और कब दूध देने के लिए मिल्किंग शेड जाना है। यह सोलर-पावर्ड स्मार्ट कालर गाय के गले में लगाया जाता है, जिसमें जीपीएस, एआई और कई तरह के सेंसर लगे होते हैं। किसान को केवल एक मोबाइल ऐप इंस्टाल करना होता है, जिसके जरिए वह गायों को निर्देश दे सकता है। ऐप के माध्यम से किसान वर्चुअल फेंस तैयार करता है, यानी बिना तार या बाड़ के ही चरागाह की सीमा तय कर दी जाती है। जब गायें इस सीमा के पास पहुंचती हैं तो कालर पहले बीप करता है, फिर वाइब्रेशन देता है और जरूरत पड़ने पर हल्का सुरक्षित शाक सिग्नल भी देता है, जिससे वे वापस मुड़ जाती हैं। इस तकनीक की खासियत इसका कावरिथम एआई सिस्टम है, जो गायों के व्यवहार को समझकर उन्हें ट्रेन करता है। कालर 24 घंटे गायों की लोकेशन ट्रैक करता है और उनकी सेहत पर नजर रखता है। यह रुमिनेशन (चबाने की प्रक्रिया), आराम, शरीर का तापमान और प्रजनन चक्र जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां रिकार्ड करता है। अगर कोई गाय बीमार होती है या हीट में आती है तो तुरंत ऐप पर अलर्ट मिल जाता है, जिससे समय रहते देखभाल संभव हो पाती है। दुनियाभर में इस तकनीक का तेजी से इस्तेमाल बढ़ रहा है। न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और अमेरिका में 7 लाख से ज्यादा गायों पर यह सिस्टम लगाया जा चुका है। अकेले अमेरिका के 22 राज्यों में 2 लाख से अधिक गायें इस तकनीक से मैनेज की जा रही हैं।

अमेरिका छह अप्रैल तक नहीं करेगा ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला

वाशिंगटन/तेहरान, 27 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़े युद्ध पर अब राष्ट्रपति डोनाल्ड के स्वर कुछ धीमे पड़े हैं। उन्होंने अहम घोषणा की है कि अमेरिका 06 अप्रैल तक ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वह ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमले पर लगी रोक को एक हफ्ते से ज्यादा समय के लिए बढ़ा रहे हैं।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट्स में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि अमेरिका ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों पर लगी रोक को 06 अप्रैल तक बढ़ाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि वह ईरानी सरकार के अनुरोध पर इस रोक को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ने इससे पहले सोमवार को ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले पर पांच दिन की रोक की घोषणा की थी। यह शनिवार को खत्म होने वाली है।

उन्होंने लिखा, ईरानी सरकार के अनुरोध के अनुसार, कृपया इस बयान को इस बात का प्रमाण मानें कि मैं ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट करने की अवधि को 10 दिनों के लिए बढ़ाकर सोमवार, 06 अप्रैल, 2026 को रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक कर रहा हूं। उन्होंने कहा, बातचीत जारी है और फेक न्यूज मीडिया तथा अन्य लोगों के विपरीत दिए गए गलत बयानों के बावजूद, बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!

उन्होंने कहा: ईरान ने सात दिन मांगे थे। मैंने कहा, मैं 10 दिन दे रहा हूं, क्योंकि आपने मुझे जहाज दिए। उनका इशारा उन कई तेल टैंकरों की ओर था, जिनके बारे में उनका कहना है कि ईरान ने सद्भावना दिखाते हुए उन्हें होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी। इस बीच ईरान के एक नेता कहा कि तेहरान में अधिकारियों को अमेरिका का शांति प्रस्ताव मिला है। इस अधिकारी अधिकारी ने शांति प्रस्ताव को एकतरफा बताया है।

इस बीच, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की है कि इस्लामाबाद के युद्ध खत्म करने के लिए मध्यस्थता के प्रयास के तहत अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के बीच संदेश भेज रहा है। इस प्रयास में तुर्किये और मिस्र भी सहयोग कर रहे हैं।

अपनी आर्थिक लाइफलाइन खार्ग द्वीप को बचाने में जुटा ईरान.......ट्रंप प्रशासन की टेढ़ी नजर इस पर

तेहरान। होर्मुज क्षेत्र में एक नया तनावपूर्ण फ्लैशपाइंट उभरता दिख रहा है, जहां ईरान ने अपने बेहद महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप की सुरक्षा को तेजी से मजबूत करना शुरु किया है। खार्ग द्वीप फारस की खाड़ी में स्थित छोटा लेकिन रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण द्वीप है, जहां से ईरान अपने करीब 90 प्रतिशत कच्चे तेल का निर्यात करता है। इसकारण खार्ग द्वीप को ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। यदि इस द्वीप को नुकसान पहुंचता है या यह दुश्मन के कब्जे में जाता है, तब ईरान की पूरी अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका लग सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल के हफ्तों में ईरान ने द्वीप पर सैन्य तैयारियां काफी बढ़ा दी हैं। अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की है, उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम लगाए गए हैं और तटीय क्षेत्रों में माइन्स (बारूदी सुरंगें) बिछाई जा रही हैं। ये माइन दो प्रकार की हैं एक पैदल सैनिकों को रोकने के लिए और दूसरी भारी वाहनों व टैंकों को नुकसान पहुंचाने के लिए। विशेष रूप से उन संभावित स्थानों पर इन्हें लगाया गया है जहां से समुद्र के रास्ते कोई हमला हो सकता है। दरअसल ईरान की यह तैयारी मुख्य रूप से अमेरिका द्वारा संभावित जमीनी हमले की आशंका के कारण हो रही है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान इस विकल्प पर विचार किया गया था कि खार्ग द्वीप पर कब्जा कर ईरान पर दबाव बनाया जाए। इसका उद्देश्य ईरान को होर्मुज क्षेत्र खोलने के लिए मजबूर करना हो सकता है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है।

बालेन्द्र शाह की पहली कैबिनेट बैठक 100 दिन 100 एजेंडा प्रस्ताव पारित करेगी

काठमांडू, 27 मार्च (एजेंसियां)।

बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में बनने वाली नई सरकार में कई पुरानी परंपराओं को बदलने की योजना बनाई गई है। इनमें पहली कैबिनेट बैठक से 100 दिन 100 एजेंडा का प्रस्ताव पारित करने की तैयारी है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने इस बार संकेत दिया है कि मंत्री शपथ के बाद किए जाने वाले पहले निर्णय की परंपरा को जारी नहीं रखा जाएगा। इसके बजाय, कैबिनेट स्तर पर ही 100 दिनों के भीतर लागू करने के लक्ष्य के साथ 100 निर्णय लेने की तैयारी की जा रही है।

बालेन के करीबी नेता कुमार बेन ने कहा, मंत्री व्यक्तिगत रूप से पहला निर्णय नहीं लेंगे, बल्कि कैबिनेट ही प्राथमिकताओं के आधार पर 100 फैसले करेगी। इसके बाद संबंधित मंत्रालय अपने अधिकार क्षेत्र में उन निर्णयों को लागू करेंगे—और परिणाम भी वहीं से दिखाई देंगे।

उनके अनुसार, इस माडल का उद्देश्य लोकलुभावन घोषणाओं के बजाय परिणाममुखी कार्यों पर जोर देना है। उन्होंने मंत्रियों के काम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एक नई संरचना पर भी चर्चा करने की जानकारी दी है।

कुमार बेन के अनुसार, प्रत्येक मंत्री की सहायता के लिए चार-चार सांसदों को नियुक्त करने के विषय में आंतरिक स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने कहा, मंत्री अकेले सब कुछ संभालेंगे, ऐसा नहीं है। सांसदों की टीम बनाकर काम कराने की तैयारी है। इससे निर्णयों के कार्यान्वयन और निगरानी दोनों में आसानी होगी।

इससे पहले वनस्थली स्थित केंद्रीय कार्यालय में हुई केंद्रीय समिति और संसदीय दल की संयुक्त बैठक में सभापति लामिछाने ने मंत्री चयन की जिम्मेदारी नेतृत्व पर छोड़ने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी कहा कि हम विशेषज्ञता के आधार पर मंत्रियों का चयन करेंगे और आंतरिक लाबिंग से बचने का निर्देश दिया था।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में भूकंप, लोग घबराकर घरों से बाहर निकले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के झोब और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार रात आए भूकंप से दहशत फैल गई। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 दर्ज की गई। लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और कुरान की आयतें पढ़ने लगे। भूकंप के कारण झोब के किसी भी हिस्से से जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र ने कहा कि भूकंप का केंद्र झोब से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 12 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। स्थानीय प्रशासन और बचाव एजेंसियां स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। इससे पहले गुरुवार की सुबह भी बलोचिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के बारखान से लगभग 55 किलोमीटर उत्तर में था। इसकी गहराई जमीन से लगभग 92 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई।

उत्तर कोरिया और बेलारूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का समर्थन किया, किम और लुकाशेंको ने शिखर वार्ता में सहयोग संधि पर किए हस्ताक्षर

प्योंगयांग, 27 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर कोरिया और बेलारूस ने युक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन किया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने गुरुवार को शिखर वार्ता में समर्थन दोहराते हुए दोस्ती व सहयोग पर एक संधि पर हस्ताक्षर किए। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट के अनुसार, कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सहयोगी लुकाशेंको ने किम के निमंत्रण पर बुधवार और गुरुवार को उत्तर कोरिया का दो दिवसीय आधिकारिक दौरा किया।

शिखर वार्ता के दौरान लुकाशेंको ने कहा कि प्योंगयांग-मिन्स्क संबंधों ने विकास के एक नए चरण में प्रवेश कर लिया है। इस दौरान किम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर संप्रभु अधिकारों की रक्षा करने की बेलारूसी नेता की नीति के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

इस दौरान बेलारूस और उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध का समर्थन किया और इसी आधार पर दोनों देशों ने अपने संबंधों और सहयोग को मजबूत किया है। साथ ही दोनों नेताओं ने उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से कई योजनाओं पर चर्चा की। आपसी चिंता से जुड़े अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बात की।

किम और लुकाशेंको ने मित्रता और सहयोग पर एक संधि के अलावा कूटनीति, कृषि, सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों से जुड़े कई समझौतों पर भी दस्तखत किए। बातचीत के बाद नेताओं ने फोटो खिंचवाए और उपहारों का आदान-प्रदान किया। दौरे के आखिरी चरण में किम ने लुकाशेंको के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया।

दोनों नेताओं ने आइस रिंक पर एक कलात्मक प्रस्तुति भी देखी। गुरुवार को बेलारूस के राष्ट्रपति प्योंगयांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने निजी जेट से रवाना हो गए। किम उन्हें विदा करने के लिए वहां मौजूद रहे। उत्तर कोरिया और बेलारूस ने औपचारिक रूप से 1992 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। 1995 से दोनों संयुक्त व्यापार और आर्थिक सहयोग समिति का संचालन कर रहे हैं।

युद्ध के कारण नेपाल के अर्थतंत्र पर संकट के बादल-एडीबी रिपोर्ट

काठमांडू, 27 मार्च (एजेंसियां)।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के एक अध्ययन में बताया गया है मध्यपूर्व के बढ़ते संघर्ष के कारण नेपाल जैसे रेमिटेंस पर निर्भर अर्थतंत्रों पर गंभीर असर पड़ सकता है। नवीनतम रिपोर्ट एडीबी ब्रिफ्स 384 के अनुसार, इस संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, आपूर्ति शृंखलाा में बाधा, वित्तीय स्थितियों में सख्ती और विशेष रूप से रेमिटेंस प्रवाह में बड़ी गिरावट का जोखिम बढ़ गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संघर्ष रेमिटेंस प्रवाह को सीधे प्रभावित करेगा, और नेपाल जैसे देशों पर इसका असर ज्यादा होगा जो पश्चिम एशिया से आने वाले रेमिटेंस पर अत्यधिक निर्भर हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 8.1 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आने वाले रेमिटेंस से आता है, जो एशियाई देशों में सबसे अधिक है। यदि पश्चिम एशियाई देशों की आर्थिक गतिविधियों में मंदी

आती है, तो वहां काम कर रहे नेपाली श्रमिकों की मांग और आय घटेगी, जिससे नेपाल में आने वाली विदेशी मुद्रा पर सीधा असर पड़ेगा।

ईंधन के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर नेपाल जैसे देशों के लिए कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में वृद्धि एक बड़ी चुनौती बन गई है। संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत प्रति बैरल 120 डालर तक पहुंच गई थी।

यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो एडीबी का अनुमान है कि एशिया के विकासशील देशों की आर्थिक वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत अंक तक घट सकती है और मुद्रास्फीति 3.2 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसके प्रभाव से दक्षिण एशिया में महंगाई दर सबसे अधिक बढ़ने की संभावना है, जहां कीमतों में 4.9 प्रतिशत अंक तक वृद्धि हो सकती है।

पश्चिम एशिया रासायनिक उर्वरकों का प्रमुख उत्पादन केंद्र भी है। संघर्ष के कारण कतर और सऊदी अरब जैसे देशों से यूरिया और अमोनिया के निर्यात में बाधा आई है, जिससे वैश्विक बाजार में उर्वरकों की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 27 फरवरी की तुलना में 13 मार्च तक यूरिया की कीमत में 42.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। इससे कृषि प्रधान देश नेपाल में खेती की लागत बढ़ेगी और खाद्यान्न कीमतों पर भी दबाव पड़ेगा। इसके अलावा, ओमान और हार्मुज जलडमरूमध्य जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्गों में बाधा के कारण ढुलाई (फ्रेट) दर और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर नेपाल जैसे आयात-निर्भर देशों में सभी प्रकार के सामानों की कीमतों पर पड़ेगा। इस संकट के प्रभाव को कम करने के लिए एडीबी ने सुझाव दिया है कि सरकारें ऊर्जा पर दी जाने वाली सब्सिडी को सभी के बजाय केवल अत्यंत गरीब परिवारों और प्रभावित उद्योगों तक सीमित करें। साथ ही, ऊर्जा की खपत कम करने और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को तेजी से अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है।

जमानत पर छूटकर धमकी देने वालों की जमानत कराएं निरस्त : योगी

गोरखपुर,27 मार्च (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमानत पर छूटकर वादी को धमकाने वाले अभियुक्तों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उनकी जमानत निरस्त कराई जाए। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन परिसर के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से आए करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान कमजोर वर्ग के लोगों ने दबंगों द्वारा डराने-धमकाने की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव हर व्यक्ति को न्याय मिलना चाहिए और सभी पात्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। साथ ही, जमीन कब्जाने वाले भू-माफियाओं और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आए लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल से उपचार का एस्टीमेट मिलते ही सरकार की ओर से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों से भी मुलाकात की, उन्हें स्नेहपूर्वक दुलारते हुए चॉकलेट दी और आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार हर पीड़ित की समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कटौती से आम जनता को बड़ी राहत : सीएम प्रमोद सावंत

पणजी,27 मार्च (एजेंसियां) । केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती किए जाने के फैसले का कई राज्यों के नेताओं ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे आम जनता को राहत देने वाला और वैश्विक तेल संकट के बीच एक अहम कदम बताया है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दी है जबकि डीजल पर 10 रुपए की ड्यूटी को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि यह फैसला साफ तौर पर दिखाता है कि सरकार आम लोगों को बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के असर से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस फैसले से इससे ईंधन की कीमतों में स्थिरता आएगी, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को समर्थन मिलेगा और देश की जनता को बड़ी राहत मिलेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भी इस कदम के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि बदलते वैश्विक हालात के बीच भारत प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में समझदारी व तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है। सीएम माझी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती से आम लोगों को तुरंत राहत मिलेगी और उन्हें वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि ईंधन और जरूरी वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम सरकार की स्थिरता और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे शांत रहें, अफवाहों से बचें और स्थिति को सामान्य बनाए रखने में सहयोग करें। हम सब मिलकर भरोसे और जिम्मेदारी के साथ इस चुनौती का सामना करेंगे।

वहीं, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी इस फैसले की सराहना करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत ने आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला। उन्होंने 'एक्स' अपने पोस्ट में लिखा कि पिछले एक महीने में कच्चे तेल की कीमतें करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इस दौरान दक्षिण-पूर्व एशिया में ईंधन की कीमतें 30-50 प्रतिशत, उत्तर अमेरिका में लगभग 30 प्रतिशत, यूरोप में करीब 20 प्रतिशत और अफ्रीका में करीब 50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं जबकि भारत इस मामले में एक अपवाद के रूप में सामने आया है। जाखड़ ने कहा कि यह कदम न केवल तेल कंपनियों पर दबाव कम करेगा बल्कि आम लोगों को भी राहत देगा।

केरल हाईकोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश, बी. गोपालकृष्णन के खिलाफ शिकायत दो महीने में निपटाई जाए

कोच्चि, 27 मार्च (एजेंसियां) । केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भारत निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह दो महीने के भीतर उस शिकायत पर विचार करे, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भाजपा नेता बी. गोपालकृष्णन ने गुरुवायूर में चल रहे विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने केरल स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) के नेता गोकुल द्वारा दायर एक रिट याचिका का निपटारा करते हुए यह निर्देश जारी किया। याचिकाकर्ता ने एनडीए उम्मीदवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी और उन पर सोशल मीडिया पर कथित सांप्रदायिक पोस्ट के जरिए चुनाव कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था।

गुरुवायूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे गोपालकृष्णन ने ऐसी सामग्री पोस्ट की थी, जिसमें दावा किया गया था कि विरोधी दल इस क्षेत्र में हिंदू उम्मीदवार उतारने में नाकाम रहे हैं। इन टिप्पणियों के कारण कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई और गुरुवायूर मंदिर पुलिस स्टेशन ने भारतीय न्याय संहिता के साथ-साथ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज कर लिया।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि इस घटना के संबंध में पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और विवादित वीडियो को हटा दिया गया है।

कोर्ट ने यह भी पाया कि याचिकाकर्ता पहले ही एक औपचारिक शिकायत के साथ भारत निर्वाचन आयोग से संपर्क कर चुका है, जो अभी लंबित है। अपने आदेश मेंकोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि चूंकि निर्वाचन आयोग के समक्ष उपलब्ध वैधानिक उपाय का अभी तक पूरी तरह से उपयोग नहीं किया गया है, इसलिए ईसीआई के लिए इस मामले पर सोच-समझकर कोई फैसला लेना ही उचित होगा।

पीठ ने चल रही चुनाव प्रक्रिया का हवाला देते हुए आरोपों की मेरिट (गुण-दोष) पर कोई भी ठोस टिप्पणी करने से परहेज किया।

कोर्ट ने कहा, चूंकि चुनाव पहले ही शुरू हो चुके हैं, इसलिए कोर्ट के लिए ऐसी कोई भी टिप्पणी करना उचित नहीं है जिसका प्रस्तावित चुनाव पर कोई असर पड़े। साथ ही ईसीआई को निर्देश दिया कि वह आदेश मिलने के दो महीने के भीतर इस शिकायत पर फैसला ले।

इस निर्देश के साथ ही याचिका का निपटारा कर दिया गया और अब इस राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले में आगे की कार्रवाई तय करने का काम निर्वाचन आयोग पर छोड़ दिया गया है।

ईंधन संकट पर अखिलेश यादव का सरकार पर हमला, बोले-कैमरे झूठ नहीं बोलते

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि पेट्रोल पंप हो या फिर गैस एजेंसी, इसके बाहर लोगों की लंबी कतारें हैं। कैमरे कभी झूठ नहीं बोलते। यह नए जमाने की आंखें हैं, जो दिखाई देता है, वह रिकॉर्ड होता है। एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर अखिलेश यादव ने लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मैं मीडिया के मित्रों से कहूंगा कि आपके कैमरे झूठ नहीं बोल सकते हैं। कैमरा जो देखेगा वह रिकॉर्ड करेगा। किसी भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर चले जाइए। लोगों की लंबी लाइन है। पेट्रोल और गैस लेने के लिए रातभर से लोग इंतजार कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि एक तरफ पीएम मोदी सदन में कोविड जैसी परिस्थितियों के बारे में कह रहे हैं, दूसरी तरफ उनकी पार्टी के नेता झूठ बोल रहे हैं। यूपी के सीएम और डिप्टी सीएम को भी सच बोलना चाहिए। देश की जनता भोली है। उन्हें सच बताइए, वे खाना पकाने के लिए अन्य व्यवस्था को अंजाम दे सकते हैं, लेकिन झूठ मत बोलिए।

उन्होंने नाम लिए बगैर यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि वह नाम के डिप्टी सीएम हैं। आज के जमाने में डिप्टी सीएम डिलीवरी बॉय हो सकते हैं, उन्हें अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक कर देना चाहिए और कहना चाहिए कि कहीं दिक्कत है तो संपर्क करें।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा और डिप्टी सीएम कह रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल गैस की कमी नहीं है तो इन लोगों ने ही ईंधन की जमाखोरी की है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि डिप्टी सीएम सभी को सिलेंडर उपलब्ध कराएंगे।

गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा था कि गैस की समस्या को देखते हुए उन्होंने अपने घर पर मिट्टी के दो चूल्हे मंगवा लिए हैं। अखिलेश यादव के इस बयान पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि अगर उनके यहां सिलेंडर न हो तो वो हमारे यहां सूचना भेज दें, हम सिलेंडर भिजवा देंगे।

ट्रैफिक जाम से हो रहा भारी आर्थिक नुकसान, 'नेशनल अर्बन डीकंजेशन मिशन' की मांग : राघव चड्ढा

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां) । आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को देश के बड़े महानगरों में बढ़ती ट्रैफिक समस्या पर गंभीर चिंता जताते हुए 'नेशनल अर्बन डीकंजेशन मिशन' बनाने की मांग की। संसद के उच्च सदन में शहरी चुनौतियों पर बोलते हुए चड्ढा ने कहा कि ट्रैफिक जाम ने मेट्रो शहरों को विशाल पार्किंग लॉट में बदल दिया है, जहां लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने के बजाय सड़कों पर ही घंटों फंसे रहते हैं। उन्होंने दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई, पुणे और चेन्नई जैसे शहरों के प्रमुख जाम वाले इलाकों का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली में रिंग रोड, आश्रम चौक, धौला कुआं और एनएच-8 दिल्ली-गुरुग्राम मार्ग पर भारी जाम की स्थिति रहती है। वहीं कोलकाता में ए.जे.सी. बोस रोड और चौरंगी रोड, बेंगलुरु में सिल्क बोर्ड जंक्शन और आउटर रिंग रोड, जबकि मुंबई में अंधेरी, बांद्रा और फोर्ट क्षेत्र लगातार जाम से जूझ रहे हैं।

चड्ढा ने कहा, जब आप इन जगहों पर फंसते हैं तो ऐसा लगता है कि सड़क पर नहीं, बल्कि किसी लंबी पार्किंग में खड़े हैं। लोग अब ट्रैफिक में फंसकर अपनी कार से ही वर्चुअल मीटिंग्स करने को मजबूर हो रहे हैं।उन्होंने ट्रैफिक जाम को सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि एक बड़ा आर्थिक संकट बताते हुए कहा कि बेंगलुरु में एक व्यक्ति साल में औसतन 168 घंटे ट्रैफिक में फंसा रहता है। इसके बाद पुणे में 152 घंटे, मुंबई में 126 घंटे, कोलकाता में करीब 110 घंटे, दिल्ली में लगभग 104 घंटे और चेन्नई में करीब 100 घंटे समय बर्बाद होता है।

उन्होंने कहा, औसतन एक व्यक्ति साल में 100 से 168 घंटे ट्रैफिक में फंसा रहता है। यह सिर्फ समय नहीं, बल्कि देश की उत्पादकता का नुकसान है।

चड्ढा ने चेतावनी दी कि हर साल करीब 2.5 करोड़ नए वाहनों के रजिस्ट्रेशन से स्थिति और बिगड़ सकती है, क्योंकि इनमें ज्यादातर निजी वाहन हैं।

उन्होंने सरकार से अपील की कि इस समस्या से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति बनाई जाए, जिसमें पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत करना, स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट लागू करना और वैज्ञानिक पार्किंग नीति तैयार करना शामिल हो।

अंत में उन्होंने कहा, अगर हमारे शहर ट्रैफिक जाम में ही फंसे रहेंगे, तो देश की अर्थव्यवस्था तेज रफ्तार नहीं पकड़ पाएगी।

उज्जैन में बारातियों को ले जा रही बस पलटी, 27 घायल

उज्जैन, 27 मार्च (एजेंसियां) । मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में शुक्रवार को खाचरोद से इंदौर जा रही एक बारात की बस पलट गई, जिससे 27 से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना इंगोरिया पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले जहांगीरपुर गांव के पास बड़नगर रोड पर हुई, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 27 लोग घायल हुए हैं और किसी की जान नहीं गई है। बस में पुरुष, महिलाएं और बच्चे एक शादी में शामिल होने के लिए सवार थे। जहांगीरपुर के पास पहुंचते ही सड़क निर्माण कार्य के चलते चालक ने कथित तौर पर एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान उसने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस पलट गई।

अचानक हुए हादसे में यात्री बस के अंदर फंस गए और मदद के लिए चीखें चारों ओर गूंज उठीं। स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को बचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पलटी हुई बस से यात्रियों को बाहर निकाला और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

कुछ ही मिनटों में पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य में समन्वय स्थापित किया। घायलों को इंगोरिया के सरकारी अस्पताल ले जाने के लिए उज्जैन से पांच एम्बुलेंस भेजी गईं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस को उठाने के लिए उन्हें क्रेन बुलानी पड़ी। चिकित्सा अधिकारियों ने पुष्टि की कि कई यात्रियों को चोटें आई हैं, लेकिन किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। जिन्हें आगे के उपचार की आवश्यकता है, उन्हें उज्जैन के जिला अस्पताल में भेजा जा सकता है।

गुजरात सरकार ने एक्साइज ड्यूटी कटौती का किया स्वागत, सीएम भूपेंद्र पटेल ने पीएम मोदी को सराहा

गांधीनगर, 27 मार्च (एजेंसियां) । गुजरात सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती करने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश के लोगों के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई है और नागरिकों के कल्याण को सबसे ऊपर रखा है। भूपेंद्र पटेल ने कहा, केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में काफी कमी की है, जो वैश्विक अस्थिरता की स्थिति से हर भारतीय को बचाने के मोदी के पक्के इरादे को दिखाता है। पटेल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी धन्यवाद दिया और कहा कि यह फैसला तुरंत लागू किया गया है। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि इस कटौती से ग्राहकों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया संकट के बीच पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती एक ऐसा फैसला है, जिससे आम लोगों को काफी राहत मिलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम बढ़ती कीमतों के असर से नागरिकों को बचाने के उनके इरादे को दिखाता है।

महबूबा मुफ्ती ने सीएम उमर अब्दुल्ला पर साधा निशाना ईरान मुद्दे पर देरी से निंदा को लेकर उठाए सवाल

श्रीनगर, 27 मार्च (एजेंसियां) । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को ईरान के खिलाफ इजरायली हमलों की निंदा की। इस पर जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री को ईरान पर इजरायल के हमले की स्पष्ट शब्दों में निंदा करने में पूरा एक महीना लग गया। महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कितना निराशाजनक है कि हमारे मुख्यमंत्री, जो भारत के एकमात्र मुस्लिम बहुल राज्य के इकलौते मुस्लिम मुख्यमंत्री हैं, को इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करने में पूरे एक महीने का समय लग गया। यहां तक कि पंजाब विधानसभा ने भी तेजी दिखाते हुए सबसे पहले एक प्रस्ताव पारित कर ईरान के साथ अपनी एकजुटता जताई। फिर भी जम्मू-कश्मीर सरकार ने ऐसी कोई जल्दी या सच्ची चिंता नहीं दिखाई, बल्कि एक स्पष्ट और सिद्धांत-आधारित रुख के बजाय अपनी प्रतिक्रियाएं सिर्फ बयानबाजी और भाषणों तक ही सीमित रखीं। इससे पहले, शुक्रवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में ईरान संघर्ष पर बात करते हुए शांति और तत्काल कूटनीतिक हस्तक्षेप का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ईरान पर एक नाजायज और गैर-कानूनी युद्ध थोपा गया। मुझे नहीं लगता कि कोई इसके हक में बोलेगा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, जिस तरह इंसानियत का कत्ल करके बेहरमी से ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके कई साथी और रिश्तेदारों को शहीद किया गया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम होगी। अफसोस की बात यह है कि संघर्ष वहीं रुका नहीं। स्कूल में पढ़ते हुए मासूम बच्चों को जिस तरह बेहरमी से मारा गया, शायद ही इतिहास में इस तरह की कोई घटना हुई होगी।

उन्होंने कहा कि इस युद्ध का मकसद क्या है, यह अभी तक समझ नहीं आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति की बात सुनें तो उन्हें खुद एहसास नहीं है कि ईरान के ऊपर यह जंग क्यों थोपी गई।

गौरतलब है कि इजरायली हमलों में ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर में लगातार विरोध देखा गया है। श्रीनगर समेत कश्मीर के कई हिस्सों में इजरायल के हमलों की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किए गए।

भारतीय सेना के तोपखाने की बढ़ेगी ताकत, 300 देसी बोफोर्स 'धनुष' की खरीद के प्रस्ताव को डीएसी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां) । भारतीय सेना अपने आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है। खास तौर पर आर्टिलरी की ताकत को स्वदेशी तकनीक के जरिये बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय सेना के लिए स्वदेशी धनुष गन सिस्टम की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में सेना के लिए कई अहम फैसले लिए गए। उन फैसलों में से एक थलसेना के लिए 300 स्वदेशी आर्टिलरी गन सिस्टम की खरीद भी शामिल है। इस खरीद प्रक्रिया के पूरा होने के बाद भारतीय सेना के पास 15 से ज्यादा रेजिमेंट और हो जाएंगी। फिलहाल करीब 3 रेजिमेंट भारतीय सेना में शामिल हो चुकी हैं, जबकि 3 और रेजिमेंट आने वाले दिनों में शामिल हो जाएंगी। धनुष को देसी बोफोर्स भी कहा जाता है। 155 मिमी, 45 कैलिबर की धनुष तोप 40 किलोमीटर तक मार कर सकती है, जो कि बोफोर्स की 27 किलोमीटर की रेंज से ज्यादा है। इसका निर्माण गन कैरिज फैक्ट्री कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी इसकी तैनाती की गई थी और इसका इस्तेमाल किया गया था।1999 में शुरू हुए सेना के आधुनिकीकरण योजना में आर्टिलरी तोपें सबसे अहम हिस्सा रही हैं, जिसमें साल 2027 तक 2800 तोपें भारतीय सेना में शामिल करने का लक्ष्य है। 155 मिमी की अलग-अलग कैलिबर की तोपें ली जानी हैं और इस दिशा में काम तेजी से जारी है।इस योजना के मुताबिक टोड तोपें, जिन्हें गाड़ियों के जरिए खींचा जाता है; ट्रक-माउंटेड गन, यानी गाड़ियों पर लगी तोपें; ट्रैक्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड और व्हील्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड गन; तथा अल्ट्रा-लाइट होवित्जर तोपें शामिल हैं। इन अल्ट्रा-लाइट तोपों को हेलीकॉप्टर के जरिए उन पहाड़ी इलाकों तक पहुंचाया जा सकता है, जहां सड़कों के माध्यम से पहुंचना मुश्किल होता है।

सालों गायब रहने के बाद अक्षय खन्ना ने कैसे किया धमाकेदार कमबैक?

दिसंबर 2025 में आई आदित्य धर की मेगा-ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' में जब अक्षय खन्ना ने कराची के खूंखार डॉन का किरदार निभाया, तो 'रहमान डकैत' का रोल दर्शकों को खूब भाया। आपको जानकर हैरानी होगी कि बॉलीवुड के कई ए-लिस्टर एक्टर्स ने यह रोल ठुकरा दिया था। पर अक्षय खन्ना ने इस चुनौती को स्वीकार किया। जब 'धुरंधर' पर्दे पर आई, तो उनके 'रहमान डकैत' का किरदार ने सबके रोंगटे खड़े कर दिए। फिल्म में उनका स्वैग भरा डांस जेन-जी के लिए एक नए एंथम जैसा बन गया। साल 2025 में ही 'छावा' में उनके 'औरंगजेब' के किरदार ने भी क्रिटिक्स को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया।

लेकिन 51 साल के इस 'शोस्टॉपर' की कहानी किसी आम सुपरस्टार जैसी नहीं है। दिवंगत अभिनेता विनोद खन्ना के पुत्र अक्षय खन्ना ने उस दौर में बॉलीवुड में कदम रखा, जब सिनेमा के पर्दे पर संवादों का शोर और ओवर-द-टॉप एक्टिंग का बोलबाला था। साल 1997 में अपनी पहली फिल्म 'हिमालय पुत्र' की असफलता के बाद, महज 21 वर्षीय अक्षय ने जे.पी. दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' से अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की। फिल्म के अंतिम दृश्यों में शौर्य और अदम्य साहस का परिचय देते 'धर्मवीर भाकरी' के किरदार ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

हालांकि, 28 मार्च 1975 को मुंबई में जन्मे अक्षय खन्ना के करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साल 2001 में फरहान अख्तर की फिल्म 'दिल चाहता है' के साथ आया। जिस दौर में उनके समकालीन अभिनेता मारधाड़ वाले किरदारों में व्यस्त थे, उस समय अक्षय ने 'सिद्धार्थ' के रूप में एक बेहद शांत और परिपक्व प्रेमी की भूमिका निभाई। कैनवास पर रंगों से बातें करने वाले 'सिड' का अपनी उम्र से बड़ी एक तलाकशुदा महिला के प्रति वह मूक और निश्छल प्रेम, हिंदी सिनेमा के सबसे संजीदा किरदारों में शुमार हो गया।

उनकी आंखों की उदासी ने हिंदी सिनेमा में एक नए 'संवेदनशील मर्द' की परिभाषा गढ़ी। इस फिल्म में उनके शानदार अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला था।

'हमराज', 'हंगामा', 'रेस' जैसी फिल्मों में अपनी विलेनरी और कॉमेडी का लोहा मनवाने के बाद, और 'गांधी, माई फादर' जैसी फिल्म में ऐतिहासिक अभिनय करने के बावजूद एक दौर ऐसा आया जब अक्षय खन्ना अचानक गायब हो गए।

2012 से 2016 के बीच, पूरे 4 साल तक वो पर्दे से दूर रहे। कास्टिंग डायरेक्टर्स की लिस्ट से मानो जैसे उनका नाम काट दिया गया था।

लेकिन, 'इत्तेफाक,' 'मॉम' और 'दृश्यम 2' के तेज-तर्रार पुलिस वाले के तौर पर उन्होंने अपनी जबरदस्त वापसी की। इसी ताकत ने उन्हें अपनी दूसरी पारी में 2025 के उस शिखर तक पहुंचाया, जहां तक पहुंचना आसान नहीं था।

आजमगढ़ की गलियों में दिखेगा अंजना सिंह का एक्शन, शुरू हुई लेडी बॉक्सर की शूटिंग

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अंजना अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती हैं। हमेशा नई-नई फिल्में रिलीज करती रहती हैं। इसी कड़ी में वे 'फिल्म लेडी' बॉक्सर लेकर आ रही हैं। राम नवमी के पावन अवसर पर उन्होंने आजमगढ़ से फिल्म 'लेडी बॉक्सर' की शूटिंग की शुरुआत कर दी है। अंजना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सेट से तस्वीर पोस्ट की। इसमें वे फिल्म के अन्य कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। हाथ में क्लैपबोर्ड थामे अंजना सिंह काफी उत्साहित दिख रही हैं। क्लैप बोर्ड पर फिल्म का नाम 'लेडी बॉक्सर' साफ-साफ लिखा हुआ है।

अभिनेत्री ने पोस्ट में कुछ लिखने के सिवाय नजर का स्टीकर लगाया है।

संतोष जोशी जी द्वारा निर्देशित फिल्म का लेखन सत्येंद्र सिंह जी ने किया है जबकि रवि तिवारी जी फिल्म के मुख्य सहायक निदेशक हैं। संदीप सिंह जी और अथर्व सिंह जी फिल्म के निर्माता हैं। फिल्म में अंजना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

भोजपुरी सिनेमा इन दिनों नई कहानियों और सशक्त महिला किरदारों की ओर बढ़ रहा है। 'लेडी बॉक्सर' इसी दिशा में एक अच्छा कदम है।

भोजपुरी जगत में सास-बहू और देवरानी-जेठानी के रिश्ते से इतर अंजना ज्यादातर सशक्त महिला किरदारों वाली फिल्में करती हैं। उनकी हालिया फिल्म 'कुश्ती' भी महिला केंद्रित फिल्म थी, जिसमें एक किसान की बेटी खेत की मिट्टी से लेकर अखाड़े तक का सफर पूरा करती है।

फिल्म की खास बात ये है कि इसमें उनकी बेटी भी अहम किरदार में नजर आई है। दरअसल, अंजना की लड़की अदिति ने फिल्म में अभिनेत्री के बचपन का किरदार निभाया है। फिल्म का ट्रेलर तो पहले जारी कर दिया था, लेकिन इसके रिलीज की अभी तक कोई खास जानकारी सामने नहीं आई है। देव पाण्डेय द्वारा निर्देशित फिल्म में अंजना सिंह के साथ जय यादव, देब सिंह, सुशील सिंह और मनोज टाइगर जैसे कलाकार अहम रोल में नजर आएंगे। वहीं, प्रदीप सिंह और प्रतीक सिंह फिल्म के निर्माता हैं।

हनुमान जयंती पर सामने आएगा रणबीर कपूर का राम लुक

प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने किया बड़ा ऐलान

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'रामायण' को लेकर दर्शकों के बीच काफी समय से उत्साह बना हुआ है। फिल्म में रणबीर कपूर 'राम' का किरदार निभा रहे है। अपने पसंदीदा अभिनेता को 'राम' अवतार में देखने के लिए फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब इस इंतजार को खत्म करने की तारीख सामने आ गई है। दरअसल, फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम के जरिए बताया कि फिल्म से रणबीर का फर्स्ट लुक कब जारी होगा। नमित मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट साझा किया और राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ''रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हर भारतीय की भावना से जुड़ी हुई है। पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट पर जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम किया है, ताकि 'रामायण' को उसके असली रूप और भव्यता के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जा सके।'' पोस्ट में उन्होंने आगे बताया कि वे हनुमान जयंती के दिन 2 अप्रैल को 'राम' की अगली झलक दिखाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। इस झलक को दुनिया भर के फैंस के सामने भव्य तरीके से पेश किया जाएगा। साथ ही उन्होंने फैंस का धन्यवाद भी किया कि उन्होंने इस फिल्म के लिए इतना इंतजार किया और उन पर भरोसा बनाए रखा।

नमित मल्होत्रा ने कैप्शन में लिखा, हम 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर 'राम' की अगली झलक आपके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। साथ ही हम अपने कई साल के प्रयासों को फैंस के साथ एक ग्रैंड लॉन्च के जरिए दिखाने जा रहे हैं। इस खास पल को दुनिया भर में मनाएंगे। आपके प्यार, विश्वास और धैर्य के लिए धन्यवाद।''

इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं और इसमें कई बड़े कलाकार नजर आएंगे। साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे, वहीं अमिताभ बच्चन और लारा दत्ता भी नजर आएंगे।

कुमार सानू को आई 90 के दशक की याद

शेयर किया मस्ती भरा है ये समा की रिकॉर्डिंग का अनसुना किस्सा

पुरानी हिंदी फिल्मों और उनके गाने आज भी ट्रेंड करते रहते हैं। उस दौर के गाने एक बार सुनने के बाद लोग बार-बार उन्हें सुनते थे और याद करते रहते थे। इसी बीच प्रसिद्ध गायक कुमार सानू भी पुराने गानों की यादों में खोए हुए नजर आ रहे हैं। गायक ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उन्होंने 90 के दशक के एक डुएट सॉन्ग 'मस्ती भरा है ये समा' की रिकॉर्डिंग की झलक पेश की। कुमार सानू ने लिखा, 90 के दशक में मैने बहुत सारे गाने रिकॉर्ड किए थे। ये गाने आज भी स्टूडियो की पुरानी टेप्स पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि हर गाने से जुड़ी एक खास याद और गहरी भावना शामिल हैं। गायक ने लिखा, इस खूबसूरत डुएट गाने को सुनते ही मुझे सीधे फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' की रिकॉर्डिंग सत्रों में खो जाता हूं। वह समय संगीत, जुनून और अविस्मरणीय लोगों से भरा हुआ था। रिकॉर्डिंग के दौरान का माहौल बहुत मस्ती भरा और यादगार था।

कुमार सानू ने लिखा, मुझे सबसे ज्यादा गुलशन कुमार जी याद आती है। उनकी दूरदर्शिता और संगीत के प्रति लगाव ने बहुत कुछ संभव बनाया था। गुलशन जी की वजह से ही इतने सुंदर गाने बने। वे हमेशा याद किए जाएंगे। साथ ही, किशन कुमार और छोटे भूषण के साथ बिताए मीठे पल भी कभी नहीं भूल पाते। उन दिनों की दोस्ती और सहयोग आज भी दिल को छू लेते हैं। उन्होंने आगे लिखा, फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' को महेश भट्ट ने निर्देशित किया था। गाने अनुराधा पौडवाल और कुमार सानू ने गाए। गाने समीर ने लिखे हैं जबकि संगीत नदीम-श्रवण ने संगीत तैयार किया है। उन्होंने आखिरी में लिखा, जैसा कहा जाता है, कुछ गाने पूरी दुनिया के लिए बनते हैंऔर कुछ सिर्फ उस खास पल के लिए। बता दें कि सॉन्ग 'मस्ती भरा है ये समा' फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' का अनरिलीज्ड सॉन्ग है। हालांकि, इसकी रिकॉर्डिंग वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

आप 100 प्रतिशत मेरे हो, पति मिलिंद के जन्मदिन पर अविका गोर ने लुटाया प्यार

अभिनेत्री अविका गोर फैंस के साथ अपने निजी जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को साझा करती रहतीं है। पिछले साल सितंबर में शादी के बाद से अविका और उनके पति मिलिंद चंदवानी का रिश्ता लगातार सुर्खियों में रहा है। इस बीच अविका ने खास अंदाज में अपने पति को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। फैंस उनके इस पोस्ट को काफी पसंद कर रहे है। अविका ने इंस्टाग्राम पोस्ट में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे दोनों लॉन में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में मिलिंद हंसते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं अविका क्यूट एक्सप्रेशन के साथ कैमरे के लिए पोज दे रही है। इस फोटो के साथ अविका ने कैप्शन में लिखा, ''मेरे पति को जन्मदिन की बधाई। आप मेरे लिए ह्यूमन डायरी और जिंदगी भर की अजीबोगरीब चीजों के लिए लाइसेंस की तरह हैं। आप पचास प्रतिशत प्यारे हैं, पचास प्रतिशत शक के घेरे में हैं लेकिन सौ प्रतिशत मेरे हैं। मैं हर दिन आपसे और ज्यादा प्यार करती हूं।''अविका के इस पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे है।एक फैन ने कमेंट में लिखा, 'आप दोनों की जोड़ी सच में बहुत प्यारी है।'

दूसरे फैन ने लिखा, 'मिलिंद खुशकिस्मत हैं, जो आपको अपनी जिंदगी में पाए।'अन्य यूजर्स ने भी पोस्ट पर कमेंट्स किए और लिखा- 'आप दोनों बेहद प्यारे लग रहे हो, हमेशा ऐसे ही हंसते रहते होंगे।'

बता दें कि अविका और मिलिंद ने जून 2025 में अपनी सगाई का ऐलान किया था और 30 सितंबर को कलर्स चैनल के रिएलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के सेट पर शादी की। हल्दी, मेहंदी और संगीत समारोह जैसे रस्मों को टीवी पर दिखाया गया। समारोह में टीवी इंडस्ट्री के कई सितारे भी शामिल हुए। इस शादी की तस्वीरें और वीडियो फैंस के बीच खूब पसंद किए गए।

प्रियदर्शन के साथ भूत-बंगला में काम करना सपने के सच होने जैसा: जिशु सेनगुप्ता

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। आईएएनएस से खास बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।

'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

हिंदी सिनेमा और बंगाली सिनेमा में बनने वाली फिल्मों पर जिशू ने कहा कि दोनों सिनेमा में पैसों का बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, बंगाली सिनेमा में फिल्म 3 करोड़ में बन जाती है और फिल्म को शूट करने में 16-18 या 20 दिन काफी हैं, लेकिन बॉलीवुड में फिल्मों का बजट बहुत ज्यादा होता है। उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी फिल्म का गाना ही 10 दिन में शूट होता है, क्योंकि भव्य सेट बनाए जाते हैं। इतने में बंगाली सिनेमा में आधी फिल्म शूट हो चुकी होती है।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई। अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

शुक्र का मेष राशि में गोचर

शुक्र में 26 मार्च 2026 को मेष राशि में प्रवेश कर दिया है और 19 अप्रैल तक इसी राशि में रहेंगे। उसके पश्चात वह अपनी स्व राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे। इससे कुछ राशियों को सुख-सौभाग्य में वृद्धि होगी और मनचाहे रिजल्ट की प्राप्ति हो सकती हैं। लेकिन कुछ जातकों को तनाव झेलना पड़ सकता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस ग्रह का शुभ-अशुभ असर लव लाइफ, पैसा, ऐश्वर्य, आनंद, मकान, वाहन, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक सामान आदि मामलों पर होता है। 19 अप्रैल को शुक्र वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है। शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है। शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

19 अप्रैल तक मेष राशि में रहेगा शुक्र

शुक्र को रचनात्मकता और रोमांस का ग्रह माना जाता है। यह जातक के जीवन विलासिता की स्थिति लेकर आता है। यह जातक के जीवन में प्रेम संबंधों को प्रभावित करता है। शुक्र को विवाह के लिए प्रमुख ग्रहों में से एक माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र का विशेष स्थान है। शुक्र देव के शुभ होने पर जातक का सुप्त भाग्य भी जाग जाता है। शुक्र के शुभ होने पर मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा होती है। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। मां लक्ष्मी की कृपा से व्यक्ति का जीवन सुखमय हो जाता है और दुख-दर्द हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। शुक्र ऐश्वर्य,विलासिता और पूर्णतः भौतिकवादी वस्तुओं के कारक हैं। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है।

प्रभाव

शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी। जॉब बदलने का विचार मन में है तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यवहार में सौम्यता लाएगा। शुक्र का गोचर मान सम्मान में वृद्धि और प्रमोशन का कारक भी बन सकता है। इस दौरान भटकाव की स्थिति से बचना होगा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

5 राशियों के लिए शुभ समय

शुक्र की चाल में बदलाव होने से मेष, मिथुन, सिंह, धनु और मकर राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन 3 राशियों के नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों को फायदा हो सकता है। कामकाज की तारीफ होगी और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। किस्मत का साथ मिलेगा। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में सुख मिलेगा।

3 राशि वालों के लिए मिला-जुला समय

शुक्र के राशि परिवर्तन करने से वृष, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन राशि वालों की सेहत में सुधार होगा लेकिन रोजमर्रा के कामों में रुकावटें आ सकती है। पैसा खर्चा हो सकता है। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। साझेदारी संबंधी मामलों में उलझनें आ सकती हैं। बिजनेस के जरूरी फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

4 राशि वालों के लिए अशुभ

शुक्र के राशि बदलने से कर्क, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन राशियों के लोगों के फालतू खर्चे बढ़ सकते हैं। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। राज की बातें उजागर हो सकती है। मेहनत बढ़ेगी। अपोजिट जेंडर वालों से संबंध बिगड़ सकते हैं। विवाद और दौड़-भाग भी हो सकती है।

घर में लगातार हो रहा है कलेश? शयन कक्ष भोजन कक्ष और रसोई में करें छोटे बदलाव

कई बार ऐसा देखा जाता है कि लगातार प्रयास करने के बावजूद भी घर का तनाव और कलेश खत्म नहीं होता। परिवार के सदस्यों के बीच छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगता है और घर का माहौल नकारात्मक हो जाता है। ऐसे में लोग अक्सर इसे भाग्य से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन घर की बनावट और व्यवस्था का भी इसमें बड़ा योगदान माना जाता है। यदि घर के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों में सही दिशा और संतुलन रखा जाए तो सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद मिल सकती है। भोजन कक्ष में दिशा और व्यवस्था का ध्यान भोजन करने का स्थान केवल खाने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह परिवार के आपसी संबंधों को भी मजबूत करने का स्थान होता है। इस कारण इसकी दिशा और व्यवस्था का सही होना जरूरी माना जाता है। भोजन की मेज को पूर्व या पश्चिम दिशा में रखना लाभकारी समझा जाता है। इसके साथ ही मेज का आकार आयताकार होना बेहतर माना जाता है, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच संतुलन और सामंजस्य बना रहता है।

परिवार के सभी सदस्यों का एक साथ बैठकर भोजन करना भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। भोजन के समय घर के मुखिया का पूर्व या उत्तर दिशा की ओर बैठना शुभ माना जाता है, जिससे आपसी बातचीत में मधुरता आती है और तनाव कम होता है।

रसोई की दिशा का प्रभाव

रसोई घर का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, जहां से पूरे परिवार के स्वास्थ्य और ऊर्जा का संबंध होता है। इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में स्थापित करना उचित माना जाता है, क्योंकि यह अग्नि से संबंधित दिशा होती है। इस दिशा में रसोई होने से घर में संतुलन और शांति बनी रहती है।

यदि रसोई सही दिशा में नहीं है, तो इससे घर के वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए घर बनाते समय या व्यवस्था करते समय रसोई की दिशा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक माना जाता है।

शयन कक्ष में संतुलन से मिलेगा सुकून

शयन कक्ष घर का वह स्थान होता है जहां व्यक्ति विश्राम करता है, इसलिए इसका वातावरण शांत और संतुलित होना जरूरी है। इसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना उचित माना जाता है। बिस्तर की दिशा भी इस प्रकार होनी चाहिए कि सिरहाना दक्षिण या पश्चिम दिशा की ओर रहे।

इसके अलावा दीवारों के हल्के और सौम्य रंग घर में शांति का माहौल बनाते हैं। शयन कक्ष में दर्पण या पानी से जुड़ी वस्तुओं को रखने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे वातावरण में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

सकारात्मक बदलाव से बदलेगा माहौल

घर के इन तीन प्रमुख हिस्सों में छोटे-छोटे बदलाव करके वातावरण को संतुलित और शांत बनाया जा सकता है। सही दिशा, उचित व्यवस्था और संतुलित वातावरण से परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य बढ़ता है और कलेश की स्थिति धीरे-धीरे कम हो सकती है। अस्वीकरण- इस आलेख में दी गई जानकारी सामान्य मान्यताओं पर आधारित है। इसकी पूर्ण सत्यता और सटीकता का दावा नहीं किया जाता है। विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित विषय के जानकार की सलाह लेना उचित रहेगा।

राहुकाल और भद्रा का असर, जानिए कब करें शुभ काम और कब रहें सावधान

सनातन धर्म में पंचांग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। 28 मार्च, शनिवार को शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का संयोग धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से बेहद खास है। यह दिन व्रत, पूजा और नए कार्यों की योजना बनाने के लिए अनुकूल माना जा रहा है, हालांकि कुछ समय ऐसे भी हैं जिन्हें अशुभ माना गया है। तिथि की बात करें, तो सुबह 08:45 बजे तक शुक्ल दशमी रहेगी, इसके बाद शुक्ल एकादशी प्रारंभ हो जाएगी। एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है और इसे भगवान विष्णु की उपासना के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। इन दिन नक्षत्र पुष्य है, जो दोपहर 02:50 बजे तक रहेगा, इसके बाद अश्लेशा नक्षत्र का आरंभ होगा। पुष्य नक्षत्र को किसी नए कार्य की शुरुआत के लिए अत्यंत शुभ और मंगलकारी माना जाता है, लेकिन अश्लेशा नक्षत्र में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। वहीं शुभ मुहूर्तों की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04:44 से 05:30 तक रहा, जो ध्यान और पूजा के लिए सबसे उत्तम समय माना जाता है। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:02 से 12:52 तक रहेगा, जिसमें कोई भी महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकता है। इसके अलावा, विजय मुहूर्त दोपहर 02:31 से 03:20 तक रहेगा, जो यात्रा या नए काम की शुरुआत के लिए शुभ माना जाता है। अमृत काल सुबह 08:35 से 10:09 तक रहेगा, जो अत्यंत लाभकारी समय है।

इसके अलावा, अब बात करते हैं अशुभ समय की, तो राहुकाल सुबह 09:22 से 10:55 तक रहेगा, जिसमें कोई भी नया कार्य शुरू करने से बचना चाहिए। यमगण्ड दोपहर 02:00 से 03:32 तक रहेगा, और गुलिक काल सुबह 06:17 से 07:49 तक प्रभावी रहेगा। इन समयों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके अलावा भद्रा काल रात 08:13 बजे से शुरू होकर अगले दिन सुबह तक रहेगा, जिसे शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता है।

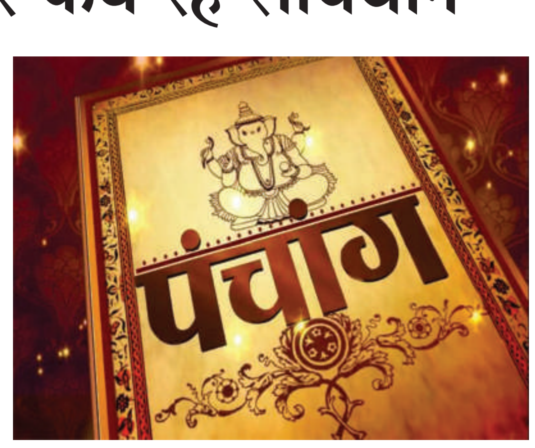

राशि और ग्रहों की स्थिति के अनुसार, इस दिन चंद्रमा कर्क राशि में स्थित रहेगा, जबकि सूर्य मीन राशि में होगा। यह स्थिति मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन के लिए अनुकूल मानी जाती है। वसंत ऋतु और उत्तरायण का प्रभाव भी इस समय जारी रहेगा; यह ऊर्जा और सकारात्मकता को बढ़ाने वाला माना जाता है।

अप्रैल महीने के प्रमुख व्रत-त्यौहार, हनुमान जयंती से लेकर अक्षय तृतीया जैसे प्रमुख त्यौहार

साल 2026 के चौथे महीने यानी अप्रैल का आरंभ होने वाला है। इस माह में कई बड़े व्रत-त्योहार पड़ेंगे। हनुमान जयंती, बैशाखी, सीता नवमी और अक्षय तृतीया जैसे प्रमुख त्योहार अप्रैल के महीने में आने वाले हैं। ऐसे में यह माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इसी दौरान मोहिनी एकादशी का व्रत सहित कई व्रत किए जाएंगे, जिनका हिंदू धर्म व शास्त्रों में बहुत खास महत्व बताया गया है।

हनुमान जयंती –हिंदू धर्म में हनुमान जयंती का खास महत्व है। इस साल 2 अप्रैल, गुरुवार के दिन हनुमान जयंती का त्योहार मनाया जाएगा। चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा तिथि के दिन बजरंगबली का जन्म हुआ था। इस दिन भगवान हनुमान की पूजा करने से भक्तों को शुभ फल प्राप्त होता है। साथ ही, जीवन से भय दूर होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

चैत्र पूर्णिमा– चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर चैत्र पूर्णिमा आती है, जो इस 2 अप्रैल, गुरुवार के दिन है। कहा जाता है की इस दिन व्रत करने से साधक की मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं और साथ ही भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। इस दिन विशेष रूप से चंद्रमा की पूजा करने का विधान होता है।

वरुथिनी एकादशी–वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहा जाता है जो इस बार 13 अप्रैल, सोमवार को पड़ रही है। पद्म पुराण में इस एकादशी तिथि का खास महत्व बताया गया है। मान्यता है की इसका व्रत करने से पापों को नाश होता है। साथ ही, अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

बैसाखी–इस दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। बैसाखी त्योहार इस बार 14 अप्रैल, मंगलवार के दिन मनाया जाएगा जो किसानों के लिए बहुत खास पर्व है। इस दिन किसान अच्छी फसल के लिए भगवान का शुक्रिया करते हैं। बैसाखी के दिन घर को साफ करके सजाया जाता है और कई प्रकार के पकवान बनाने की भी इस दिन परंपरा होती है।

बुध प्रदोष व्रत–बुधवार के दिन प्रदोष व्रत पड़ने से उसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाता है। इसलिए 15 अप्रैल, बुधवार को प्रदोष व्रत पड़ने से इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाएगा। इस दिन भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा और व्रत किया जाता है। साथ ही, प्रदोष व्रत में प्रदोष काल में पूजा करने का अधिक महत्व होता है।

परशुराम जयंती–वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को परशुराम जयंती मनाई जाती है। इस साल यह तिथि 19 अप्रैल, रविवार के दिन पड़ रही है। माना जाता है की विष्णुजी के छठे अवतार परशुराम जी का प्राकट्य प्रदोष काल में हुआ था। उनका यह अवतार पृथ्वी पर पापी राजाओं के लिए संहार करने के लिए था।

अक्षय तृतीया–वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का त्योहार मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 19 अप्रैल, रविवार के दिन पड़ रहा है। शास्त्रों में इसे युगादि तिथि यानी नए युग की शुरुआत का दिन बताया गया है। इस दिन किसी भी मुहूर्त सोना, संपत्ति आदि खरीदना शुभ माना जाता है।

गंगा सप्तमी–वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा सप्तमी का त्योहार पड़ता है। इस बार गंगा सप्तमी 23 अप्रैल, गुरुवार को मनाई जाएगी। मान्यता है की इसी दिन मां गंगा का धरती पर प्राकट्य हुआ था। ऐसे में इस दिन गंगा नदी में स्नान करने का बहुत अधिक महत्व होता है।

बगलामुखी जयंती–दस महाविद्याओं में से आठवीं महाविद्या बगलामुखी देवी को माना गया है। इस बार 24 अप्रैल, शुक्रवार को बगलामुखी जयंती मनाई जाएगी। देवी का यह स्वरूप तंत्र व स्तंभन शक्ति के रूप में जाना जाता है। मान्यता है की वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर मां बगलामुखी का प्राकट्य हुआ था। देवी के इस रूप की पूजा करने से अत्यंत शुभ फल प्राप्त होता है।

सीता नवमी–हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर सीता नवमी पड़ती है। इस बार 25 अप्रैल, शनिवार के दिन यह पर्व मनाया जाएगा। मान्यता है की इसी दिन माता सीता का प्राकट्य हुआ था। ऐसे में देवी की पूजा करने से उत्तम फल प्राप्त होता है।

अप्रैल 2026 व्रत-त्यौहार

हनुमानजयंती	2 अप्रैल, गुरुवार
चैत्र पूर्णिमा	2 अप्रैल, गुरुवार
वरुथिनी एकादशी	13अप्रैल, सोमवार
बैसाखी	14 अप्रैल, मंगलवार
बुध प्रदोष व्रत	15 अप्रैल, बुधवार
परशुराम जयंती	19 अप्रैल, रविवार
अक्षय तृतीया	19 अप्रैल, रविवार
गंगा सप्तमी	23 अप्रैल, गुरुवार
बगलामुखी जयंती	24 अप्रैल, शुक्रवार
सीता नवमी	25 अप्रैल, शनिवार
मोहिनी एकादशी	27 अप्रैल, सोमवार
भौम प्रदोष व्रत	28 अप्रैल, मंगलवार
नृसिंह जयंती	30 अप्रैल, गुरुवार

मोहिनी एकादशी–वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी का व्रत किया जाता है। इस बार 27 अप्रैल, सोमवार के दिन मोहिनी एकादशी पड़ रही है। मान्यता है की इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है।

भौम प्रदोष व्रत–हर महीने में शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी पर प्रदोष व्रत रखा जाता है। जब प्रदोष व्रत मंगलवार को पड़े तो इसे भौम प्रदोष व्रत कहा जाता है, जो इस बार 28 अप्रैल, मंगलवार के दिन पड़ रहा है। ऐसे में इस दिन भगवान शिव के साथ-साथ हनुमानजी की पूजा करना भी बहुत शुभ माना जाता है।

नृसिंह जयंती–वैशाख मास के शुक्ल चतुर्दशी तिथि पर नृसिंह जयंती मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता है की इस दिन भक्त प्रहलाद की प्रार्थना और हिरण्यकश्यप का वध करने के लिए विष्णुजी के चौथे अवतार भगवान नृसिंह का प्राकट्य हुआ था। इस साल नृसिंह जयंती 30 अप्रैल, गुरुवार के दिन मनाई जाएगी। इस दिन नृसिंह भगवान की पूजा करने और रात्रि में जागरण करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

संपादकीय

सर्वदलीय बैठक के मायने

ऐसी सर्वदलीय बैठक के मायने और उसकी सार्थकता ही क्या है, जिसमें न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्यों...? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं। मौजूदा कैबिनेट में प्रधानमंत्री के बाद उन्हीं का स्थान है। रक्षा मंत्री समेत गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बैठक में मौजूद थे। वे अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े सवालों के स्पष्टीकरण देने में सक्षम हैं। सवाल तो यह है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी के पास सर्वदलीय बैठक के लिए भी 'समय' नहीं था अथवा यह 'सर्वश्रेष्ठ होने का अहंकार' था? नरेंद्र मोदी, अन्य 542 सांसदों की तरह, एक निर्वाचित सांसद हैं। एक संसदीय समूह ने उन्हें अपना नेता चुना था, जिसके आधार पर वह देश के प्रधानमंत्री बने। जनता प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री नहीं चुनती, लिहाजा उन्हें लोकतांत्रिक व्यवहार करना चाहिए। वह किसी साम्राज्य के प्रमुख नहीं हैं। ऐसी बैठकों में विपक्ष को कई सवाल, कई जिज्ञासाएं व्यक्त करने का मौका मिलता है। यकीनन प्रधानमंत्री के पास व्यापक और अतिरिक्त जानकारियां भी होती हैं, क्योंकि खुफिया समेत तमाम एजेंसियां और कूटनीतिक स्रोत भी उन्हें 'अपडेट' देते रहते हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री का जवाब, किसी अन्य मंत्री की तुलना में, ठोस और तार्किक होता है। देश भी ऐसे जवाबों से रूबरू होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग दिन, ईरान युद्ध से उपजे हालात और भारत की स्थितियों पर वक्तव्य दिए और वह संसद से चले गए। हम नहीं जानते कि संसद में ऐसे नियम हैं अथवा नहीं हैं, संवैधानिक व्यवस्था क्या है, लेकिन हमने चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे प्रधानमंत्रियों को हर समय संसद के प्रति जवाबदेह देखा है। उन्होंने बेहद नाजुक और विवादित मुद्दों पर भी खुलकर जवाब दिए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह अधिकांश सर्वदलीय बैठकों में शामिल होते थे। हालांकि उन्हें 'दुर्घटनावश प्रधानमंत्री' करार दिया जाता था। मध्य-पूर्व, पश्चिम एशिया संकट पर ही प्रधानमंत्री मोदी संसद में ही उपस्थित क्यों नहीं रहे, ताकि विपक्ष उनसे सवाल कर सकता? प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और शेष विपक्ष के दरमियान बहुत गहरी खाई है, फासले हैं, उन्हें क्या नामकरण दिया जाए, हम नहीं जानते, लेकिन ये लोकतंत्र और देश के हित में नहीं हैं। बहरहाल बैठक में ब्रीफ किया गया कि देश में तेल-गैस पर्याप्त हैं, होर्मुज समुद्री मार्ग से ही कुछ और जहाज आ रहे हैं, लेकिन इसका जवाब नहीं दिया कि सडक़ों और पेट्रोल पंपों पर जो लंबी कतारें लगी हैं, उन्हें कब तक 'अफवाह' माना जाए? कच्चे तेल का इंडियन बास्केट 30 फीसदी महंगा हो गया है। रूस को हमने 60 मिलियन टन तेल का ऑर्डर बढ़े दामों पर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी और न ही नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी उपस्थित हों? ईरान युद्ध के बाद संकट वैश्विक है, कई देशों ने आपातकाल तक घोषित कर दिया है, पाबंदियां भी थोपी जा रही हैं और भारत भी प्रभावित है, लिहाजा ऐसी स्थिति में सरकार की ओर से जवाब कौन देगा? सत्ता और विपक्ष को सर्वदलीय बैठक में शिद्दत से तमाम मुद्दों पर विमर्श करना चाहिए था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि उसकी राजनीतिक लड़ाई भाजपा से है। यह बैठक भाजपा की नहीं थी, भारत सरकार ने बुलाई थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी गैर-हाजिर रहे, जबकि वह दिल्ली में ही थे। संभव है कि माता जी सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह न आए हों, लेकिन उन्हें बताना चाहिए था। नेता प्रतिपक्ष लोकतंत्र में 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। बहरहाल 2019 से एक देश, एक चुनाव, कोरोना वैश्विक महामारी, गलवान संघर्ष, मणिपुर तनाव एवं हिंसा, 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे विषयों पर सर्वदलीय बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। आखिर क्यों...? क्या प्रधानमंत्री मौजूदा व्यवस्था और संसदीय प्रणाली से भी 'ऊपर' और अति महत्वपूर्ण हैं? बेशक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेहद अनुभवी राजनेता और मंत्री हैं।

कुछ अलग

ईश्वर से क्या मांगें कि आपको सब कुछ मिल जाए

एक राजा था जिसकी तीन पत्नियां थीं, राजा को तीनों पत्नियों से अत्यन्त प्रेम था। एक दिन राजा ने तीनों रानियों को बुलाकर कहा, 'मैं राज्य से बाहर जा रहा हूं, वापसी में तुम लोगों के लिए क्या लेकर आऊं।' एक दिन का समय उन तीनों रानियों को दिया गया कि वे सूची बना लें, उन्हें क्या चाहिये। दूसरे दिन तीनों को एक-एक करके बुलाया गया और पूछा गया। पहली रानी ने कहा, 'मुझे गहने और नौलखा हार चाहिये।' दूसरी रानी ने कहा, 'मुझे देश-विदेश के परिधान, वस्त्र चाहिये।' तीसरी रानी ने कहा, 'हे राजन! मुझे कोई वस्तु नहीं चाहिए, न गहने, न वस्त्र, न परिधान चाहिये, मुझे तो केवल आप चाहिये, मैं आपसे आपको ही मांग रही हूं। आपसे कम में मेरी तृप्ति न होगी।' राजा उसके प्रेम-भाव को देखकर अत्यंत प्रसन्न हुआ। जब राजा ने स्वयं को उस रानी को समर्पित किया, तो जाहिर सी बात है, राज्य की समस्त संपदा तीसरी रानी को ही प्राप्त हुई। इसी तरह भक्त अगर ईश्वर से ईश्वर को ही मांगेंगा तो उसको सब कुछ अपने आप ही मिल जाएगा। हम सभी जानते हैं कि महाभारत काल में दुर्योधन ने भगवान श्री कृष्ण की नारायणी सेना और अर्जुन ने श्रीकृष्ण को प्राप्त किया। अर्जुन यह जानता था कि स्वयं ईश्वर जिसके साथ है, उसे सफलता, सिद्धि, विजयश्री स्वतः ही मिल जाती है। एकहि साधे सब सधे, सब साधे सब जाए, अगर भगवान को साध लिया, तो सब कुछ अपने आप सध जाएगा। जिसके साथ ईश्वर होते हैं, उसे जीवन के संघर्षों में सफलता अर्जुन की तरह प्राप्त होती है।

पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है। हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता।

देश दुनिया से

आम आदमी पार्टी की असंवेदनशीलता

राजनीति कितनी क्रूर और असंवेदनशील हो सकती है, इसका एक ताजा उदाहरण पंजाब में एक मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर के किस्से से जाहिर होता है। भुल्लर जिस विभाग के मंत्री थे, उस विभाग में डा. गगनदीप सिंह रंधावा राज्य गोदाम कारपोरेशन में जिला मैनेजर के पद पर काम करते थे। भारत सरकार का खाद्य निगम अन्न भंडारण के लिए गोदामों का निर्माण करता है। उसके लिए टैंडर निकालने, उसके लिए कमेटियां बनाने और टैंडर अलाट तक करने में जो कमेटियां बनती हैं, उनमें राज्य सरकार का प्रतिनिधि भी मेंबर रहता है। आखिर टैंडर अलाट होने के बाद निर्माण कार्य की देखरेख राज्य सरकार के अभिकरणों को ही करनी होती है, इसलिए राज्य सरकार को पूरी प्रक्रिया से जोड़े रखना जरूरी होता है। डा. गगनदीप सिंह इसी भूमिका में था। अब असली कहानी उसके बाद शुरू होती है। गगनदीप सिंह के परिवार के सदस्यों का आरोप है कि महकमे के मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर पहले दिन से ही इस बात की जिद करने लगे कि जैसे भी हो, टैंडर उसके पिता जी को ही मिलना चाहिए। गगनदीप सिंह ने नियमों का और पूरी प्रक्रिया में अपनी सीमित भूमिका का हवाला दिया। अपने उच्च अधिकारियों को भी बताया। लेकिन किसी ने न सुनना था और जिस प्रकार का माहौल बन चुका था, उसमें शायद किसी में सुनने की हिम्मत भी नहीं बचा थी। ऐसा आरोप है कि लाल जीत सिंह भुल्लर की रुचि नियम प्रक्रिया को समझने में नहीं थी, उसकी एकमात्र रुचि अपने पिता को किसी भी तरीके से ठेका दिलवा देने तक सिमट गई थी। उसको अब मछली की आंख ही दिखाई दे रही थी। जब मामले मछली की आंख तक ही सिमट जाए, फिर नियम कायदे बेकार हो जाते हैं। गगनजीत सिंह भुल्लर नियम कायदे से बाहर जा नहीं सकते थे और न ही यह उसके अधिकार क्षेत्र में था। यह कुछ इसी प्रकार का मामला बनता जा रहा था, जैसे कोई ताकतवर आदमी अपने किसी कर्मचारी को कहे कि किसी पड़ोसी के बाग से उसके आम तोडक़र लाओ और कर्मचारी यह अनाधिकार चेष्टा करने से इंकार कर दे। उसका कारण भी साफ था। यदि कल वह पड़ोसी के बाग से आम तोड़ता पकड़ा गया तो सजा उसको मिलेगी। उस मालिक को नहीं जिसने उसे धमका कर पड़ोसी के बाग में भेजा था। गगनजीत सिंह के परिवार वालों का कहना है कि मंत्री अपने पिता को ठेका दिलवाने के लिए जिद कर रहा था और गगनदीप सिंह रंधावा यह अनुचित काम करने के लिए तैयार नहीं था। जाहिर है कि सत्ता आदमी को आदमी नहीं रहने देती है। उसका व्यवहार सामान्य नहीं रह पाता। कहा भी गया है, 'प्रभुता पाहीं काहि मद नाहीं।' अर्थात कौन ऐसा है जो सत्ता के नशे का शिकार नहीं हो जाता। गगनदीप सिंह के परिवार का आरोप है कि अब यहां तक पहुंचते पहुंचते मंत्री ने गगनदीप को धमकाना शुरू कर दिया, पिता श्री को ठेका न देने से क्या परिणाम हो सकते हैं, इसके बारे में कुछ मौखिक रूप से और कुछ क्रियात्मक रूप से बताना शुरू कर दिया। घर वालों का यह भी आरोप है कि यहां तक धमकियां दी गईं कि यदि पिता को ठेका न मिला तो तुम्हारा दाना पानी भी खत्म हो जाएगा। हद तो यह थी कि मंत्री जिला मैनेजर से वह काम करवाना चाहता था जो जिला मैनेजर के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं था। गगनदीप सिंह की पत्नी का कहना है कि उसके पति को मंत्री ने अपने पास बुला कर उससे मारपीट ही नहीं की, बल्कि यहां तक कह दिया कि यदि काम न हुआ तो तुम्हारा और तुम्हारे परिवार का ऐसा हश्र होगा जिसकी तुमने कल्पना भी नहीं की होगी। डा. गगनदीप रंधावा शायद यह अनुचित दबाव झेल नहीं पाया। उसने शायद अनुमान लगा लिया था कि अब यदि वह जिंदा भी रहा तो सत्ता के मद से ग्रस्त मंत्री उसका जीना मुहाल कर देगा। उसने खुद ही इस संसार से रुखसत हो जाने का निर्णय कर लिया और जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जाहिर है सत्ता उन लोगों के हाथ आ गई थी जिनके लिए सत्ता सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी तिजोरियां भरने का माध्यम बन गई है। तिजोरियां भी अहंकार ग्रस्त मानसिकता से सार्वजनिक रूप से डरा धमका कर। इसे एक प्रकार से फिरौती मांगने का नया तरीका कहा जा सकता है। इस बार फिरौती में पिता के नाम पर ठेका मांगा गया था। न मिलने पर हत्या नहीं की गई, बल्कि कहा गया तुम खुद आत्महत्या करो। यह बहुत ही क्रूर और अमानवीय आचरण है। लेकिन इससे जो आगे हुआ, उसने आम आदमी पार्टी को पूरे रूप में नंगा कर दिया। गगनजीत सिंह ने मरने से पहले वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया था जिसमें उसने अपनी आत्महत्या के लिए मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर को जिम्मेवार ठहराया है। लेकिन हैरानी तो तब हुई जब पुलिस इसके बाद भी चुप रही। कथित अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए, इसके लिए भी परिवार को एक प्रकार से धरना ही देना पड़ा। तब कहीं जाकर पंजाब सरकार ने पर्चा दर्ज किया। पर्चा दर्ज करने के बाद पंजाब सरकार फिर सो गई। गगनदीप सिंह के परिवार को एक बार फिर धरना देना पड़ा कि मंत्री और उसके पिता को गिरफ्तार किया जाए। लेकिन इसके लिए आम आदमी पार्टी की सरकार तैयार नहीं थी। मामला लंबा खिंच गया। यहां तक कि लोकसभा में भी यह मामला उठा। लोकसभा में कुछ सांसदों की मांग थी कि पंजाब सरकार तो इस मामले में खुद परोक्ष रूप से एक पार्टी है, इसलिए इस मामले की जांच सीबीआई से करवाई जाए। गृहमंत्री अमित शाह ने कह दिया कि सांसद लिख कर यदि यह मांग करेंगे तो मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा। तब पंजाब सरकार तुरंत हरकत में आ गई। यदि सीबीआई के पास मामला चला गया तो न जाने इसके तार किस किस से जुड़े मिलने लगेंगे। पंजाब सरकार ने घोषणा कर दी कि मंत्री को पकड़ लिया गया है। और सचमुच उसको पकड़ भी लिया गया। लाल जीत सिंह भुल्लर को भी शायद अनुमान लग गया होगा कि अब उसकी राजनीति खत्म हो गई है। इसलिए उसने अपनी ही सरकार के झूठ का पर्दाफाश कर दिया कि मुझे किसी ने गिरफ्तार नहीं किया, मैंने खुद ही समर्पण किया है। बाकी जहां तक केजरीवाल का सवाल है, वे इस पूरे अमानवीय कांड के बाद भी अपनी कैसेट बजा रहे हैं, हमने तुरंत एक्शन लिया। आम आदमी पार्टी इतनी जल्दी इतनी असंवेदनशील हो जाएगी, ऐसा किसी को अनुमान नहीं था।

गगनदीप सिंह के परिवार के सदस्यों का आरोप है कि महकमे के मंत्री लाल जीत सिंह भुल्लर पहले दिन से ही इस बात की जिद करने लगे कि जैसे भी हो, टैंडर उसके पिता जी को ही मिलना चाहिए। गगनदीप सिंह ने नियमों का और पूरी प्रक्रिया में अपनी सीमित भूमिका का हवाला दिया। अपने उच्च अधिकारियों को भी बताया। लेकिन किसी ने न सुनना था और जिस प्रकार का माहौल बन चुका था, उसमें शायद किसी में सुनने की हिम्मत भी नहीं बचा थी। ऐसा आरोप है कि लाल जीत सिंह भुल्लर की रुचि नियम प्रक्रिया को समझने में नहीं थी, उसकी एकमात्र रुचि अपने पिता को किसी भी तरीके से ठेका दिलवा देने तक सिमट गई थी।

आप का नज़रिया

पगड़ियों की माली

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने बजट के बिंदुओं में से जिस विषय को छुआ है, उसका तात्पर्य यही है कि प्रदेश अपने खर्च को कम करना सीखे। दरअसल हिमाचल की योजनाओं में समग्र विकास का औचित्य ही नहीं रहा। यहां मौका मिलते ही दरख्वास्तें बदल जाती हैं और हर विधानसभा क्षेत्र को हर कुछ चाहिए। ऐसे बहुत सारे क्षेत्र हैं, जहां फिजूलखर्ची की शानो-शौकत में नेताओं की फसल पकने लगी है। सियासी श्रम दरअसल सत्ता के उपहार खोजने लगा है और इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक व्यवहार अपने लिए मंच सजाने लगा है। कीर्तिमान बनाने के लिए प्रदेश की आर्थिक बोली लग रही है और जहां पगड़ी की माली हो रही है। अगर पगड़ियों और पुष्प मालाओं का खर्च निकाल दो, तो बचत की सादगी में सुकून मिलेगा। अब तो सार्वजनिक मंच और मेले नेताओं के नाम सजने लगे हैं और जहां आकर्षण यह है कि धन के बल पर अभिनंदन हो रहा है। हिमाचल में नागरिक समाज और गैर राजनीतिक हस्तियों के लिए स्थान ही नहीं मिलता, जबकि हर समारोह की वजह सियासी हो चुकी है। सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोहों का रुतबा अगर नेताओं के साथ न जुड़ता, तो बचत के खाने में कुछ और अंदाज होता। फिर आते हैं शिलान्यास व उद्घाटन समारोह, जहां हर लड्डू किसी न किसी की जेब काट रहा है। इसी सत्र में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने सडक़ों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर स्क्रैप के ढेर को कुरेदा तो मालूम हुआ कि चिंता होनी चाहिए। अगर इस कबाड़ को ही हटा दें, तो कोई कबाड़ी हमारी हस्ती सुधार देगा। इससे भी पहले प्रश्न तो व्यवस्था और ठेकेदारी प्रथा से है। अब यह कैसे ठेके और कौन सी पहुंच के ठेकेदार कि निर्माण पूरा होता नहीं और बिल भुगतान तक पहुंच जाते हैं। कोई बताएगा कि खराब सोलर लाइटों के अवशेष कहां गए। खराब ठहराई जा चुकी पेयजल परियोजनाओं की पाइपें कहां-कहां दफन हैं। दवाइयां सरकारी स्टोरों में पड़े-पड़े अपनी उम्र जाया कर देतीं, मगर यह नहीं कि कोई जिम्मेदारी ले। सरकारी क्षेत्र को बचत के लिए निजी क्षेत्र के संयम से सीखना होगा। प्रदेश के भवनों का ऑडिट होना चाहिए। अगर कॉमन पूल के भवन, कॉमन पूल की गाडियां और विभागीय उद्देश्यों में तालमेल हो तो बचत बढ़ सकती है। आश्चर्य यह कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कई विभागों के गेट बनाने में ही लाखों व्यय हो गए। सरकारें निरंतरता में काम करना भूल गई हैं, जबकि इस प्रदेश में सरकारों ने 'मिशन रिपीट' का बोझ प्रदेश की छाती पर रख दिया है। पिछली कई सरकारों के चौथे-पांचवें वर्ष के खर्च का अनुपात सामने लाएं तो मालूम होगा कि कितने ही अनावश्यक फैसलों का गर्द हमारे खजाने में जमा है। अब कुछ समय के लिए 'मोरेटोरियम' शब्द का उच्चारण पॉलिसी के तहत होना चाहिए। राजनीतिक विद्वेष या विरोध के कारण भी हम खाली जेब से अपना श्रेय और विपक्ष का क्लेश पैदा करते हैं। औपचारिकताएं, बैठकों के जलसे और राजनीतिक शगुन के हथकंडे अगर रुके होते तो हमारी नीतियां बोलतीं। सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा कि स्थायी ट्रांसफर पॉलिसी बनाई जाए। हमने जनापेक्षाओं की खरीद में बजट उजाड़े हैं, वरना किसने कहा कि कुछ यूनिट बिजली फ्री कर दो। किस महिला ने मांग की थी कि उसके लिए बस किराए में छूट दी जाए। जनता सुशासन मांगती है। हर सरकारी पाई का हिसाब जानती है। उसे मालूम है कि सत्ता में होने से पार्टियां किस तरह कुनबे का उत्थान करती हैं। हर विधायक के मार्फत नए ठेकेदार समृद्ध होते हैं, तो अब सत्ता की बदौलत इमारतें ऊंची होती हैं। बेशक हर सरकार ने सोचा कि फिजूलखर्ची रोकी जाए, लेकिन अपनी सत्ता की उम्र देखते हुए ये पड़ाव कभी सफल नहीं हुए। अब हिमाचल में सत्ताओं की पारियां लंबी होनी चाहिएं। जनता के व्यवहार में तबदीली नहीं आई, तो सरकारें यूं ही चुनाव का कर्ज उतारते-उतारते, जनता पर ही उधार चढ़ाती रहेंगी। मितव्ययता एक अनुशासन है और यह केवल सरकारों को नहीं आम नागरिक को भी अपनाना पड़ेगा।

सियासी श्रम दरअसल सत्ता के उपहार खोजने लगा है और इसी परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक व्यवहार अपने लिए मंच सजाने लगा है। कीर्तिमान बनाने के लिए प्रदेश की आर्थिक बोली लग रही है और जहां पगड़ी की माली हो रही है। अगर पगड़ियों और पुष्प मालाओं का खर्च निकाल दो, तो बचत की सादगी में सुकून मिलेगा। अब तो सार्वजनिक मंच और मेले नेताओं के नाम सजने लगे हैं और जहां आकर्षण यह है कि धन के बल पर अभिनंदन हो रहा है। हिमाचल में नागरिक समाज और गैर राजनीतिक हस्तियों के लिए स्थान ही नहीं मिलता, जबकि हर समारोह की वजह सियासी हो चुकी है। सरकारी स्कूलों के वार्षिक समारोहों का रुतबा अगर नेताओं के साथ न जुड़ता, तो बचत के खाने में कुछ और अंदाज होता। फिर आते हैं शिलान्यास व उद्घाटन समारोह, जहां हर लड्डू किसी न किसी की जेब काट रहा है। इसी सत्र में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने सडक़ों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर स्क्रैप के ढेर को कुरेदा तो मालूम हुआ कि चिंता होनी चाहिए। अगर इस कबाड़ को ही हटा दें, तो कोई कबाड़ी हमारी हस्ती सुधार देगा। इससे भी पहले प्रश्न तो व्यवस्था और ठेकेदारी प्रथा से है।

दृष्टि कोण

बढ़ने लगी है विदेशी छात्रों की तादाद

हाल ही में 25 मार्च को वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। कह सकते हैं कि यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। निःसंदेह, भारत वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित होने की राह पर आगे बढ़ रहा है। अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करिअर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। भारत में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ने की कई वजहें हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी' (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है।

वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है। हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट मार्च 2026 के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से अगस्त 2025 के बीच अमेरिका द्वारा परमानेंट रेजिडेंट और टेंपरेरी वीजा मंजूरी में साल भर पहले की तुलना में 11 फीसदी की कमी आई है। इतना ही नहीं अमेरिका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है। सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से सम्बद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 मार्च 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : चैत्र, शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 08:48 तक
नक्षत्र : पुष्य दोपहर 02:50 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 08:50 तक
करण : गर प्रातः 08:48 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धर्मराज दशमी , गण्डमूल दोपहर 02:50 से , भद्रा रात्रि 08:15 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यूडी टैक्स संग्रह में पारदर्शिता और सटीकता जरूरी: रवि जैन

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने शुक्रवार को यूडी टैक्स संग्रह अभियान की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया पूरी तरह सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के संशोधन मौका मुआयना के बाद ही किए जाएं, ताकि आमजन के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके। बैठक में जैन ने नगर निगम स्तर पर एक समिति गठित करने के निर्देश दिए, जो उन प्रकरणों की सुनवाई करेगी जिनमें कुर्की प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि सुनवाई के बाद संबंधित करदाता को बकाया जमा कराने के लिए दो दिन का समय दिया जाए, ताकि उन्हें उचित अवसर मिल सके। जैन ने अधिकारियों को 31 मार्च तक चल रहे यूडी टैक्स संग्रह अभियान को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को दी जा रही रियायतों की जानकारी व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में अब तक जयपुर में यूडी टैक्स के रूप में 120.62 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है, जबकि यूडी टैक्स एवं विज्ञापन कर मिलाकर कुल 144.58 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत देते हुए विशेष छूट दी गई है। इसके तहत वर्ष 2024–2025 तक के नगरीय विकास कर की राशि एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति पर शत–प्रतिशत छूट होगी। जिन प्रकरणों में वर्ष 2011–12 से पूर्व का नगरीय विकास कर बकाया है, उन प्रकरणों में एक मुश्त जमा कराने पर उस अवधि के नगरीय विकास कर में शास्ति की छूट के साथ मूल बकाया में भी 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी ।

राजस्थान जिला पाली मारवाड़ सोजत सिटी रायरा कला स्थित चामुंडा माताजी मंदिर आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव तहत शुक्रवार को हवन का आयोजन किया गया शुभ मुहूर्त में भेरुजी का मंदिर भूमि पूजन न्यू मुहूर्त किया गया इस अवसर पर भोपाजी श्री चंद्राराम गुर्जर, मोटाराम , आसुराम , कप्ताराम भोपाजी, लाभूराम, भमसा करमावास ,हरलाल , बुधराम की गीड़ खैड़ा देव गढ, सुखराम लक्ष्मण ,महेंद्र राम, केसाराम, गोरधन,भलाराम अन्य उपस्थित रहे।

सहकारी समितियों को व्यवसाय में वृद्धि कर आय बढ़ाने की आवश्यकता : प्रशासक, राजफेड

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश के सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं राजस्थान राज्य सहकारी क्रय–विक्रय संघ लिमिटेड (राजफेड) के प्रशासक डॉ. समित शर्मा ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' नया विचार नहीं होकर एक–दूसरे की मदद करने की हमारी परम्परा का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने के पूरे मनोयोग से प्रयास किए जाएंगे। डॉ. शर्मा शुक्रवार को नेहरू सहकार भवन के सभागार में राजफेड की 69वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के प्रतिनिधि के रूप में ईश्वर ने हमें किसानों के परिवार में खुशहाली और समृद्धि लाने का अवसर दिया है। किसान खुशहाल होगा तभी देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को चिंता से मुक्ति दिलाकर आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद योजना लागू की। इस योजना से बड़ा परिवर्तन यह आया है कि अन्न उत्पादन में आज देश आत्मनिर्भर हो चुका है तथा दूसरे देशों को अन्न का निर्यात करने लगा है। राजफेड प्रशासक ने कहा कि सहकारी समितियों को अपने व्यवसाय में वृद्धि कर आय बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों को अपने साथ जोड़ने की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जो अन्न खाते हैं वह हमारे शरीर के अनुकूल होना चाहिए। इसके लिए श्री अन्न को प्रोत्साहित किया जाना समय की आवश्यकता है। फसल में रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों का उपयोग संतुलित रूप में किया जाए। साथ ही, जैविक खेती व उत्पादों को अपनाने के लिए किसानों और आमजन को जागरूक किया जाए।

डॉ. शर्मा ने प्रदेश भर से आए क्रय–विक्रय सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं प्रशासकों के सुझावों को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर सूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता एवं किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जाएंगे।

राजफेड के प्रबंध निदेशक श्री बचनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि विगत दिनों में क्रय–विक्रय सहकारी समितियों को 183 करोड़ रुपए की बकाया राशि हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि समितियों की नियमित आय के लिए खरीद के अलावा अन्य विकल्पों को अपनाने पर भी विचार किया जा रहा है। कृषि विभाग से समन्वय कर खाद का सहकारी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर आवंटन करवाने के प्रयास किए जाएंगे। श्री अग्रवाल ने कहा कि जो समितियां बीज उत्पादन, जैविक खेती और निर्यात से जुड़ना चाहती हैं, वे राष्ट्रीय स्तर पर गठित तीन बहुराज्यीय समितियों भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड, राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड एवं राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड की सदस्य बनें, राजफेड द्वारा इसमें पूर्ण सहयोग किया जाएगा।

अवैध रूप से संचालित ऑटो एलपीजी पम्प सील

जिला कलेक्टर के निर्देश पर रसद विभाग ने ईसी एक्ट के तहत की कार्रवाई

भीलवाड़ा, 27 मार्च (एजेंसियां)। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे ऑटो एलपीजी पम्पों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जिला रसद विभाग ने भदालीखेड़ा क्षेत्र में एक ऑटो एलपीजी पम्प को सील किया है। जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार जिला रसद अधिकारी अमरेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में गठित दल द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भदालीखेड़ा, भीलवाड़ा में एक ऑटो एलपीजी पम्प बिना वैध दस्तावेजों के संचालित किया जा रहा था। जांच में पम्प संचालक बिजेंद्र सिंह द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम (E.C. Act) के प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। इस पर विभागीय टीम ने तत्काल प्रभाव से पम्प को सील कर दिया तथा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार की अवैध गैस रिफिलिंग या पम्प संचालन की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

सरकार साइबर बुलिंग, ऑनलाइन उत्पीड़न, डेटा की गोपनीयता से जुड़े गंभीर प्रश्नों पर विचार करे : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में देश भर में छोटे बच्चों और किशोरों द्वारा स्मार्ट फोन के माध्यम से सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते और अनियंत्रित स्क्रीन टाइम से होने वाले दुष्प्रभाव का महत्त्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए मांग करी कि इस पर अंकुश के लिए भारत में उचित कायदे–कानून बनाये जाएँ। क्योंकि आज भारत में सबसे ज्यादा डेटा का इस्तेमाल हो रहा है। वहीं, अमेरिका में मेंटल हेल्थ को देखते हुए मेटा, गूगल जैसी कंपनियों पर फाईन लगाये जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संसद में पहली बार किसी सांसद ने आम जनहित से जुड़े इतने महत्त्वपूर्ण मुद्दे को उठाया, जिसकी खुद लोकसभाध्यक्ष ने भी सदन में सराहना की और कहा कि शून्य काल में इसी तरह के मत और दृष्टिकोण आने चाहिए। सरकार ने आश्वासन दिया कि सांसद दीपेन्द्र हुड्डा की इस मांग पर ठोस कदम उठाएगी। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि आज स्थिति यह है कि बच्चे घंटों तक रील्स, वीडियो और लगातार स्क्रॉलिंग में लगे रहते हैं। इस प्रवृत्ति के कारण बच्चों और किशोरों में कम उम्र में ही मोबाइल की लत विकसित हो रही है, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत गंभीर खतरा है। जिसके चलते नींद की कमी, चिंता, अवसाद और ध्यान केंद्रित करने, सुनने की क्षमता में गिरावट जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किशोर उम्र के युवाओं में एविएटर जैसे ऑनलाइन सट्टा आधारित बेटिंग गेम्स में वर्चुअल विमान के उड़ान भरने के साथ पैसे बढ़ने का लालच दिया जाता है, जो युवाओं में गंभीर मानसिक असंतुलन पैदा कर रहे हैं। ऐसे खेल जुए की आदत को बढ़ावा देते हैं, जिससे भारी आर्थिक नुकसान, तनाव, लत और अपराधों में वृद्धि हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि अब लूडो जैसे साधारण खेलों में भी बेटिंग सामान्य होती जा रही है। ये सट्टा आधारित खेल फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रचारित किए जा रहे हैं, जबकि इन्हें नियंत्रित किये जाने की जरूरत है।

देश–प्रदेश में तेल और गैस संकट का असर आम लोगों पर पड़ रहा, सरकार संभाले व्यवस्था : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में प्राइवेट बैंकों के जरिए सैकड़ों करोड़ों रुपए के सरकारी फंड के गबन करने के मामलों को पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने इसे मल्टी स्टेट स्कैम करार देते हुए कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच हर हाल में उच्च स्तरीय ही होनी चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा की एक विजिलेंस ब्यूरो कई राज्यों के स्कैम को किसी हालात में मॉनिटर नहीं कर सकता है इसलिए इस महाघोटाले की जांच के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का शामिल होना जरूरी है। पूर्व डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि उन्होंने इस स्कैम की केंद्रीय जांच के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था और यह मांग उठाई थी कि इस बड़ी गड़बड़ी की सीबीआई और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी के फंड गड़बड़ी के तार भी इस घोटाले के साथ जुड़े नजर आए है और बैंकों की संख्या भी दो से बढ़कर तीन हो गई है। ऐसे में सरकार को इस घोटाले की गंभीरता को समझना चाहिए क्योंकि यह 590 करोड़, 700 करोड़ या फिर हजार करोड़ रुपए का ही घोटाला नहीं लग रहा है, जब पूरे भारत में इसकी जांच होगी तो यह बहुत बड़ा स्कैम निकलेगा। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जेजेपी मांग करती है कि केंद्र सरकार को सार्वजनिक धनराशि से संबंधित इन गंभीर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की मॉनिटरिंग सीबीआई और एसएफआईओ से करवानी चाहिए। वहीं अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के कारण देश एवं प्रदेश में गैस और तेल की किल्लत की समस्या पर पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर तेल और गैस खरीदने के कारण जो हालात देश में पैदा हुए है, वे सबके सामने है।

सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के साथ–साथ सड़क सुरक्षा के लिए उठाए कई ठोस कदम : सैनी

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने के साथ–साथ सड़क सुरक्षा के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। ब्लैक स्पॉट की पहचान और सुधार, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का आधुनिकीकरण, जागरूकता अभियान और नई तकनीकों का उपयोग के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चंडीगढ़ में भारतीय सड़क कांग्रेस (आई.आर.सी) एवं लोक निर्माण विभाग हरियाणा द्वारा 'सड़क सुरक्षा समाधान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन करने के पश्चात अपना संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर की। मुख्यमंत्री ने इस दौरान रामनवमी और नवरात्रों की बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। सेमिनार में भारतीय सड़क कांग्रेस के प्रतिष्ठित सदस्यगण के अलावा 350 से अधिक विशेषज्ञ, अभियंता. शोधकर्ता, नीति–निर्माता तथा शिक्षाविद शिरकत कर रहे हैं। दो दिनों तक चलने वाली संगोष्ठी में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार मंथन किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'सड़क सुरक्षा समाधान विषय पर आयोजित संगोष्ठी देश के भविष्य का रोडमैप तैयार करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। यहां विचार, तकनीक, अनुभव और संकल्प मिलकर भारत को सुरक्षित, सशक्त और विकसित बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि सड़क केवल एक भौतिक संरचना नहीं होती, यह विकास की जीवन रेखा होती है। यह गांव को शहर से जोड़ती है, किसान को बाजार से जोड़ती है, युवा को अवसरों से जोड़ती है और देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है। लेकिन, यह भी एक कटु सत्य है कि जहां सड़क विकास का माध्यम है, वहीं सड़क दुर्घटनाएं हमारे समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। नियम कितने भी अच्छे क्यों न हों, यदि उनका पालन नहीं तो कोई अर्थ नहीं सड़क दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में हर वर्ष काफी संख्या में लोग सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। इन दुर्घटनाओं के पीछे टूटे हुए परिवार, अधूरे सपने और समाज की अपूरणीय क्षति छिपी रहती है। इसलिए सड़क सुरक्षा केवल एक तकनीकी विषय न होकर सामाजिक, मानवीय और नैतिक जिम्मेदारी से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा का एक और महत्वपूर्ण पहलू है, यातायात नियमों के प्रति जन–जागरूकता। नियम कितने भी अच्छे क्यों न हों, यदि उनका पालन नहीं किया जाएगा, तो उनका कोई अर्थ नहीं रह जाता। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, गति सीमा का पालन करना, ये छोटी–छोटी बातें हैं, लेकिन जीवन को बचाती हैं। उन्होंने कहा कि हमें स्कूलों, कॉलेजों और समाज के हर वर्ग तक सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ानी होगी। हमें इसके प्रति और गम्भीर होना होगा। क्योंकि, सड़क सुरक्षा ही जीवन सुरक्षा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो 'विकसित भारत 2047' का संकल्प लिया है। उसे पूरा करने में आधुनिक, सुरक्षित और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनका यह प्रयास, उनका यह विजन, विकसित भारत–विकसित हरियाणा के निर्माण की दिशा में एक और मील का पत्थर है। उनकी दूरदर्शी सोच, तेज़ निर्णय क्षमता और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में क्रांति ला दी है।

चैत्रीय नवरात्रि का भव्य समापन: चामुंडा माताजी मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनुपम संगम

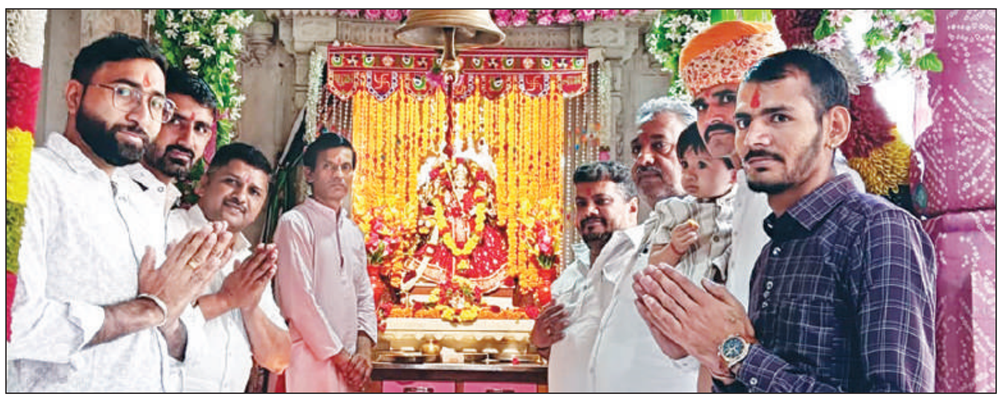

आसिफाबाद/ बेंगलुरु, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चैत्रीय नवरात्रि के पावन पर्व का समापन बेंगलुरु स्थित श्री चामुंडा माताजी के मंदिर प्रांगण में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ भव्य रूप में संपन्न हुआ। नौ दिनों तक चली माँ दुर्गा की आराधना के पश्चात अंतिम दिवस पर आयोजित विशेष आरती ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राजस्थानी प्रवासी मंडल के श्रद्धालु, समाजबंधु एवं माताजी के भक्तजन उपस्थित रहे, जिससे मंदिर परिसर पूरी तरह श्रद्धालुओं से भर गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ किया गया। मंत्रों की गूंज और घंटों की ध्वनि के बीच जब आरती प्रारंभ हुई, तो पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठा। श्रद्धालु माता के जयकारों के साथ भक्ति में लीन नजर आए और मंदिर परिसर जय माता दी के उद्घोष से गुंजायमान हो गया।इस पावन अवसर पर लाभार्थी शेरसिंह राठौड़ अरणू परिवार को माँ नवदुर्गा की विशेष आरती करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने परिवार सहित पूरे श्रद्धा भाव से माताजी के चरणों में आरती अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। परिवार के सभी सदस्यों ने इस क्षण को अपने जीवन का सौभाग्य बताते हुए माँ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

नवरात्रि के इस अंतिम दिवस पर लाभार्थी परिवार द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद स्वरूप अल्पाहार की सुंदर व्यवस्था भी की गई। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया और आयोजन की सराहना की। इस दौरान सेवा भाव और समर्पण का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला।कार्यक्रम में कर्नाटक राजस्थान राजपूत समाज के अनेक गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इनमें विजयसिंहजी परमार, किशोरसिंह चौहान, हीरसिंह परमार, ओबसिंह चौहान, दलपतसिंह भायल, राजूसिंह झाला, प्रवीणसिंह राठौड़, डूंगरसिंह राठौड़, श्रीपालसिंह, हीर सिंह राठौड़, जितुसिंह, पहाड़सिंह, राजुभाई सहित सैकड़ों की संख्या में समाजबंधुओं एवं माताजी के भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।पूरे आयोजन के दौरान भक्तों में अपार उत्साह, अनुशासन और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि प्रवासी राजस्थानी समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं को भी मजबूती प्रदान करने वाला साबित हुआ।

इस भव्य और आध्यात्मिक आयोजन के साथ ही चैत्रीय नवरात्रि का समापन अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ, जो सभी श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

जनविरोधी बजट पर भाजपा का तीखा विरोध

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की राय लिए बिना बजट पेश किए जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने इसे जनता के साथ सीधा धोखा बताया।

उन्होंने कहा कि बिना स्पष्ट विकास योजना के केवल स्वार्थ के लिए बजट प्रस्तुत किया गया है, जबकि स्थानीय समस्याओं और ग्रामीण क्षेत्रों की अनदेखी की गई। साथ ही, विधायकों पर मंचेरियल के विकास मुद्दों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।भाजपा नेता ने चेतावनी दी कि यदि जनविरोधी नीतियां बंद नहीं हुईं, तो पार्टी जिले में व्यापक आंदोलन शुरू करेगी।

उपस्थित कार्यकर्तागण एनगंदुल कृष्णमूर्ति, दुर्गम अशोक, वेंकटेश्वर राव, श्रीदेवी, कमलाकर राव, पोनावेणी सदानंदम, नांपल्ली श्रीनिवास, तुम्मेटी सरिता, गुर्राला लावण्या आदि उपस्थित थे।

श्रीराम के आदर्श जीवन से प्रेरणा लेकर जनता की सेवा करेंगे : मंत्री विवेक

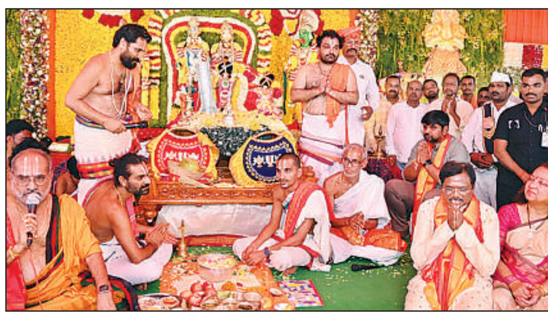

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के अवसर पर राज्य के श्रम, रोजगार प्रशिक्षण, कारखाना एवं खनन विभाग के मंत्री गड्डम विवेकानंद ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि श्रीराम ने सत्य और नैतिकता का पालन करते हुए आदर्श जीवन जिया, जिससे समाज को सही दिशा मिलती है।

शुक्रवार को मंदमर्री मंडल के पालचेट्टु स्थित श्री पंचमुख आंजनेय स्वामी मंदिर में आयोजित श्री सीताराम कल्याण महोत्सव में मंत्री अपनी पत्नी, जिला कलेक्टर कुमार दीपक, तहसीलदार सतीश और नगर आयुक्त राजलिंगु के साथ शामिल हुए और विशेष पूजा-अर्चना की।मंत्री ने कहा कि श्रीराम के आशीर्वाद से वे जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि चेनूर क्षेत्र में सीसी सड़कें, नालियों का निर्माण और गर्मियों में पेयजल समस्या के समाधान के लिए कार्य किए जा रहे हैं। मंदमर्री नगर क्षेत्र में करीब 30 करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं और अधिकारियों के समन्वय से जनता की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि श्रीराम का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायक है और हर व्यक्ति को उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से विकास में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के बाद मंत्री ने क्याथनपल्ली, मंदमर्री, जयपुर, भीमाराम,चेन्नूर और कोटापल्ली मंडलों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लिया।इस अवसर पर संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एनएच-63 विस्तार कार्य में बाधा न हो : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने राष्ट्रीय राजमार्ग-63 के विस्तार कार्य को बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। गुरुवार को उन्होंने मंदमर्री मंडल के थिम्मापुर क्षेत्र में आर्मूर से चंद्रपुर तक चल रहे कार्यों का तहसीलदार सतीश के साथ निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने अधिकारियों को विकास कार्यों में रुकावट न आने देने और सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने नगरपालिका क्षेत्र में चल रहे प्रजापालन प्रगति योजना की समीक्षा की।

उन्होंने स्वच्छता प्रबंधन को सख्ती से लागू करने, सड़कों व नालियों की नियमित सफाई, तथा घर-घर से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग संग्रह करने के निर्देश दिए। साथ ही, इंदिरम्मा आवास योजना के तहत निर्माण कार्यों को तेज करने और कर वसूली 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : पंत

आसिफाबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में अवैध गतिविधियों के लिए जिला पुलिस विभाग उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा, आईपीएस पंत ने कहा आज एक बयान।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के स्पष्ट आदेशों के अनुसार

एसपी ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध रेत परिवहन और अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वालों के खिलाफ पुलिस विभाग सख्त कार्रवाई करेगा। पिछले दो दिनों में जिले भर में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया और इसगाम पुलिस स्टेशन में 6 मामले, कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में 3 मामले, कौताला पुलिस स्टेशन में 1 मामला, केरामेरी में 1 मामला, कौताला में 1 मामला, बेज्जूर में 1 मामला दर्ज किया गया और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जिले के एसपी ने बताया कि वाहन चालकों से रंगदारी वसूलने की घटनाओं पर दो रंगदारी के मामले दर्ज किये गये हैं. कहा कि जिले भर में विशेष चौकसी बरती जायेगी तथा गश्ती तेज की जायेगी तथा शांति एवं सुरक्षा बनाये रखने के लिए हमेशा की तरह कार्रवाई जारी रहेगी।

छात्रों को नशे से दूर रहने और लक्ष्य पर ध्यान देने की सलाह दी

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर रूरल सीआई कृष्ण ने छात्रों से जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। गुरुवार को देवुलवाड़ा जिला परिषद उच्च विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में उन्होंने नशे से दूर रहने, अनुशासन बनाए रखने और साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि गांजा व अन्य मादक पदार्थों की लत भविष्य को बर्बाद कर सकती है। साथ ही, सोशल मीडिया का सावधानी से उपयोग करने और किसी भी परेशानी में 'शी टीम' से संपर्क करने को कहा। नाबालिग ड्राइविंग के खतरों पर भी चेतावनी दी।

कार्यक्रम में एसआई राजशेखर, स्कूल स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

नींद में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी : पुलिस

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भीमाराम पुलिस ने नींद में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ विशेष कार्रवाई की।चालकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए और इसे प्राथमिकता देनी चाहिए। मंचेरियल जिला प्रतिनिधि सिरिपुरम मधुकर पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा (आईपीएस) के आदेश पर, मंचरियाल जोन के भीमराम पुलिस स्टेशन के एसआई ए राजेंदर ने रात में नींद में गाड़ी चलाने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की उच्च संभावना को देखते हुए विशेष उपाय किए हैं। रात में 'सहारा' अभियान चला रहे पुलिसकर्मी नींद में गाड़ी चला रहे चालकों की पहचान कर उन्हें आराम दिलाने के लिए तत्काल कदम उठा रहे हैं। चालकों को सलाह दी जाती है कि वे अपना चेहरा धोएं, चाय पिएं और कुछ देर बातचीत करें ताकि उनकी नींद कम हो जाए और उसके बाद ही अपनी यात्रा जारी रखें। इसी तरहवे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ा रहे हैं और लोगों को सलाह दे रहे हैं कि वे थके होने पर गाड़ी न चलाएं और जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें। भीमराम के एसआई ए. राजेंदर और पुलिसकर्मी इन दुर्घटनाओं को कम करने और लोगों की जान बचाने के मुख्य उद्देश्य से काम कर रहे हैं। भीमराम के एसए ए. राजेंदर ने लोगों से पुलिस के साथ सहयोग करने और रात में सावधानी से गाड़ी चलाने की अपील की।

मदनूर में राम जन्म उत्सव भक्ति भाव से मनाया गया

मदनूर, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही राम मंदिर में पुरोहित के मंत्र उच्यार व विधी विधान के साथ राम जन्म उत्सव मनाया गया स्थानिक पुरोहित ने बताया कि गुरुवार के दिन अमृत काल में राम लक्ष्मण सीता हनुमान के प्रतिमा का पंच अमृत से अभिषेक किया गया इसी के साथ प्रतिमाओं को नूतन वस्त्र व फूल माल अर्पण किया गया मंदिर परिसर में इस पावन अवसर पर संगय्या अप्पा महाराज के नेतृत्व में भजन कीर्तन व आरती महा प्रसाद का आयोजन किया गया महिलाओं ने राम जन्म उत्सव मनाया इस समय मंदिर परिसर भक्त अधिक संख्या में उपस्थित थे।

गोशाला शेड निर्माण के लिय भूमि पूजन किया गया

मदनूर, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री राम नवमी के अवसर पर, सभी ग्राम बुजुर्गों ने मदनूर मंडल केंद्र स्थित श्री लक्ष्मी नारायण गौशाला में नए गौशाला शेड के निर्माण हेतु पुरोहित राम महाराज के मंत्र उच्यार के साथ श्री फल फोड़कर भूमि पूजन किया। इस गौशाला के निर्माण में लगभग 8 लाख रुपये का खर्च आएगा। इसलिए, हम सभी से निवेदन करते हैं कि वे अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करें और गौ-सेवा में अपना योगदान देंने की विनती की।

अफवाहों से न घबराएं, ईंधन की कोई कमी नहीं : किशोर झा

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामगुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने स्पष्ट किया है कि कमिश्नरेट के पेद्दापल्ली और मंचेरियाल जोन में पेट्रोल व डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है।

उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों के कारण लोग घबराकर बड़ी संख्या में पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे अनावश्यक भीड़ और सप्लाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है।सीपी ने नागरिकों से अनुरोध की कि वे जरूरत से अधिक ईंधन का भंडारण न करें और किसी भी अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें। उन्होंने चेतावनी दी कि अफवाह फैलाने या लोगों में भय पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बाल सदन निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

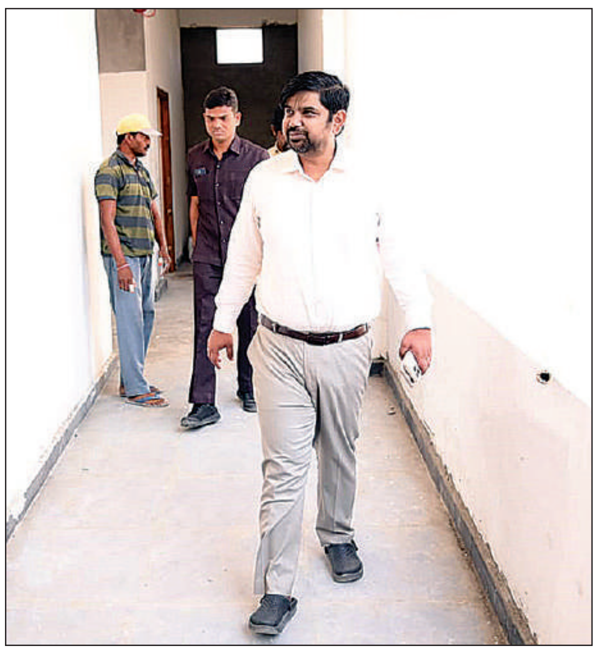

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने नस्पूर मंडल केंद्र में निर्माणाधीन बाल सदन भवन का निरीक्षण कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के तहत 1 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से भवन का निर्माण किया जा रहा है, जिसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने और समय पर पूर्ण करने को कहा। इस दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चेन्नूर में हनुमान माला धारण स्वामियों के लिए भव्य अन्ना प्रसाद आयोजन

मंचेरियाल, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर नगर के स्थानीय सरकारी जूनियर कॉलेज परिसर में हनुमान माला धारण स्वामियों के लिए भव्य अन्ना प्रसाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 18वें वार्ड के पार्षद एतम शिवकृष्ण के नेतृत्व में किया गया।

इस दौरान करीब 500 स्वामियों को भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किए और सभी स्वामी एक साथ बैठकर श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में श्रीराम नाम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहयोग दिया। पार्षद एतम शिवकृष्ण ने बड़े स्तर पर इस आयोजन के माध्यम से अपनी आस्था और सेवा भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता लानी चाहिए : राजेश

आसिफाबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेश ने कहा कि वन बीट अधिकारियों को छात्र स्तर से ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता लानी चाहिए। बेंदारा आदर्श डिग्री कॉलेज के छात्रों ने वनस्पति भ्रमण के तहत शिक्षक स्वामी के मार्गदर्शन में जिला केंद्र में नर्सरी का दौरा किया, जबकि किशोर और श्रीविद्या के साथ बीट अधिकारियों ने नर्सरी की आवश्यकताओं के बारे में बताया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वन प्रजाति के पौधे उगाये जायेंगे. छात्रों को मंच से पर्यावरण के प्रति जागरूक करना चाहिए। नर्सरी खेती में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया गया है। छात्रों को जीवामृतम की तैयारी प्रक्रिया के बारे में बताया गया और इसके उपयोग के बारे में संक्षेप में बताया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के फैकल्टी और छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

जाकिर नाइक से मुलाकात पर विवादों में मेहदी हसन मिराज, सोशल मीडिया पोस्ट बना चर्चा का कारण

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के आलराउंडर मेहदी हसन मिराज हाल ही में एक नए विवाद में घिर गए हैं। मिराज की मुलाकात खुद को इस्लामिक स्कालर बताने वाले जाकिर नाइक से हुई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस मुलाकात के बाद उठे विवाद ने खेल और धर्म के संबंध को लेकर नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, जाकिर नाइक ने मिराज के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में उन्हें मुस्लिम स्पोर्ट्समैन बताया। इसी शब्दावली को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आलोचकों का मानना है कि खेल को धर्म के आधार पर बांटना उचित नहीं है, क्योंकि खेल की मूल भावना सभी सीमाओं से परे होती है। एक खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन और खेल भावना से होती है, न कि उसके धर्म से। विवाद को और हवा तब मिली जब मिराज ने खुद भी इस मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। उन्होंने पोस्ट में जाकिर नाइक को अपना पसंदीदा इस्लामी विद्वान बताते हुए उनके ज्ञान और शांति के संदेश की सराहना की। मिराज ने लिखा कि बचपन से ही उनकी इच्छा थी कि वे एक बार उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलें, जो अब पूरी हो गई है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहस और तेज हो गई है। गौरतलब है कि जाकिर नाइक भारत में विवादित व्यक्तित्व रहे हैं और उन पर आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को भड़काने जैसे गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसी वजह से उनकी किसी भी सार्वजनिक हस्ती से मुलाकात अक्सर विवाद का विषय बन जाती है। हालांकि, इस पूरे विवाद के बीच मिराज के क्रिकेट करियर पर नजर डालें तो वह बांग्लादेश टीम के एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 56 टेस्ट, 117 वनडे और 34 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 2 शतक और 9 अर्धशतकों की मदद से 2164 रन बनाए हैं, साथ ही गेंदबाजी में 210 विकेट भी हासिल किए हैं। वनडे में उनके नाम 1791 रन और 126 विकेट दर्ज हैं, जबकि टी20 फार्मेट में उन्होंने 418 रन बनाने के साथ 18 विकेट लिए हैं। फिलहाल यह देखना दिलचस्प होगा कि इस विवाद का मिराज की छवि और उनके क्रिकेट करियर पर क्या असर पड़ता है, लेकिन इतना तय है कि यह मामला अभी कुछ समय तक चर्चा में बना रह सकता है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 प्लेआफ: टोनाली चमके, इटली ने नार्दर्न आयरलैंड को 2-0 से हराया

बर्गमो। चार बार की विश्व चैंपियन इटली राष्ट्रीय फुटबाल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 प्लेआफ सेमीफाइनल में नार्दर्न आयरलैंड राष्ट्रीय फुटबाल टीम को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ इटली अब 12 साल बाद विश्व कप में वापसी से सिर्फ एक कदम दूर है। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ में इटली ने आक्रामक खेल दिखाया। 56वें मिनट में मिडफील्डर सैंड्रो टोनाली ने बाक्स के बाहर से शानदार शाट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। उन्होंने क्लियर किए गए क्रास पर तेजी से प्रतिक्रिया देते हुए गेंद को एक बाउंस के बाद सीधे गोलपोस्ट के निचले कोने में पहुंचा दिया। इसके बाद 80वें मिनट में फारवर्ड मोइज़ कीन ने टोनाली के पास पर शानदार मूव बनाते हुए डिफेंडर को छकाया और सटीक लो शाट लगाकर मैच पूरी तरह इटली के पक्ष में कर दिया। अब इटली का सामना फाइनल में वेल्स राष्ट्रीय फुटबाल टीम और बोस्निया और हर्जेगोविना राष्ट्रीय फुटबाल टीम के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। यह मैच अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में जून-जुलाई में होने वाले विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए निर्णायक साबित होगा।

एशियाई खेलों की तैयारी तेज, गोरखपुर में भारतीय महिला रोइंग टीम का राष्ट्रीय कैंप शुरू

गोरखपुर। एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को मजबूत करने के लिए भारतीय महिला रोइंग टीम का

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार से गोरखपुर में शुरू हो गया। यह कैंप रामगढ़ ताल स्थित वाटर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित किया जा रहा है। यह शिविर भारतीय रोइंग महासंघ के अनुरोध पर भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है। भारतीय रोइंग महासंघ के उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश रोइंग संघ के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि चयनित खिलाड़ी और कोच गोरखपुर पहुंच चुके हैं और प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। रोइंग स्पर्धाएं 20 से 25 सितंबर के बीच गिफू प्रांत के काइजू शहर स्थित नगरागावा इंटरनेशनल रेगाटा कोर्स में आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि यह 51 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर है, जो उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इसमें खिलाड़ी सिंगल स्कल्स, डबल स्कल्स, पेयर्स और फोर्स जैसी विभिन्न श्रेणियों में अभ्यास करेंगे। इस बीच, पुरुष रोइंग टीम का राष्ट्रीय कैंप पहले से ही पुणे के आर्मी नोड में चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, रामगढ़ ताल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। यहां का शांत जल खिलाड़ियों की तकनीक सुधारने और प्रदर्शन बेहतर करने में मदद करेगा।

मियामी ओपन 2026: कोको गाफ का शानदार प्रदर्शन, मुचोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं

मैक्सिको सिटी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ ने दमदार खेल दिखाते हुए मियामी ओपन

2026 के फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में गाफ ने चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को एकतरफा अंदाज में 6-1, 6-1 से हराया। विश्व नंबर-4 गाफ की शुरुआत भले ही धीमी रही और मुचोवा ने पहला गेम ब्रेक करते हुए बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद मुकाबले में गाफ का पूरी तरह दबदबा देखने को मिला। उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और फिर लगातार गेम जीतते हुए पहला सेट एकतरफा तरीके से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी मुचोवा लय हासिल नहीं कर सकीं। उनसे कई अनफोर्स्ड एरर हुए, जिसका पूरा फायदा उठाते हुए गाफ ने तीन बार उनका सर्विस ब्रेक किया और मुकाबले को आसानी से जीत लिया। इस जीत के साथ गाफ ने मुचोवा के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकार्ड 6-0 कर लिया है। मुचोवा इस मुकाबले से पहले शानदार फार्म में थीं। उन्होंने इस सीजन दोहा में खिताब जीता था और मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया म्बोको को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची थीं, लेकिन गाफ के सामने उनका प्रदर्शन फीका रहा। अब फाइनल में कोको गाफ का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका से होगा, जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच खिताब के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

एशिया कप तीरंदाजी : कंपाउंड में शानदार प्रदर्शन, भारत के खाते में अब तक चार पदक

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

एशिया कप-विश्व रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट (स्टेज-1) में भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को कंपाउंड वर्ग में मिक्स्ड टीम स्वर्ण और महिला टीम रजत पदक जीतकर भारत ने कुल पदकों की संख्या चार कर ली है। अब भारत के पास एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं। इससे पहले बुधवार को महिला रिकर्व टीम और पुरुष कंपाउंड टीम ने कांस्य पदक जीते थे। भारतीय दल को दिन में आगे होने वाले मुकाबलों में चार और पदकों की उम्मीद है। इनमें महिला रिकर्व व्यक्तिगत (रिधि फोर), पुरुष रिकर्व टीम और पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा शामिल हैं, जिसमें आल-इंडिया फाइनल देखने को मिलेगा।

मिक्स्ड टीम ने जीता स्वर्ण

सुबह के सत्र में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय कंपाउंड मिक्स्ड टीम की जोड़ी चिकिथा तानिपर्थी और रजत चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में मलेशिया को 158-156 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुकाबला बेहद करीबी रहा, जहां भारत ने 16 तीरों में सिर्फ दो अंक गंवाए, जबकि मलेशिया से चार अंक छूटे।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआत में लगातार चार बार 10 का स्कोर करते हुए बढ़त बनाई और अंत तक लय बनाए रखी। तीसरे राउंड के बाद भारत 118-117 से आगे था। हालांकि मलेशियाई जोड़ी ने तीसरे राउंड में 40 का परफेक्ट स्कोर बनाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतिम राउंड में चिकिथा और रजत ने दबाव में चारों तीर 10 पर लगाए और मैच अपने नाम कर लिया।

यह जीत खास इसलिए भी रही क्योंकि पिछले संस्करण में भारत मिक्स्ड टीम स्पर्धा में कोई पदक नहीं जीत पाया था।

महिला टीम को मिला रजत पदक

वहीं, भारतीय महिला कंपाउंड टीम को फाइनल में कजाकिस्तान से 227-229 से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में चिकिथा तानिपर्थी, राज कौर और तेजल साल्वे शामिल थीं।

भारत ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत करते हुए 12 तीरों के बाद 115-113 की बढ़त बना ली थी। लेकिन तीसरे राउंड में भारतीय टीम का प्रदर्शन थोड़ा कमजोर रहा, जहां उन्होंने 54 का स्कोर किया, जबकि कजाकिस्तान ने 58 अंक जुटाकर बढ़त बना ली। अंतिम राउंड 58-58 से बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन तीसरे राउंड की बढ़त के चलते कजाकिस्तान ने मैच जीत लिया।

हालांकि, यह प्रदर्शन भारत के लिए पिछले संस्करण के कांस्य पदक से बेहतर रहा, जहां इस बार टीम ने रजत पदक हासिल किया।

भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है और अब सभी की नजरें बाकी मुकाबलों पर टिकी हैं, जहां देश को और पदक मिलने की उम्मीद है।

विश्व कप से पहले स्पेन का आखिरी अभ्यास मैच पेरू से, मेक्सिको में होगा मुकाबला

नई दिल्ली। स्पेन की फुटबाल टीम फीफा विश्व कप 2026 से पहले अपने अंतिम वार्म-अप मैच में पेरू का सामना करेगी। रायल स्पैनिश फुटबाल फेडरेशन ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। यह मुकाबला 8 जून को मेक्सिको के शहर पुएब्ला में खेला जाएगा। यह मैच यूरोपीय चैंपियन स्पेन के लिए विश्व कप अभियान शुरू होने से पहले आखिरी तैयारी का मौका होगा। स्पेन अपने पहले मैच में ग्रुप-एच में केप वर्डे के खिलाफ अटलांटा में उतरेगा। स्पेन इस महीने दो अन्य फ्रेंडली मैच भी खेलेगा, जिसमें सर्बिया और मिस्र के खिलाफ मुकाबले शामिल हैं। इससे पहले अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाला फाइनलिसिमा मुकाबला कतर में प्रस्तावित था, लेकिन ईरान युद्ध के चलते इसे रद्द कर दिया गया। फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी इस बार मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा मिलकर कर रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी, जहां दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

अवस्थी मेमोरियल प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट: द आर्यंस व सैंट पाल की टीम जीती

मुरादाबाद, 27 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि डीएसए मुरादाबाद एवं अवस्थी मेमोरियल कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अवस्थी मेमोरियल प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन शुक्रवार को ग्रुप ए के दो मुक़ाबले खेले गये।

पहला मुक़ाबला रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी और द आर्यंस क्रिकेट अकैडमी के बीच और दूसरा मुक़ाबला सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी और एमपीएस क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। जिसमें द आर्यंस क्रिकेट अकैडमी ने 5 विकेट से जीत व सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी ने 111 रन से जीत हासिल की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए रुक्मणी क्रिकेट अकैडमी 19.1 ओवर में 117 रन बनाकर आल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए द आर्यंस क्रिकेट अकैडमी ने 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैन आफ द मैच सतीश गौतम को चुना गया।

दूसरा मुक़ाबला सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी और एमपीएस क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। टास जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सैंट पाल क्रिकेट अकैडमी ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 160 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए एम पी एस क्रिकेट अकैडमी 13.3 ओवर में मात्र 49 रन बनाकर आल आउट हो गई। मैन आफ़ द मैच यश व्यास को चुना गया।

अम्पायर की भूमिका में रईस अहमद व शमशाद अल्वी रहे। कमेंट्री नज़ाकत अली ने की। स्कोरर चन्द्र प्रताप रहे। मैच के दोरान डीएसए सचिव विजय गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, मोहम्मद हसीन, मिर्जा दानिश आलम, सलीम ख़ान, आदि रहे।

आरसीबी की बिक्री से यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरधारकों को बड़ा फायदा संभव

नई दिल्ली। यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) द्वारा अपनी इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी रायल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को बेचने की योजना से कंपनी के शेयरधारकों को बड़ा वित्तीय लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म नोमूरा के मुताबिक, इस सौदे के बाद निवेशकों को प्रति शेयर 196 रुपये तक का विशेष लाभांश मिल सकता है, जो एक बड़ी एकमुश्त कमाई का संकेत है। यह अनुमान उस प्रस्तावित समझौते पर आधारित है, जिसके तहत यूएसएल अपनी सहायक कंपनी रायल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएसपीएल) में 100 फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इस डील का एंटरप्राइज वैल्यूएशन 16,660 करोड़ रुपये आंका गया है, जो अब तक किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ऊंचा मूल्यांकन माना जा रहा है। इस सौदे में संभावित खरीदारों के कंसोर्टियम में आदित्य बिड़ला ग्रुप, द टाइम्स ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। नोमूरा के अनुसार, अंतिम लाभांश इस बात पर निर्भर करेगा कि कंपनी अपनी आय का कितना हिस्सा शेयरधारकों में बांटती है। यदि यूएसएल पूरी आय का वितरण करती है, तो प्रति शेयर 196 रुपये का लाभांश संभव है, जबकि 50 प्रतिशत राशि अपने पास रखने की स्थिति में यह आंकड़ा लगभग 98 रुपये प्रति शेयर रह सकता है।

एशियाई खेल 2026 : एकेएफआई और मशाल स्पोर्ट्स का हाई-परफार्मेंस कैंप शुरू

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

एशियाई खेल 2026 की तैयारियों को मजबूत करने के लिए भारतीय कबड्डी में बड़ा कदम उठाया गया है। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन आफ इंडिया (एकेएफआई) और मशाल स्पोर्ट्स के सहयोग से देश के शीर्ष पुरुष और महिला संभावित खिलाड़ियों के लिए हाई-परफार्मेंस स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह कैंप कर्नाटक के बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट में 27 मार्च से 2 अप्रैल तक चलेगा।

इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों की फिटनेस, प्रदर्शन क्षमता और दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। आधुनिक प्रशिक्षण तकनीकों और वैज्ञानिक सपोर्ट सिस्टम के जरिए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया जाएगा। एकेएफआई के अध्यक्ष विभोर विनीत जैन ने कहा कि यह पहल भारतीय कबड्डी के स्तर को और ऊंचा उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि मशाल स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी से खिलाड़ियों को प्रोफेशनल माहौल, आधुनिक ट्रेनिंग और हाई-परफार्मेंस सपोर्ट मिलेगा, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता के लिए जरूरी है। इस कैंप में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के कई स्टार खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें नवीन कुमार, अर्जुन देशवाल, पवन सहरावत, असलम इनामदार, सुनील कुमार, आशु मलिक और भारत हुड्डा जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। वहीं महिला टीम में भारतीय महिला कबड्डी वर्ल्ड कप विजेता टीम की कप्तान रितु नेगी के साथ सोनाली विष्णु शिंगाटे, पुष्पा राणा, चंपा ठाकुर, पिंकी राय, प्रिया और कार्तिका आर जैसे खिलाड़ी इस कैंप का हिस्सा हैं।

यह कैंप भारतीय कबड्डी टीम को एशियाई खेल 2026 में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगा।

राजमिस्त्री की बेटी मोनिखा सोनोवाल ने दर्द और आत्म-संदेह को हराकर जीता केआईटीजी वेटलिफ्टिंग गोल्ड

रायपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)।

शायद वह अभी कंस्ट्रक्शन साइट पर व्यस्त होंगे, मोनिखा सोनोवाल ने मुस्कुराते हुए कहा, जब वह अपने पिता को फोन लगाने की कोशिश कर रही थीं। कुछ ही क्षण पहले 19 वर्षीय मोनिखा ने यहां जारी पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में महिलाओं के 48 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था और यह खुशखबरी अपने पिता को देना चाहती थीं।

उनके पिता पद्मधर सोनोवाल एक राजमिस्त्री हैं, जो चार सदस्यों के परिवार का पालन-पोषण करने के लिए दिनभर कड़ी मेहनत करते हैं। मोनिखा की खेल यात्रा में वे हमेशा उनकी सबसे बड़ी ताकत रहे हैं।

दो बहनों में बड़ी मोनिखा असम के धेमाजी जिले के बटघोरिया पेनबेनी चौक की रहने वाली हैं। ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर बसे इस शांत इलाके की दूरी गुवाहाटी से लगभग 425 किलोमीटर है। यहां जीवन शांत और साधारण है,

जहां ज्यादातर परिवारों के सपने रोजमर्रा की जरूरतों तक ही सीमित रहते हैं।

लेकिन मोनिखा के लिए वेटलिफ्टिंग हाल में बजने वाली बारबेल की आवाज एक ऐसे सपने की शुरुआत थी, जो सीमाओं में बंधने को तैयार नहीं था। सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के प्रति उनकी जिज्ञासा धीरे-धीरे जुनून में बदल गई, जिसे पड़ोसी राज्य मणिपुर की टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू से प्रेरणा मिली।

और गुरुवार को वही सपना हकीकत में बदल गया, जब उन्होंने घुटने की चोट के बावजूद संघर्ष करते हुए खेलों का पहला वेटलिफ्टिंग स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह जीत उनके वर्षों की मेहनत का परिणाम थी।

उनके सफर में एक बड़ा मोड़ दो साल पहले आया, जब उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण के नेशनल सेंटर आफ़ एक्सीलेंस ईटानगर में प्रवेश लिया। कचारी जनजाति से आने वाली मोनिखा ने कहा, एनसीओई ईटानगर ने मुझे वह सब कुछ दिया, जिसका मेरे जैसे छोटे गांव की खिलाड़ी केवल सपना देख सकती थी—बेहतर ट्रेनिंग, पोषण, मार्गदर्शन और चोट से उबरने की सुविधा। इस सहयोग के बिना यहां तक पहुंचना बहुत मुश्किल था। इसके बाद उनकी प्रगति लगातार होती रही। 2023 में उन्होंने स्कूल नेशनल्स में स्वर्ण पदक जीता। 2024 में ओडिशा के संबलपुर में आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता लीग में रजत पदक हासिल किया। 2025 में तेजपुर में राज्य चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और चंडीगढ़ में इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में आठवां स्थान प्राप्त किया। हालांकि, इस उपलब्धि का रास्ता आसान नहीं था। पिछले तीन महीनों से मोनिखा अपने दाहिने घुटने की चोट से जूझ रही थीं, जो उन्हें ट्रेनिंग के दौरान लगी थी। चोट को देखते हुए उनके कोचों ने उन्हें खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में हिस्सा न लेने की सलाह दी थी, लेकिन 19 वर्षीय मोनिखा ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया और दर्द के बावजूद मैदान में उतरने का फैसला किया। मोनिखा ने कहा, मेरे कोच मेरे घुटने को लेकर चिंतित थे और उन्होंने कहा था कि आराम करना बेहतर होगा। लेकिन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जैसे मौके बार-बार नहीं आते। मैं इतने बड़े मंच पर खेलने का अवसर गंवाना नहीं चाहती थी। मोनिखा ने आगे कहा, मैं लगातार बेहतर बनना चाहती हूं और एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहती हूं।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)।

दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डल्ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट आफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ।

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डल्ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी।

अल्ट्राटेक ने डल्ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी।

अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डल्ला सुपर यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी।

विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डल्ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला। इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

300 की रफ्तार वाली सुपरबाइक्सः कावासाकी की 6 धाकड़ मशीनें, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। दुनियाभर में अपनी तेज रफ्तार और दमदार परफार्मेंस के लिए कावासाकी की निंजा सीरीज जानी जाती है। कंपनी के कई माडल्स अब यहां उपलब्ध हैं, जो स्पीड और टेक्नोलाजी का शानदार मेल पेश करते हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे कावासाकी निंजा एच2 एसएक्स एसई है, जिसे कंपनी की सबसे पावरफुल बाइक माना जाता है। इसमें 998सीसी का सुपरचार्ज्ड इंजन दिया गया है, जो करीब 330 किमी/घंटा की टाप स्पीड हासिल कर सकता है। एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और रडार जैसे फीचर्स इसे हाई-टेक बनाते हैं। वहीं कावासाकी निंजा झेडएक्स-10आर रेसिंग ट्रैक की पसंदीदा बाइक है। इसका 998सीसी इंजन करीब 197बीएचपी की पावर देता है और इसकी टाप स्पीड लगभग 299 किमी/घंटा है। इसकी कीमत करीब 20.79 लाख रुपये है। कावासाकी झेड एच2 एसई एक नेकेड सुपरबाइक है, जिसमें 200बीएचपी की ताकत मिलती है। बिना फेयरिंग के बावजूद यह बाइक करीब 290 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है। मिडल-वेट सेगमेंट में कावासाकी निंजा झेडएक्स-6आर को खास माना जाता है। 636 सीसी इंजन के साथ यह बाइक 260 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार पकड़ती है और बेहतरीन कंट्रोल देती है। इसके अलावा कावासाकी निंजा 1100एसएक्स उन राइडर्स के लिए है, जो स्पीड के साथ आराम भी चाहते हैं।

टीवीएस ने स्कूटर के तीन यूनिक आर्ट एडिशन किए लान्च

नई दिल्ली। अपने प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस एक्स को टीवीएस मोटर कंपनी ने नए और रचनात्मक अंदाज में पेश किया।

भारत की सैन्य ताकत में होगा इजाफा

एस-400 मिसाइल प्रणाली सहित 2.38 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी

नयी दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार ने सशस्त्र बलों की क्षमता बढाने तथा उनके आधुनिकीकरण की दिशा में महत्व-पूर्ण कदम उठाते हुए 2.38 लाख करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को जरूरत के आधार पर खरीद की मंजूरी दी है, जिनमें वायु सेना के लिए मध्यम परिवहन विमान, लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली, मानव रहित मारक विमान तथा सुखोई- 30 लड़ाकू विमानों के एयरो इंजन एग्रीगेटर के रखखाव के प्रस्ताव प्रमुख हैं।

साथ ही इनमें सेना के लिए वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली, कवच भेदी टैंक गोला-बारूद, उच्च क्षमता रेडियो रिले, धनुष तोप प्रणाली तथा रनवे स्वतंत्र हवाई निगरानी प्रणाली की खरीद भी शामिल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इन सौदों को जरूरत के आधार पर खरीद की मंजूरी दी गयी।

बैठक के बाद रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि वायु सेना के पुराने हो चुके मालवाहक विमानों एएन-32 और आईएल-76 परिवहन बेड़े के स्थान पर मध्यम परिवहन विमान को बेड़े में शामिल करने से वायु सेना की रणनीतिक, सामरिक और परिचालन वायु परिवहन आवश्यकता कई गुना बढ जायेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सुर्खियों में रही भारत की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण क्षेत्रों को लक्ष्य बनाने वाले दुशमन के लंबी दूरी के हवाई हथियारों से निपटने का काम करेगी, जबकि दूर से संचालित प्रहारक मानव रहित विमान आक्रामक कार्रवाई तथा समन्वित वायु अभियानों को संचालित करने में सेनाओं को अधिक सक्षम बनाएगा। इसके अलावा यह साथ ही गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान गतिविधियों को भी अंजाम देगा। सुखोई-30 एयरो इंजन और उसके एग्रीगेटर के रख रखाव से विमान की सेवा आयु बढ़ेगी और वायु सेना की परिचालन आवश्यकताओं की पूर्ति होगी।

वक्तव्य में कहा गया है कि वायु रक्षा ट्रैक प्रणाली वास्तविक समय में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगी, जबकि उच्च क्षमता रेडियो रिले विश्वसनीय और त्रुटिरहित संचार उपलब्ध कराएगा।

धनुष तोप प्रणाली तोपखाने की क्षमता को सभी प्रकार के भू-भागों में अधिक दूरी तक लक्ष्यों को अधिक सटीकता के साथ भेदने में सक्षम बनाएगी। रनवे स्वतंत्र हवाई निगरानी प्रणाली सेना की इकाइयों को निगरानी क्षमता प्रदान करेगी, जबकि कवच भेदी टैंक गोला-बारूद टैंक रोधी गोला-बारूद की मारक क्षमता को बढ़ाएगा। रक्षा खरीद परिषद की बैठक में भारतीय तटरक्षक बल के लिए भारी क्षमता वाले वायु कुशन वाहनों के लिए भी आवश्यकता के अनुसार खरीद की स्वीकृति प्रदान की गई। इन वाहनों का उपयोग बहुउद्देशीय समुद्री तटीय परिचालन भूमिकाओं के लिए किया जाएगा, जिनमें उच्च गति से तटीय गश्त, टोही, खोज और बचाव अभियान, जहाजों को सहायता प्रदान करना तथा कार्मिकों और रसद सहित भंडार का परिवहन शामिल है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 6.73 लाख करोड़ रुपये की राशि के 55 प्रस्तावों को आवश्यकता के आधार पर खरीद की मंजूरी प्रदान की है।

इसके अतिरिक्त मौजूदा वित्तीय वर्ष में 2.28 लाख करोड़ रुपये की राशि के प्रस्तावों के लिए पूंजीगत खरीद अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

अब तक प्रदान की गई आवश्यकता की स्वीकृति और हस्ताक्षरित पूंजीगत अनुबंधों की मात्रा किसी भी वित्तीय वर्ष में सबसे अधिक रही है।

पेट्रोल डीजल की घट सकती है कीमत

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संकट के कारण केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने का फैसला किया है। पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद पेट्रोल पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घट कर तीन रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसी तरह डीजल पर लगे वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को शून्य कर दिया गया है। पहले डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की दर से स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी। केंद्र सरकार के इस कदम से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है।

आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की सप्लाई पर प्रतिकूल असर पड़ा है। हार्मुज स्ट्रेट के रास्ते होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई लगभग ठप हो गई है। इसकी वजह से मांग की तुलना में आपूर्ति काफी घट गई है, जिसने और कच्चे तेल की कीमत में काफी इजाफा हो गया है। इस जंग में खाड़ी के कई देशों पर भी हमला होने की वजह से भी कच्चे तेल की सप्लाई पर काफी बुरा असर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने के कारण आयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) पर दबाव बढ़ गया है। कुछ दिन पहले ही सरकारी आयल मार्केटिंग कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में प्रति लीटर दो रुपये से अधिक की बढ़ोतरी कर दी थी। वहीं बल्क यानी इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत में भी बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में प्रीमियम 95 आक्टेन पेट्रोल की कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 101.89 रुपये हो गई, जबकि बल्क यानी इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत 87.67 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 109.59 रुपये कर दी गई। इसी तरह प्राइवेट सेक्टर की सबसे बड़ी फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने देश में पेट्रोल के दाम में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी थी। इस बढ़ोतरी के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में नायरा एनर्जी के 6,967 पेट्रोल पंप पर राज्य सरकार द्वारा लगाए जाने वाले वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) और दूसरे स्टेट टैक्स के कारण नायरा एनर्जी के पेट्रोल की कीमत में 5.30 रुपये तक का इजाफा हो गया था। भारत कच्चे तेल की कुल जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार से मांगता है। इस आयात का भी बड़ा हिस्सा हार्मुज स्ट्रेट के रास्ते समुद्री मार्ग से आता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आ गया...

रिपोर्टों के अनुसार, हेरेनकनेक्ट का मुख्यालय जर्मनी के श्वानाउ में है। यह दुनिया की सबसे बड़ी मशीनीकृत सुरंग निर्माण कंपनी है। यह इकलौती ऐसी कंपनी है जो हर तरह की जमीनी सुरंगें बनाने के लिए टीबीएम बनाती है। 2002 से इसकी 90 से अधिक मशीनों ने भारतीय शहरों में लगभग 200 किलोमीटर लंबी सुरंगें खोदी हैं।

हेरेनकनेक्ट चेन्नई स्थित भारत में समर्पित असेंबली सुविधा वाली एकमात्र टीबीएम निर्माता कंपनी भी है। हालांकि, इसकी अधिकांश बड़ी मशीनें अभी भी चीन के ग्वांगझू स्थित संयंत्र में निर्मित होती हैं। गलवान घाटी की झड़प के बाद लगी पाबंदियों के बावजूद इन मशीनों की आपूर्ति सुनिश्चित करना पीएमओ और विदेश मंत्रालय की कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है।

ईरानी परमाणु ...

शुक्रवार को एशियाई बाजारों में भी मंदी का माहौल रहा। जापान का निक्केई 0.43 फीसदी लुढ़क गया। चीनी बाजार में भी गिरावट जारी रही और दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी 0.40 फीसदी टूट गया।

भारतीय शेयर बाजार में भी तेजी से गिरावट आई। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,690 अंक या 2.25 फीसदी गिरकर 73,583 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 486 अंक या 2.09 फीसदी की गिरावट रही, जो 22,819 पर ठहरा। इस गिरावट से निवेशकों को करीब 9 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

कच्चा तेल और डॉलर उछले

शेयर बाजार में गिरावट के दौरान ही कच्चे तेल के दाम में भी उछाल देखा जा रहा है। बुधवार को ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे चला गया था, लेकिन गुरुवार को इसमें तेजी आई और यह 108 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया।

शुक्रवार को भी इसमें तेजी जारी रही। शुक्रवार की शाम ब्रेंट क्रूड ऑयल 2.82 फीसदी चढ़कर 111 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहा था। ट्रेडिंग वॉल्यूम में भी इजाफा हुआ है, जो संकेत देता है कि निवेशक भी इसे लेकर बुलिश हैं और कीमतें आगे भी बढ़ सकती हैं।

कच्चे तेल के साथ ही प्राकृतिक गैस के दाम भी बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्राकृतिक गैस के दाम में करीब 3 फीसदी की तेजी आई है। आमतौर पर देखा गया है कि जब-जब तेल और गैस के दाम में उछाल आता है, तब वैश्विक स्तर पर कुछ बड़ी घटना होती है।

डॉलर इंडेक्स में तेजी जारी है, जो संकेत देता है कि डॉलर मजबूत हो रहा है। रुपया डॉलर की तुलना में 95 के स्तर के करीब पहुंच गया है। डॉलर में तेजी यह दर्शाती है कि ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है, जिस कारण हर कोई डॉलर में जहां से भी संभव हो सके, तेल-गैस का आयात कर रहा है। खासतौर से ऊर्जा आयात पर निर्भर देश सबसे ज्यादा डॉलर खर्च कर रहे हैं। इसी कारण उनकी मुद्राएं भी तेजी से गिर रही हैं।

ट्रंप की इधर 10 दिन की मोहलत, उधर चढाई

वैश्विक स्तर पर हो रही ये घटनाक्रम बड़े उथल-पुथल का संकेत दे रहे हैं। ट्रंप ने ईरान के साथ जंग को लेकर बातचीत सही ढंग से चलने की जानकारी दी है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और तेल सुविधाओं पर अगले 10 दिन तक हमला नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि बातचीत चल रही है और शांति का मौका है।

हालांकि, तमाम सूत्र संकेत दे रहे हैं कि बातचीत के साथ-साथ अमेरिकी सुरक्षा विभाग पेंटागन सैन्य कार्रवाई के विकल्प पर भी आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हमेशा वीकेंड पर ट्रंप बड़े फैसले लेते हैं, इसलिए शनिवार और रविवार का दिन अहम रहने वाला है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के मुताबिक, पेंटागन मध्य पूर्व में 10,000 तक अतिरिक्त ग्राउंड ट्रूप्स भेजने की योजना बना रहा है, जिससे ट्रंप को ज्यादा सैन्य विकल्प मिल सकें। वहीं 28 फरवरी को जब अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था, तब भी बड़े स्तर पर बातचीत चल रही थी। इस बातचीत के बीच ही ईरान पर हमला हो गया और सुप्रीम लीडर खामेनेई समेत 40 शीर्ष कमांडर मारे गए थे। ऐसे में देखा जाए तो मौजूदा स्थिति कुछ बड़ी घटना का संकेत दे रही है।

ईरान ने बदले की ठानी

इस हमले के बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिकी और इजरायली औद्योगिक कंपनियों और उद्योगों में काम करने वाले लोगों को तुरंत अपने कार्यस्थल छोड़ने की अपील की है। अल जजीरा ने ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम के हवाले से बताया है कि यह अपील एक हेवी-वॉटर प्लांट और एक येलोकेक उत्पादन प्लांट को निशाना बनाए जाने के बाद की गई है।

आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि उसके लड़ाके इस क्षेत्र में उन औद्योगिक कंपनियों पर जवाबी हमले कर रहे हैं जिनमें अमेरिका का भी हिस्सा है, साथ ही उन भारी उद्योगों को भी निशाना बना रहे हैं जो इस क्षेत्र में इजरायल के सहयोगी हैं। आईआरजीसी ने आगे कहा कि इन उद्योगों के कर्मचारियों को वहां से निकल जाना चाहिए, और हमले के खत्म होने तक एक किलोमीटर के दायरे में रहने वाले निवासियों को भी उस जगह को खाली कर देना चाहिए।

मोदी की...

खासकर उर्वरक भंडारण और वितरण की निगरानी में।

प्रधानमंत्री मोदी ने सभी स्तरों पर मजबूत समन्वय तंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि बदलते हालात में तत्काल प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सीमा और तटीय राज्यों में खास ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि नौवहन, आवश्यक आपूर्ति और समुद्री संचालन से जुड़ी नई चुनौतियों का समाधान किया जा सके। प्रधानमंत्री ने गलत सूचनाओं व अफवाहों से सतर्क रहने का भी आग्रह किया और सही व विश्वसनीय जानकारी फैलाने पर जोर दिया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक टीम इंडिया की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इस्राइल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्वाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए।

कौन-कौन मुख्यमंत्री शामिल हुए?

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे।

एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस टीम इंडिया की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा।

मुख्यमंत्रियों ने बैठक में क्या कहा?

वहीं, मुख्यमंत्रियों ने स्थिति से निपटने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। उन्होंने वैश्विक अनिश्चितता के बीच ईंधन पर उत्पाद शुल्क कम करने और राज्यों को वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन बढ़ाने के फैसलों का स्वागत किया। मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उलब्धता के कारण स्थिति स्थिर बनी हुई है।

एक मीडिया कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद भी चुनौतियां लगातार बढ़ती रही हैं और ऐसा कोई साल नहीं रहा जब भारत और भारतीयों की परीक्षा न हुई हो। लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के संयुक्त प्रयास से भारत हर आपदा का सामना करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और चुनौतियों को टालने के बजाय सीधे उनका सामना कर रहा है।

संकट पर पहले हुई थी सर्वदलीय बैठक

सरकार ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया की स्थिति पर राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक भी की थी, जिसमें स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई। 23 मार्च को लोकसभा में बयान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रह सकती हैं और उन्होंने देश से एकजुट और तैयार रहने का आह्वान किया था, जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान रहा था।

उन्होंने संकट के आंतरिक सुरक्षा पहलू की ओर भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि कुछ तत्व ऐसी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है और तटीय, सीमा, साइबर और रणनीतिक ठिकानों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चाहे तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा या रणनीतिक प्रतिष्ठान, सभी की सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने धैर्य, संयम और सतर्कता बरतने की अपील की और अफवाह फैलाने, कालाबाजारी या जमाखोरी करने वालों के खिलाफ चेतावनी दी और सभी राज्य सरकारों से सख्त निगरानी और तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। लोकसभा में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने देश की सामूहिक ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब देश की हर सरकार और हर नागरिक साथ चलता है, तो हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं, यही हमारी पहचान और ताकत है।

मुख्यमंत्रियों ने भरोसा जताया कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता के कारण स्थिति स्थिर बनी हुई है। साथ ही, उन्होंने केंद्र के साथ मिलकर प्रभावी प्रबंधन के लिए तालमेल बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत के पास 60 दिन का ईंधन: सरकार

इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है, जिससे आपूर्ति में निरंतरता बनी रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के बावजूद भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है, जिससे किसी एक मार्ग या क्षेत्र पर निर्भरता कम हो जाती है।

लॉकडाउन की ...

कोविड जैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा। मैं लोगों को फिर से आश्वस्त करना चाहती हूं कि कोविड जैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा।

अफवाहें फैलाना हानिकारक : हरदीप सिंह पुरी

बता दें कि इससे पहले केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी साफ कहा कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा, जैसा कि महामारी के दौरान लगाया गया था। उन्होंने लॉकडाउन की अफवाहों की आलोचना करते हुए इसे हानिकारक बताया।

हरदीप सिंह पुरी ने द पर पोस्ट में लिखा, भारत में लॉकडाउन की अफवाहें पूरी तरह झूठी हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि सरकार ऑफ इंडिया द्वारा ऐसे किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है। ऐसे समय में हमें शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहना चाहिए। ऐसी स्थिति में अफवाहें फैलाने और दहशत पैदा करने के प्रयास हानिकारक हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से उपभोक्ताओं को बचाना है।

बंगाल में रामनवमी ...

पुलिस का कहना है कि घटनाओं की जांच की जा रही है और जिन लोगों ने कानून-व्यवस्था भंग करने की कोशिश की है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है, जबकि सुरक्षा एजेंसियां पूरे क्षेत्र में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 28 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री सच्चियाय माता मंदिर में महाप्रसाद (भंडारा) भव्यता से सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सच्चियाय संघ हैदराबाद द्वारा किशनबाग, अत्तापुर स्थित श्री सच्चियाय (ओसिया) माता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत महाप्रसाद (भंडारा) कार्यक्रम भव्यता और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। दोपहर 11 बजे से सायं 4 बजे तक आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और माता के दरबार में हाजिरी लगाई। =ज

संघ द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दुलीचंद नाहटा एवं संतोषदेवी नाहटा ने बताया कि 19 मार्च से 27 मार्च 2026 तक मंदिर में प्रतिदिन पूजा-पाठ, प्रातः एवं रात्रि आरती तथा भक्ति कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। शुक्रवार 27 मार्च को महाप्रसाद के साथ नवरात्रि महोत्सव का समापन हुआ।

दुलीचंद नाहटा ने उपस्थित भक्तों को बताया कि जोधपुर (राजस्थान) से लगभग 50 किलोमीटर दूर ओसियां गांव की पहाड़ी पर स्थित श्री सांचिया (सच्चियाय/ओसिया) माताजी का पौराणिक मंदिर हजारों वर्षों से आस्था का केंद्र रहा है और जैन, महेश्वरी, राजपूत सहित अनेक हिंदू समाजों की यह कुलदेवी हैं।उन्होंने बताया कि हैदराबाद में इस मंदिर का निर्माण लगभग चार वर्ष पूर्व भव्य रूप से किया गया और अब तक लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन कर चुके हैं।कार्यक्रम में दुलीचंद नाहटा, संतोष नाहटा, निर्मल प्रेम नाहटा, डॉ. अरविंद एवं मोनीता नाहटा, विपिन एवं आकांक्षा नाहटा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय मंत्री स्वामी कमलेश महाराज, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार तथा समाज-सेवी करण सिंह बैद ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर माता के दर्शन किए।विपिन नाहटा ने बताया कि मंदिर परिसर में कुल सात प्रमुख परिसर विकसित किए गए हैं, जिनमें श्री सच्चियाय माता मंदिर, स्वयम्भू श्री शीतला माता मंदिर, भजन हॉल, डायमंड पैलेस, अन्नपूर्णा हॉल, अन्नपूर्णा किचन तथा गंगा बावड़ी के समीप ओसिया उद्यान शामिल हैं। नवरात्रि सप्तमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए नारियल बांधे, और कई भक्तों ने अपनी आस्था से जुड़े चमत्कारिक अनुभव भी साझा किए।

सेवा और समर्पण का प्रतीक है राधे-राधे ग्रुप : शुचि गुप्ता

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रामनवमी के पावन अवसर पर विशेष अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शुचि गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप की कार्यप्रणाली की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की तरह कार्य करता है, जहां सभी सदस्य मिलकर वंचित एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन उपलब्ध कराने का सतत प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा का यह कार्य न केवल जरूरतमंदों की सहायता करता है, बल्कि समाज में सहयोग और मानवता का संदेश भी फैलाता है। इस सेवा कार्य में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगन एलाकुर्ती, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भगतराम गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश अग्रवाल एवं शुचि गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राम नवमी शोभायात्रा में जागीरदार फाउंडेशन द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा की गई

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राम नवमी के शुभ अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा में शामिल होने वाले रामभक्तों की सेवा हेतु जागीरदार फाउंडेशन द्वारा सुलतान बाजार स्थित रायल प्लाजा पर विविध प्रकार के शीतल पेयों का पंडाल लगाया गया। तेज गर्मी के बीच इस सेवा कार्य से श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली और उन्होंने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना की।

शोभायात्रा मार्ग पर लगाए गए इस पंडाल में भक्तों को ठंडे पेय वितरित किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में सेवा और भक्ति का वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में रामभक्तों ने पंडाल पर पहुंचकर शीतल पेय ग्रहण किया।

इस अवसर पर अग्रवाल शिक्षा समिति के चेयरमैन सुरेश अग्रवाल सहित विरेंद्र अग्रवाल, कमलेश महाराज, अच्युत रामानुजाचार्य, विजय वोरा, मुकेश चौहान, पारस जागीरदार, धारिणी लोडाया, छाया मोटा, लक्ष जागीरदार, विशाल शर्मा, नवीन तांडले, तनीश जायसवाल, जसवंत राज, निखिल तांडले, अवधेश एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

श्रीराम नवमी पर भव्य सीताराम विवाह समारोह आयोजित

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर जियागुड़ा के इमामपुरा क्षेत्र में श्री सीता राम विवाह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नव भारत संगम सामुदायिक हॉल के पास आयोजित हुआ, जिसे श्री कुमारिकुंतला श्रीकांत के परिवार द्वारा श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया गया।

विवाह समारोह के दौरान पूरे इमामपुरा क्षेत्र में 'जय श्री राम' के जयघोष गूंजते रहे और भक्तिमय वातावरण बना रहा। सीता-राम विवाह की रस्में विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न कराई गईं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जियागुड़ा के पूर्व नगरसेवक बोहिनी दर्शन तथा नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण रहे। दोनों अतिथियों ने विशेष पूजा में भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की।

विवाह समारोह के पश्चात अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर नव भारत संगम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, संगम प्रतिनिधि कुमारिकुंतला श्रीकांत, के. कुमार, एम. सुरेंद्र, सी. आनंद, डी. संतोष कुमार, एम. दर्शन, भाजपा नेता मुरली, जगदीश सहित क्षेत्र की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

श्रीराम नवमी पर भोलेनाथ ग्रुप द्वारा छांछ वितरण सेवा

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर गाजुलाराम स्थित भोलेनाथ ग्रुप द्वारा गाजुलारामारम सर्कल के समीप श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए छांछ वितरण का सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेज गर्मी के बीच इस पहल को लोगों ने सराहा और बड़ी संख्या में लाभ उठाया। भोलेनाथ ग्रुप के सदस्यों ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ छांछ का वितरण किया और आने-जाने वाले लोगों को प्रसाद स्वरूप शीतल पेय उपलब्ध कराया। इस दौरान क्षेत्र में धार्मिक और सेवा भाव का वातावरण बना रहा।कार्यक्रम में मंगलराम पंवार, बंसीलाल प्रजापति, हरि सिंह राठौड़, दुर्गाराम मुलेवा, अशोक हाम्बड़, जोराराम सोलंकी, दिनेश सेपटा, सुरेश मुलेवा, ओमप्रकाश, दिलीप, जोगाराम, श्रवण, संजू सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से सेवा प्रदान की और आयोजन को सफल बनाया।

श्री राम नवमी पर श्री आईजी गौशाला में 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' का शुभारंभ

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में श्री राम नवमी के पावन अवसर पर 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य समाज में गौ संरक्षण और गौ सेवा के प्रति जागरूकता फैलाना तथा लोगों को गौसेवा के लिए प्रेरित करना है।अभियान के तहत श्री आईजी गौशाला से जुड़े कार्यकर्ताओं ने किसरा, चिरियाला और बंडलागुडा क्षेत्रों में जनजागरण अभियान चलाया और लोगों को गौ सेवा के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रचारक मंगलाराम पंवार, भंवरलाल मुलेवा, पुकाराज मुलेवा, ओमप्रकाश काग सहित अनेक गौभक्त उपस्थित रहे। सभी ने गौ माता के संरक्षण और सेवा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया तथा अभियान को सफल बनाने के लिए जनसमर्थन जुटाने का आह्वान किया।

राम नवमी के पावन अवसर पर मजीदपुर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर प्रांगण में श्री सीता रामचंद्र वारी कल्याण महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में सरपंच मेडपल्ली प्रिया चंद्रशेखर,वराला गोवर्धन रेड्डी, पूर्व सरपंच सुधाकर रेड्डी,पंकज संघी,देवांश संघी,कक्केरला गणेश, श्रीनू, लिंगा रेड्डी, लक्ष्मा रेड्डी, प्रभाकर रेड्डी, गोवर्धन, रविंदर रेड्डी, महेंद्र रेड्डी, रंगा रेड्डी आदि उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज में नवगठित 65 कमेटियों के चैयरमेन का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में अग्रवाल समाज द्वारा प्रकाशित अग्रमंजूषा पत्रिका के प्रधान संपादक मुकेश कुमार केडिया का सम्मान करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं भूतपूर्व अध्यक्ष आर.एन.गुप्ता।

रामनवमी शोभा यात्रा में सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी ने पुलिस के साथ निभाई सक्रिय भूमिका

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी, हैदराबाद के सदस्यों ने रामनवमी शोभा यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर अपनी सेवाएं प्रदान कीं। समिति के स्वयंसेवकों ने शोभा यात्रा के सुचारु संचालन, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सहायता में सक्रिय योगदान दिया।इस अवसर पर खैरताबाद जोन की पुलिस उपायुक्त शिल्पा वालेई, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) जोयल डेविस, गोलकुंडा के पुलिस आयुक्त चंद्रामौली तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सीसीएस श्रीनिवास विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने समिति के सदस्यों के साथ समन्वय बनाकर शोभा यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराया।कार्यक्रम में सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, खैरताबाद जोन अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, गोलकुंडा जोन अध्यक्ष मोहम्मद मोज़म अली, जुबिली हिल्स जोन अध्यक्ष तेजो विजय कुमारी, सिकंदराबाद जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी तथा चारमीनार जोन अध्यक्ष खाजा मोइज सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।इसके अतिरिक्त डॉ. रविंदर, मधुसूदन सोमानी, इस्माइल भाई, महावीर शर्मा, यूसुफ उस्मान, डॉ. मजहर सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपनी सेवाएं दीं। समिति के सदस्यों ने पुलिस के साथ मिलकर श्रद्धालुओं की सहायता कर साम्प्रदायिक सद्भाव, सहयोग और सेवा की भावना का परिचय दिया, जिससे शोभा यात्रा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकी।

दनविक के जन्मदिन पर दादा सुभाष अग्रवाल संग अन्नदान, सेवा का दिया संदेश

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क गेट पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज का आयोजन विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा, जिसमें दादा और पोते की जोड़ी ने मिलकर सेवा भाव का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

दनविक के जन्मदिन के अवसर पर उनके दादा सुभाष अग्रवाल ने अन्नदान कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि समय के साथ जिम्मेदारियां नई पीढ़ी को सौंपनी चाहिए और अपनी खुशियों को परिवार, विशेषकर बच्चों और पोते-पोतियों के साथ साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे खास अवसरों को सेवा और परोपकार के कार्यों से जोड़ना ही सच्ची खुशी का अनुभव कराता है।

इसी क्रम में दनविक का जन्मदिन अन्नदान के माध्यम से मनाया गया, जहां जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सेवा, संस्कार और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, हरिश तोलाराम हिंदुजा, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन के परामर्शदाता भक्त राम, प्रदीप जाजू, नरेंद्र आर्य, श्रीरामकथा एवं भव्य यज्ञ के आयोजक धर्मपाल आर्य, डॉ. धर्म तेजा ने शुक्रवार को आर्य जगत की प्रसिद्ध श्रीरामकथा वाचक विदुषी बहन अंजली आर्य को संस्था की मासिक पत्रिका के चैत्र माह की प्रति भेंट की ।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रीराम दरबार पंचायतीबाडा स्थित श्रीराम नवमी महोत्सव भव्य रूप से मनाया गया ।

'मेरा सूर-मेरी आवाज' (सीजन 4) ऑनलाइन गणगौर गीत प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्रप्रदेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा आयोजित ऑनलाइन गणगौर गीत प्रतियोगिता 'मेरा सूर-मेरी आवाज' (सीजन 4) सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में आंध्रप्रदेश के विभिन्न शहरों से कुल 75 प्रतिभागी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी मधुर प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

निर्णायक मंडल में कलावती लड्ढा, लीला बंग और श्रुति भक्कड़ शामिल थीं। उनके निर्णयानुसार प्रथम स्थान प्रीति सारडा (पेदापल्ली), द्वितीय स्थान कंचन मक्कड़ (कोतागुडम) तथा तृतीय स्थान निशा सोमानी (बेलमपल्ली) को प्राप्त हुआ।

प्रोत्साहन पुरस्कार ज्योति मुंदड़ा, ऐश्वर्या पंडित, राखी पलोड़, शोभा सारडा, राधिका मंत्री, रुचिका झंवर, शीतल लाहोटी और पूजा रमावत को प्रदान किए गए, जबकि बाल प्रोत्साहन श्रेणी में आर-ाधी लोया, हेतल मुंदड़ा और पिहुं गुप्ता को सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागी बहनों की प्रस्तुतियां अत्यंत सराहनीय और प्रभावशाली रहीं।

संस्था संगठन ने सभी निर्णायकों, संयोजक बहनों तथा विजेता प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि सभी के अथक प्रयासों से कार्यक्रम सुनियोजित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। इस संबंध में जानकारी प्रेस को लीला बजाज द्वारा दी गई।कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष लीला बजाज, अध्यक्ष शोभा डागा, मंत्री पदमा झंवर, उपाध्यक्ष मीना कासलीवाल एवं अरुणा झंवर, सुनीता माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष लीला भूतड़ा, नंदा वर्मा, संगठन मंत्री तनुजा व्यास सहित संगठन के सभी सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल भाग्यनगर द्वारा महिलाओं व बच्चों को भोजन एवं पुरस्कार वितरण

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल भाग्यनगर के तत्वावधान में महिलाओं और बच्चों के लिए सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों को भोजन कराया गया तथा बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों तक सहयोग और स्नेह पहुंचाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने प्रसन्नता के साथ भोजन ग्रहण किया और पुरस्कार प्राप्त कर उत्साहित नजर आए। उपस्थित माताओं ने आयोजकों को आशीर्वाद देते हुए सभी के स्वस्थ और खुशहाल रहने की कामना की।

इस अवसर पर माथुर वैश्य इंटरनेशनल की अध्यक्षा सपना गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ भाग्य, शैफरोन डायरेक्टर विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता, कविता, नन्दा, राघा सहित अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे और उन्होंने सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई।

आयोजन के माध्यम से संस्था ने समाज सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक और सेवा कार्यों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

श्रीराम नगर में श्री सीता रामचंद्र कल्याणम का भव्य आयोजन

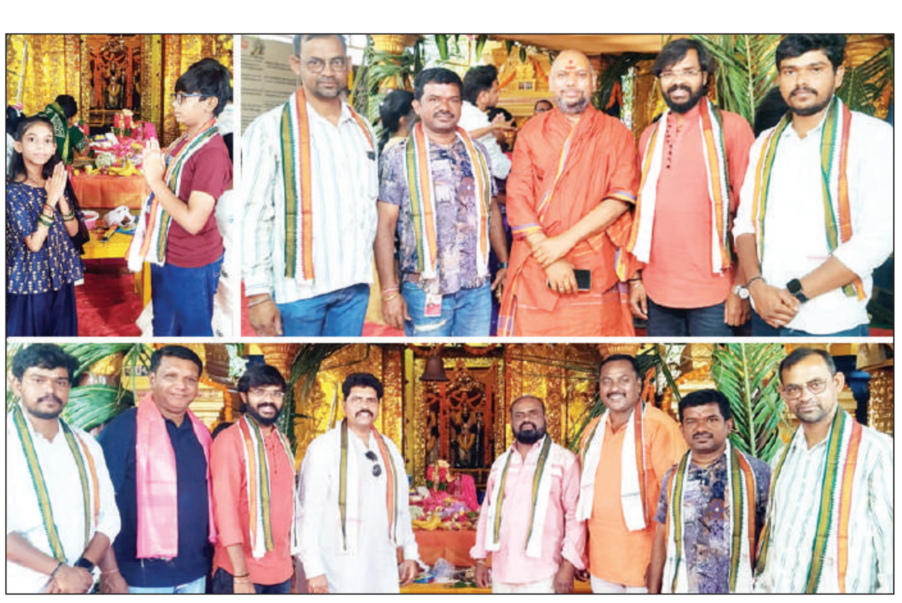

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के मसाब टैंक स्थित श्री राम नगर के श्री राम मंदिर में श्री राम नवमी का उत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी और उनकी धर्मपत्नी ने पवित्र मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्री सीता रामचंद्र जी का दिव्य कल्याणम (विवाह) संपन्न कराया।

धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात, मंदिर परिसर में विशाल भंडारे (अन्नदानम) का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान रामरस और वडापप्पु का वितरण भी किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी संतोष शर्मा ने बताया कि शाम के समय आयोजित भगवान की भव्य पालकी सेवा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वामी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नवरात्रि पर भक्तिमय माहौल : भव्य भजन संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवरात्रि के पावन अवसर पर माँ दुर्गा के नाम नौ दिनों तक भक्ति और श्रद्धा के साथ घर-घर में भजन गाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 26 मार्च 2026 को बेगमपेट, सिकंदराबाद स्थित सुरेशजी अनीता के निवास स्थान पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया।

इस भक्तिमय कार्यक्रम में माँ के भजनों की मधुर धुन में सभी भक्त निमग्न रहे।

मुख्य उपस्थित गणमान्य भक्तों में - नीलम सेठिया, रीता सुराणा, सोनू बोहरा, निहारिका सुराणा, रेनू बगरेचा, चित्रा दुगड़, ममता सुराणा, मीनू संचेती, सरिता सिरोहिया, शर्मीला बैद, मनीषा संचेती, शीला दुगड़, लक्ष्मी सेखानी, कविता बैद, पिंकी सेखानी आदि शामिल थीं। कार्यक्रम में सभी भक्तों ने पूरे समर्पण और भक्ति भाव से माँ दुर्गा के भजन गाए। माहौल पूर्णतः भक्तिमय और आध्यात्मिक रहा।

खैराताबाद गणेश उत्सव समिति द्वारा श्री सीता राम कल्याणम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। खैराताबाद गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में श्रीसीता राम कल्याण महोत्सव अत्यंत भव्यता और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित सभा में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एस.एम. हुसैनी (मुजीब) सम्मिलित हुए और भक्तों को संबोधित किया।

अपने संबोधन में डॉ. हुसैनी ने कहा कि भारत विविध परंपराओं और संस्कृतियों का देश है, जहाँ श्री सीता राम कल्याणम जैसे आध्यात्मिक उत्सव हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने भगवान राम को धर्म का अवतार और माता सीता को त्याग व सहनशीलता की प्रतिमूर्ति बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं, जहाँ विभिन्न धर्मों और वर्गों के लोग एक साथ जुटते हैं।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राज कुमार, टीएनजीओ यूनियन के केंद्रीय सचिव श्री चंदू, हैदराबाद उपाध्यक्ष बोलिगिद्दा शंकर और कांग्रेस नेता वी. प्रवीण कुमार ने मुख्य अतिथि डॉ. हुसैनी मुजीब का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में के.आर. राज कुमार (एसोसिएट प्रेसिडेंट, टीएनजीएस), वेंकटेश यादव, नईमुद्दीन (आबकारी विभाग), कुमार (एमआरपीएस अध्यक्ष), वरिष्ठ नेता अंजय्या, शीनिवास मुदिराज और अंबाती श्याम कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, AMER (old name) S/o MOHAMMED ABDUL, R/o H.NO:4-1-394/1/1/1, Street: BILALPURA, Town & Mandal: KORUTLA, Pin code: 505326, Dist: JAGTIYAL, Telangana state, India, have changed my name to ABDUL AMER Here after my name is known as ABDUL AMER S/o ABDUL MOHAMMED

CHANGE OF NAME

I, THAHA BANU (old name) W/o ABDUL QAYYOOM, R/o. H.NO:4-1-382/2, Street: BILALPURA, Town & Mandal:KORUTLA, Pin code: 505326, Dist: JAGTIYAL, Telangana state, India, have changed my name to SAHERA BANU. Here after my name is known as SAHERA BANU w/o ABDUL QAYYOOM

CHANGE OF NAME

I, SIDDIKA BEGAM (old name) W/o MOHAMMED MUJAHID, R/o. H.NO:5-4-76/1, Street: Raheem pura, Town & Mandal:KORUTLA, Pin code: 505326, Dist: JAGTIYAL, Telangana state, India, have changed my name to SIDDIKA BEGUM. Here after my name is known as SIDDIKA BEGUM W/o MOHAMMED MUJAHID

सिकंदराबाद में भक्तिभाव से सम्पन्न हुआ सीताराम कल्याणोत्सव

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के पिकेट स्थित गांधीयन हाई स्कूल में चिन्मय स्पिरिचुअल साइंस अकादमी के तत्वावधान में सीताराम कल्याणोत्सव का आयोजन भक्तिभाव और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, अभिभावकों और विद्यालय परिवार ने भाग लेकर महोत्सव का लाभ प्राप्त किया।

आध्यात्मिक साइंस अकादमी के प्रचार-प्रसार सचिव श्यामसुंदर अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि यह कार्यक्रम डॉ. आचार्य सत्यमूर्ति एवं आनंद प्रभु के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उनके सान्निध्य में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से किया गया, जिसके बाद तीन बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। इसके पश्चात शुभ मुहूर्त में सीतारामुल कल्याण (सीता-राम विवाह उत्सव) का विधिवत आयोजन किया गया। एक ओर आध्यात्मिक प्रवचन चल रहा था तो दूसरी ओर वेद पंडितों के मंत्रोच्चारण के बीच विवाह उत्सव को अत्यंत गरिमामयी और वैभवपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया गया।

अकादमी के अध्यक्ष बेनी प्रसाद सिंघल, सुभाष गुप्ता, महेंद्र अग्रवाल, मोहनलाल जैन ने सपरिवार कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अतिरिक्त राजेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, नवरत्न वैष्णव, कुमारी इंद्राणी जी, श्रीमती कन्याकुमारी, श्रीमती वंदना, श्रीमती श्रीलक्ष्मी सहित गांधीयन स्कूल की शिक्षिकाओं, अभिभावकों तथा चिन्मया आध्यात्मिक साइंस अकादमी के भक्तों ने हर्षोल्लास के साथ कल्याण महोत्सव का आनंद लिया।

मर्यादा, धर्म और आदर्शों का संदेश देती है रामनवमी : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आज रामनवमी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं प्रसाद वितरण के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इस अवसर पर श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक जीवंत संदेश है। यह दिन भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि त्रेता युग में अयोध्या नगरी में राजा दशरथ के यहां जन्मे श्रीराम ने अपने जीवन से मर्यादा, त्याग, सत्य और कर्तव्य का ऐसा आदर्श प्रस्तुत किया, जो आज भी हर मानव के लिए प्रेरणास्रोत है। भगवान श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने जीवन के हर संबंध-चाहे वह पुत्र, भाई, पति या राजा का हो-उसे पूर्ण निष्ठा और आदर्शों के साथ निभाया।

उन्होंने आगे कहा कि रामनवमी हमें यह सिखाती है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न आएं, हमें सत्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहना चाहिए। यह पर्व हमें समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देने का संदेश देता है।

भगवान श्रीराम से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसूवाले, नंदकिशोर अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), राजेश सर (योगा), अरुण विजयवर्गीय एवं नीलम विजयवर्गीय, नरेश संघी सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/2185

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से CE/C-III/SC & CE/C-II/SC निर्माण संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा क्रमशः निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित हैं:

क्र.सं.: 01 NIT सं.: 15-CAO-C-SC-2026 दिनांक: 12/03/2026
कार्य का नाम: निर्माण संगठन: गुडूर-रेनिगुंटा दो-हरीकरण: 60किलो/60EI-R260 ग्रेड रेलों के AT वेल्डिंग हिस्सों की आपूर्ति और इनसीटू, सीस वेल्डिंग ऑटोमैटिक टैपिंग थिम्बल का उपयोग करके सिंगल शॉट क्रूसिबल के माध्यम से फ्री रेल जोइंट्स/3RP/10RP/20RP के रूपांतरण के लिए रेनिगुंटा स्टेशन पर यार्ड पुनर्निर्माण कार्यों के लिए।
अनुमानित लागत (रु.): 1,66,46,439.30
पूर्व धरोहर राशि (रु.): 2,33,200.00
समापन अवधि: 02 (दो) माह
खोलने की तिथि: 14/04/2026 15:00 बजे

क्र.सं.: 01 NIT सं.: 16-CAO-C-SC-2026 दिनांक: 20/03/2026
कार्य का नाम: गुंटूर मंडल: विश्नुपुरम (4.90 किमी) पर नई बाईपास लाइन के संबंध में निर्माण कार्य, माइनर ब्रिज, आरयूबीएस, केबिन और अन्य विविध कार्य, NH पर आरयूबी नंबर 1 और NH पर आरयूबी नंबर 1 के दोनों ओर 50 मीटर एप्रोच को छोड़कर।
अनुमानित लागत (रु.): 20,70,37,046.75
पूर्व धरोहर राशि (रु.): 41,40,200.00
समापन अवधि: 12 (बारह) माह
खोलने की तिथि: 14/04/2026 15:00 बजे

क्र.सं.: 01 NIT सं.: 17-CAO-C-SC-2026 दिनांक: 25/03/2026
कार्य का नाम: दमरे निर्माण संगठन सिकंदराबाद मंडल: मोतुमारी-विश्नुपुरम खंड: मिट्टी का काम एम्बैंकमेंट और कटिंग में, आरडीएसओ मानकों के अनुसार ब्लैंकेटिंग, माइनर ब्रिजों का निर्माण, रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), बैलास्ट की आपूर्ति और डंपिंग, पीवे सामग्री का परिवहन, बीजी ट्रैक का बिछाना और लिंकिंग, पीएंडसी का असेंबलिंग और इंसर्शन जिसमें कट और कनेक्शन कार्य और संबद्ध कार्य शामिल हैं, चेनेज 28650.00 मीटर से चेनेज 36600.00 मीटर तक जग्गय्यापेटा टाउन (सीमा से बाहर) से रेवुरु रामापुरम (सीमा से बाहर) स्टेशनों के बीच मोतुमारी-विश्नुपुरम दो-हरीकरण परियोजना के संबंध में।
अनुमानित लागत (रु.): 44,54,82,287.27
पूर्व धरोहर राशि (रु.): 89,09,700.00
समापन अवधि: 18 (अठारह) माह
खोलने की तिथि: 17/04/2026 15:00 बजे

i) बिड दस्तावेज और अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें।
ii) टेंडरर टेंडर जमा करने की अवधि के दौरान जो टेंडर बंद होने से पंद्रह दिन पहले की अवधि है, अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।
iii) टेंडरर को टेंडर जमा करने की अवधि शुरू होने की तिथि तक किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए देखते रहना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

संख्या: NW/148/WIII/निविदा सूचना/2025-26 दि. : 25.03.2026 PUB/2187

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल अभियंता, समन्वय नांदेड़, दक्षिण मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र.सं.: 01 निविदा सं.: टी-202526-2-118 प्राधिकरण: समन्वय **कार्य का विवरण:** नांदेड़ मंडल- SSE/Pway/NED क्षेत्राधिकार: विभिन्न यार्डों (CRU, LBG, NED, MTDI & MGC-5 यार्ड) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और उन्नयन कार्य, (शेष कार्य- नाली, सैंड हंप और पथवे) (IRPSM परियोजना आईडी 11.04.31.25.3.53.006)
निविदा मूल्य (रु.): 11,86,11,530.29
पूर्व धरोहर राशि (रु.): 23,72,300.00
समापन अवधि: बारह माह
निविदा फॉर्म की लागत (रु.): 0

क्र.सं.: 02 निविदा सं.: टी-202526-2-119 प्राधिकरण: समन्वय **कार्य का विवरण:** नांदेड़ मंडल- SSE/Pway/NED क्षेत्राधिकार: विभिन्न यार्डों (CRU, LBG, NED, MTDI & MGC-5 यार्ड) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधी यार्ड सुधार और उन्नयन कार्य, (शेष- ट्रैक कार्य) (IRPSM परियोजना आईडी 11.04.31.25.3.53.006)
निविदा मूल्य (रु.): 3,99,91,268.75
पूर्व धरोहर राशि (रु.): 7,99,900.00
समापन अवधि: बारह माह
निविदा फॉर्म की लागत (रु.): 0

क्र.सं.: 01 निविदा सं.: टी-202526-2-118 **50 लाख से अधिक लागत वाले कार्यों के लिए समान प्रकृति का कार्य:** कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्य/जोनल कार्य को छोड़कर)।
क्र.सं.: 02 निविदा सं.: टी-202526-2-119 **50 लाख से अधिक लागत वाले कार्यों के लिए समान प्रकृति का कार्य:** कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य जिसमें ट्रैक मेंटेनेंस कार्य शामिल है।
उपरोक्त निविदा 24.04.2026 को 15.00 बजे बंद होंगे।

वरिष्ठ डीईएन/समन्वय/नांदेड़

निविदा सं. : वाई-एसजी-36-2025-26-41 दिनांक: 26.03.2026 PUB/2193

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार अभियंता हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद, द्वारा **दिनांक** 27.04.2026 के 11.30 बजे तक ई-प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्र.सं.: 01 निविदा सं.: वाई-एसजी-36-2025-26-41 **कार्य का नाम:** हैदराबाद मंडल: सेंट्रल रेलवे हॉस्पिटल, लालागुडा में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे और फेशियल, बायोमेट्रिक सिस्टम का प्रावधान। **लगभग मूल्य (रु.):** 49,58,885.59
पूर्व धरोहर राशि (रु.): 99,200

वरिष्ठ मंडल सिग्नल और दूरसंचार अभियंता/हैदराबाद

निविदा सूचना सं. : 65/2026 दि. : 26.03.2026
स्टोर्स सामग्री की आपूर्ति
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना PUB/2186

निम्नलिखित निविदा ऑनलाइन जारी किए गए हैं। टेंडररों से अनुरोध है कि वे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं और अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। निविदा विवरण, मात्रा, ईएमडी, एसडी वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं। मैन्युअल रूप से जमा किए गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। डाक द्वारा प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदा बंद करने का समय निविदा की नियत तिथि को 14.30 बजे है।
सभी स्वदेशी प्रस्तावों के लिए, ईएमडी केवल **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण
73261009	इंटरलॉक वॉशर का सेट
25264494	फिक्स्ड और मोबाइल कॉन्टैक्ट बिट्स का सेट
29251028C	3 फेज ट्रैक्शन मोटर बियरिंग का सेट
38261709	की बोल्ट नट, स्प्रिंग वॉशर और 4 मिमी व्यास स्प्लिट पिन के साथ
30263460B	लैवेटरी दरवाजे की व्यवस्था
38261192	नॉन-ट्रांजिशन सीबीसी के लिए लॉक
38261026	मॉडिफाइड इलास्टोमेरिक पैड (डिजाइन-बी)
38261013	कपलर बॉडी
33261111	बोगी फ्रेम असेंबली
82260763A	(PH NO;65287) टैब लोर्लातिनिब 100एमजी
67265001	05 टन क्षमता डीजल हाइड्रोलिक रेल क्रेन का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति और इरेक्शन
33261112	बोगी फ्रेम असेंबली
38265003	कास्ट स्टील साइड फ्रेम (के'' क्लास नैरो पेडेस्टल जॉ के साथ)
65265001	05 टन क्षमता डीजल हाइड्रोलिक रेल क्रेन का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति और इंस्टॉलेशन
66265721	FRM के लिए कटर चेन असेंबली और कटिंग चेन कार्बाइड बिट BCM की खरीद
33261113	बोगी फ्रेम असेंबली
38265010	CTRB के लिए साइड फ्रेम की (नैरो और वाइड जॉ)

टेंडर की नियत तिथियां खोलना:
क्र.सं. 01 दिनांक 13.04.2026 को
क्र.सं. 02 दिनांक 15.04.2026 को
क्र.सं. 03 और 04 दिनांक 16.04.2026 को
क्र.सं. 05 से 07 दिनांक 20.04.2026 को
क्र.सं. 08 दिनांक 21.04.2026 को
क्र.सं. 09 दिनांक 23.04.2026 को
क्र.सं. 10 और 11 दिनांक 24.04.2026 को
क्र.सं. 12 से 14 दिनांक 27.04.2026 को
क्र.सं. 15 दिनांक 28.04.2026 को
क्र.सं. 16 दिनांक 29.04.2026 को
क्र.सं. 17 दिनांक 30.04.2026 को

शुद्धिपत्र
निविदां सूचना सं.: 57/2026 दिनांक 30.01.2026 निविदा सं. : 6025पीटी050 जो दिनांक 02.03.2026 को नियत था संक्षिप्त; आरडीएसओ ड्राइंग संख्या टी-8747 के अनुसार कंपोजिट ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट्स को पढ़ा जाए। नियत तिथि: 08.04.2026 (वर्तमान के बजाय)।
उपरोक्त उल्लिखित निविदाओं **के अलावा 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य** के अन्य निविदा भी हैं। विवरण के लिए कृपया उपरोक्त रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक /सिकंदराबाद

A2764

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में श्रीराम नवमी पर भक्तिमय माहौल, नेताओं ने की पूजा-अर्चना

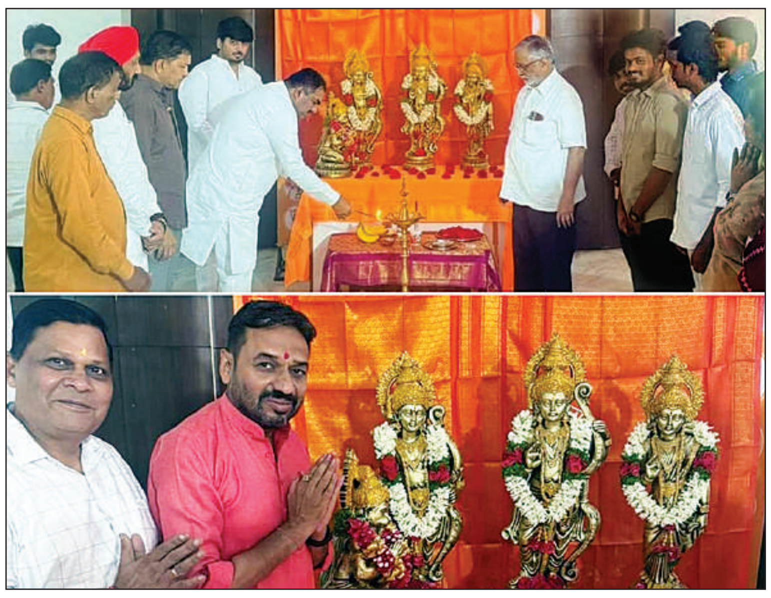

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा और उपस्थित कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा के साथ प्रभु श्री राम का स्मरण किया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री श्री चंद्रशेखर तिवारी जी भाई साहब की विशेष उपस्थिति रही। उनके साथ श्री के वी एस एन राजु जी, सैदी रेड्डी जी, भबूतसिंह जी राजपुरोहित, चौहान मुकेश जैन, पन्नालाल पिंटू भाई कच्छवाहा, सरदार मनमित सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री राम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना और आरती सम्पन्न की गई। सभी उपस्थित जनों ने आरती में भाग लेकर भगवान श्री राम से देश और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

कोनापुर में अखंड हरि नाम सप्ताह का भक्तिमय शुभारंभ

कामारेड्डी, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल के कोनापुर गांव स्थित श्री रुक्मिणी विठ्ठलेश्वर मंदिर में अखंड हरि नाम सप्ताह कार्यक्रम बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रारंभ हुआ। पूरे गांव में धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है तथा प्रतिदिन भजन, कीर्तन और प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालु भगवान के नाम का स्मरण कर रहे हैं।

कार्यक्रम के चौथे दिन गुरुवार को श्री हरि भक्त परायण अनसुजा रेड्डी महाराज (बाल्की) के प्रभावशाली कीर्तन ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। उनके मधुर भजनों और आध्यात्मिक वचनों ने वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

कीर्तन के दौरान तुकाराम महाराज के चार श्लोकों के अभंगों पर विस्तार से टिप्पणी करते हुए अनसुजा रेड्डी महाराज ने सनातन धर्म के मूल्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदू धर्म में पशु बलि पर रोक, हिंदुओं की एकता, जाति भेदभाव को समाप्त करने तथा बच्चों को पारिवारिक मूल्यों और संस्कृति से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

उन्होंने युवाओं और महिलाओं की सोच में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील करते हुए सभी श्रद्धालुओं को अपने घरों में भगवद गीता और हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जो लोग भगवान का नाम लेते हैं, वे वास्तव में धन्य हैं।

भजन मंडली के सदस्यों और गांववासियों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया। डफली, मृदंगम और भक्ति संगीत की स्वर लहरियों से पूरा गांव आध्यात्मिक माहौल में डूबा रहा।

इस अवसर पर श्री विठ्ठलेश्वर मंदिर समिति के सदस्य, मनिका प्रभु भजन मंडली के सदस्य तथा आस-पास के गांवों हनमाजीपेट, सांगोजीपेट, मुडेली, सीताइपल्ली, सर्वपुर, गांडीवेट, वेल्लुतला, चिन्ना पोंटांगल, नेमली, हाजीपुर और नागुलुरे के बड़ी संख्या में गांव के बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और बच्चे उपस्थित रहे और श्रद्धापूर्वक कार्यक्रम का लाभ उठाया।

बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा श्रीराम नवमी शोभा यात्रा का स्वागत

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना ने प्रदेश अध्यक्ष एन. आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में पुतली बावली एक्स रोड पर श्रीराम शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर शोभा यात्रा में शामिल भक्तों के स्वागत और सम्मान के लिए एक विशेष मंच तैयार किया गया। बजरंग सेना के सदस्यों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान सक्रिय भागीदारी और समन्वय दिखाते हुए एक भक्तिमय और अनुशासित वातावरण सुनिश्चित किया। सेवा भाव को सर्वोपरि रखते हुए, शोभा यात्रा के सभी प्रतिभागियों को छाछ और पुलिहोरा का वितरण किया गया।इस कार्यक्रम में बजरंग सेना के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें मनोज मोगल गिद्दी (अध्यक्ष, ग्रेटर हैदराबाद), नरेश (युवा सचिव, हैदराबाद), गणेश यादव, नंदू, वीरेश, कोंडा रेड्डी और गुणेश शामिल थे। इन सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महाराजगंज में श्री सीताराम पालकी सेवा का आयोजन : बोनाला श्रीनिवास ने की विशेष पूजा

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर महाराजगंज गौलीगुड़ा क्षेत्र में श्रीसीता राम जी की भव्य पालकी सेवा का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने मुख्य रूप से भाग लिया।

पालकी सेवा के दौरान, बोनाला श्रीनिवास ने पालकी उठाकर सेवा की और भगवान श्रीराम व माता सीता की विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन भावेश शाह और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय भक्त उपस्थित रहे और पूरा क्षेत्र जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा।

श्री कोदंड रामचंद्र स्वामी देवलयम में श्रीसीता राम कल्याणम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर, हैदराबाद के गौलीपुरा, छत्रीनाका स्थित ऐतिहासिक श्री कोदंड रामचंद्र स्वामी देवलयम में श्री सीता राम कल्याणम (दिव्य विवाह उत्सव) अत्यंत भव्य स्तर पर आयोजित किया गया।

इस आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के ट्रस्टी कोम्पल्ली भरद्वाज और कोम्पल्ली नवीन कुमार द्वारा किया गया। इस विशेष अवसर पर बीआरएस नेता एस.पी. क्रांति कुमार और उनकी पत्नी सुंकारी शैलजा ने मुख्य रूप से भाग लिया और भगवान के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की।उत्सव के दौरान मंदिर के अन्य ट्रस्टी कोम्पल्ली विजयलक्ष्मी, एस. बलराज, एस. शकुंतला सहित कई गणमान्य व्यक्ति और श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर परिसर भक्तिमय भजनों और धार्मिक अनुष्ठानों से सराबोर रहा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, V MARIAPPAN Father of Service No. 15417169L Hav M KANDEEPA KANNAN, R/o.D.No.639/C3, Vill: Mela Vaniyankudi, Post:Siviganga, Teh:Annamal Nagar, Dist:Siviganga, Tamilnadu-630561 have changed my name from V MARIAPPAN to MARIYAPPAN V vide affidavit dt:26-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, M SUSILA Mother of Service No. 15417169L Hav M KANDEEPA KANNAN, R/o.D.No.639/C3, Vill: Mela Vaniyankudi, Post:Siviganga, Teh:Annamal Nagar, Dist:Siviganga, Tamilnadu-630561 have changed my name from M SUSILA to SUSILA M vide affidavit dt:26-03-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad

विधायक राजा सिंह के नेतृत्व में भव्य श्रीराम नवमी शोभा यात्रा का आयोजन

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। धूलपेट स्थित आकाशपुरी हनुमान मंदिर से शुक्रवार को विधायक टी. राजा सिंह के नेतृत्व में भव्य श्रीराम नवमी शोभा यात्रा का शुभारंभ हुआ। कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच शुरू हुई इस यात्रा में शहर और उपनगरों के विभिन्न हिस्सों से भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े।

भगवा वस्त्र धारण किए युवाओं ने पूरी यात्रा के दौरान जय श्री राम के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। यात्रा मार्ग की गलियों और उप-गलियों को आयोजकों द्वारा भगवा झंडों और बंदनवारों से सजाया गया था, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सव के रंग में रंगा नजर आया। शोभा यात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान श्री राम, श्री हनुमान और छत्रपति शिवाजी महाराज की विशाल प्रतिमाएं रहीं।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्थानीय निवासियों ने पूरी यात्रा के दौरान प्रतिभागियों को पानी, नींबू पानी और लस्सी वितरित की, जबकि कई जगहों पर प्रसाद का वितरण भी किया गया। जब राजा सिंह ने जनसमूह को संबोधित किया, तो उन पर फूलों की वर्षा की गई।

हैदराबाद पुलिस ने शांतिपूर्ण आयोजन के लिए व्यापक इंतजाम किए थे। निगरानी कैमरों और ड्रोन्स के जरिए पुलिस अधिकारी लगातार नजर बनाए हुए थे। यातायात में बदलाव भी किए गए ताकि यात्रा सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। यह शोभा यात्रा पुराणपुल, बेगम बाजार छतरी, सिद्दीअंबर बाजार, गौलीगुड़ा और सुल्तान बाजार जैसे मुख्य मार्गों से होते हुए देर शाम कोठी स्थित श्री हनुमान व्यायामशाला में संपन्न हुई।

भद्राचलम के सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में रामनवमी का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिले के भद्राचलम में ऐतिहासिक 17वीं शताब्दी के श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में शुक्रवार को भगवान राम के जन्म के प्रतीक श्री राम नवमी को धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया।इस शुभ अवसर पर, भगवान विष्णु के अवतार भगवान राम और देवी सीता के दिव्य मिलन के प्रतीक स्वरूप भव्य विवाह (सीताराम कल्याणम) संपन्न हुआ। उत्सव की शुरुआत सुबह तड़के मुख्य मंदिर में थिरुवाराधना, मंगला सासनम और अभिषेकम जैसे अनुष्ठानों के साथ हुई। सुबह 10 बजे, मूर्तियों को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर से मिथिला स्टेडियम में विशेष रूप से सजाए गए कल्याण मंडपम तक एक भव्य जुलूस में ले जाया गया। पुजारियों ने थिरुवाराधना, विश्वक्सेना पूजा और अन्य अनुष्ठान किए।दिव्य विवाह दोपहर के करीब अभिजीत लग्न के दौरान संपन्न हुआ, जिसके बाद जीवंत 'तलमब्रालु' अनुष्ठान हुआ। सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 बजे के बीच आयोजित इस समारोह को आयोजन स्थल पर हजारों भक्तों ने देखा, जबकि देश भर में लाखों लोगों ने सीधे प्रसारण के माध्यम से इस कार्यक्रम को देखा।तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अपनी पत्नी गीता के साथ राज्य सरकार की ओर से देवताओं को रेशमी वस्त्र और मुत्याला तलमब्रालु अर्पित किए, यह परंपरा भक्त रामदास के समय से चली आ रही है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भी मंदिर निकाय की ओर से रेशमी वस्त्र भेंट किए।इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के साथ मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कोंडा सुरेखा, तुम्मला नागेश्वर राव और वकाती श्रीहारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। त्योहार के लिए मंदिर को शानदार ढंग से सजाया गया था और उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

वनस्थलीपुरम में 9 दिवसीय माता पूजन का भव्य समापन: कन्या पूजन और हवन के साथ सम्पन्न हुआ उत्सव

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह के वनस्थलीपुरम स्थित श्रद्धा नगर कॉलोनी निवास पर आयोजित 9 दिवसीय माता पूजन का सफलतापूर्वक समापन हुआ। अनुष्ठान के अंतिम दिन सुबह 6:30 बजे माता के विशेष पूजन के साथ भव्य हवन और महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात, सुबह 9:30 बजे श्रद्धापूर्वक कन्या पूजन किया गया, जिसके साथ ही इस 9 दिवसीय आध्यात्मिक उत्सव का समापन हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान को पंडित सुखेंद्र शास्त्री जी द्वारा संपन्न कराया गया।इस शुभ अवसर पर एन.के. सिंह, श्रीमती मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, अमरजीत सिंह, नेहा सिंह, ज्योति सिंह, सूर्यांश सिंह, गायत्री सिंह, लक्ष्यजीत सिंह, छवि सिंह और देवांशी सिंह सहित परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे और माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सीरवी समाज मंदिर, जीडीमेटला में नवरात्रि महोत्सव के समापन पर हवन आयोजित

हैदराबाद, 27 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडीमेटला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में नवरात्रि महोत्सव के समापन अवसर पर विधि-विधान से हवन का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में समाज के बड़ी संख्या में सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने माता रानी से सुख-समृद्धि की कामना की।

हवन कार्यक्रम में समाज के संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार एवं दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सलाहकार संतोष चोयल, अर्जुनलाल बर्फा तथा मनोनीत सदस्य देवाराम बर्फा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में समाज के अन्य सदस्यों जैसे राजुराम लचेटा, लुंबाराम मुलेवा, मुलाराम पंवार, उदाराम, भुंडाराम बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़, जयराम परिहार, केनाराम मुलेवा, चंदनाराम चोयल, मोहनलाल, कालुराम काग, नरेश मुलेवा आदि के साथ महिला मंडल की गंगादेवी बर्फा, लाबुदेवी बर्फा, सुनीता हाम्बड़, सुंदरबाई काग, सीवरी देवी पंवार, लक्ष्मी देवी मुलेवा, श्यामा देवी काग और भंवरी बाई लचेटा सहित अन्य महिलाओं ने भी श्रद्धापूर्वक हवन में भाग लिया और महोत्सव के सफल समापन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

बशीरबाग स्थित श्रीराम मंदिर में श्रीराम नवमी का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

हिल रिज स्प्रिंग्स, गच्ची बावली में नवरात्रि पर भजन संध्या एवं पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें गीता अग्रवाल, मंजू शर्मा, विश्वा, आशा अग्रवाल, मैत्री , लछमी मामतानी, प्रभा मेहता केपी अग्रवाल राजेश अग्रवाल वीणा मदन रोशन मद डॉक्टर प्रमोद गर्ग, नेहा खाडीकर, अंजना वशिष्ठ, रेणु सूद, सुधा, भावना ,शिव शंकर बागडे, सी पी सक्सेना, मालती, निर्मला गुप्ता, झेलम,रोमा, लक्ष्मी बालाजी हरिणी आदि ने भाग लिया ! विश्व में शांति की कामना की।

पुरानापुल स्थित सखी बाबा मठ मंदिर में राम नवमी के अवसर पर सजाई गई श्रीराम दरबार की श्रृंगारिक झाँकी के दर्शन करते हुए रमेश कुमार बंग, दीपक बंग, नवलकिशोर बंग, आनन्द झँवर, रुपेश बंग, मीतल बंग, मानसी बंग एवं अन्य ।

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में चैत्र नवरात्रि नवमी पर पालकी सेवा व भव्य शोभायात्रा सम्पन्न

हैदराबाद, 28 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुक्रवार को श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर नवमी के उपलक्ष्य में पालकी सेवा एवं भव्य शोभा यात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा।

नवमी के विशेष दिन देवी माँ की सुसज्जित पालकी को पारंपरिक विधि-विधान के साथ मंदिर परिसर से निकाला गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और जयकारों के साथ पालकी यात्रा में भाग लिया और देवी माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शोभायात्रा के दौरान भक्तों द्वारा ढोल-नगाड़ों और भजनों के साथ देवी माँ की महिमा का गुणगान किया गया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने फूलों की वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया, जिससे वातावरण और भी अधिक आध्यात्मिक और उल्लासपूर्ण बन गया।

मंदिर प्रबंधन समिति के अनुसार, चैत्र नवरात्रि के नौ दिनों तक चले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समापन नवमी के इस भव्य आयोजन के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लेकर महोत्सव को सफल बनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.